@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

बुधवार, 27 नवंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 17 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ललन सिंह के बयान पर जदयू में दो फाड़

पटना, 26 नवंबर। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का मुस्लिम वोट पर दिए गए बयान को लेकर सियासत तेज हो गई है। विपक्ष ही नहीं सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के कुछ नेता भी उनसे नाराज हो गए हैं। मंत्री जमा खान भी उनके बयान से इत्तेफाक नहीं रखते। उनका कहना है कि मुसलमानों ने उपचुनाव में जदयू को वोट दिया है। इधर, लालू प्रसाद और ओवैसी की पार्टी के नेता लगातार ललन सिंह पर हमला बोल रहे हैं। राजद और एआईएमआईएम का कहना है कि किसी धर्म विशेष को निशाना बनाना यह संविधान के साथ साथ लोकतंत्र के भी खिलाफ है। आइए जानते हैं ललन सिंह के बयान पर किसने क्या प्रतिक्रिया दी... सबसे पहले जदयू खेमे के नेताओं की बात करते हैं। बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान ने कहा कि जदयू को मुसलमानों ने वोट दिया है। बेलागंज में मुसलमान वोटरों की संख्या अच्छी है। वहां पर काफी अंतर से जीत से स्पष्ट है कि मुसलमानों ने भी जदयू को वोट दिया है। लोकसभा में भी मुसलमानों ने जदयू को वोट दिया है। जदयू नेता मो. जमाल ने खारिज करते हुए कहा कि ऐसा नहीं है। मुसलमानों ने जदयू को वोट किया है। उपचुनाव में अल्पसंख्यकों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को वोट किया है। अल्पसंख्यक समुदाय भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को वोट करता है। वहीं बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने जो बयान दिया है उसे गलत-तरीके से पेश किया जा रहा है। उनके कहने का मतलब था कि सीएम नीतीश कुमार ने अल्पसंख्यक के लिए जितना काम किया है उस हिसाब से जदयू को वोट नहीं मिलता है। इधर, भाजपा के फायर ब्रांड और विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि ललन सिंह ने बिल्कुल सही कहा है। हमलोग उनका काफी काम करते हैं लेकिन वह हमलोगों को वोट नहीं देकर किसी और को वोट देते हैं। यह उनके चरित्र पर सवाल है। जो काम करता है, उसे वोट मिलना ही चाहिए। एनडीए सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए काफी काम किया है। वहीं एआईएमआईएम के विधायक अख्तरुल ईमान ने कहा कि नीतीश सरकार को मुसलमानों के लिए किए गए काम पर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।

देश की सुरक्षा को चुनौती देने वालों को मिलेगा करारा जवाबः पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 26 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस पर सुप्रीम कोर्ट में आयोजित समारोह में संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि मैं देश का यह संकल्प दोहराता हूं कि भारत की सुरक्षा को चुनौती देने वाले हर आतंकी संगठन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी को संविधान दिवस की बधाई। भारत के संविधान का ये 75वां साल पूरे देश के लिए एक गौरव का विषय है। आज मुंबई में हुए आतंकी हमले की भी बरसी है। इस हमले जिनकी मृत्यु हुई उनको मैं श्रद्धांजलि देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारा संविधान, हमारे वर्तमान और भविष्य का मार्गदर्शक है। बीते 75 वर्षों में देश के सामने जो भी चुनौतियां आई हैं। हमारे संविधान ने हर चुनौती का समाधान करने के लिए उचित मार्ग दिखाया है। संविधान ने आपातकाल का सामना किया। संविधान से मिली शक्ति की वजह से ही आज जम्मू-कश्मीर में भी बाबा साहब आंबेडकर का संविधान पूरी तरह लागू हुआ है। आज पहली बार वहां भी संविधान दिवस मनाया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि संविधान सभा की बहस के दौरान बाबा साहब आंबेडकर ने कहा था कि संविधान केवल वकीलों का दस्तावेज नहीं है। इसकी भावना हमेशा युग की भावना है।

पीएम ने कहा कि आज यह आसान लगता है कि लोगों को नल से पानी मिल रहा है, लेकिन आजादी के 75 साल बाद भी सिर्फ तीन करोड़ घरों में ये सुविधा थी। संविधान की मूल प्रति में भगवान राम, माता सीता की तस्वीरें हैं। भारतीय संस्कृति के प्रतीक चित्र इसलिए हैं ताकि वो हमें मानवीय मूल्यों की याद दिलाते रहें। ये मानवीय मूल्य आज के भारत की नीतियों और निर्णयों का आधार हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 10 साल में 53 करोड़ से ज्यादा भारतीयों के बैंक खाते खुले, जो बैंक के दरवाजे तक नहीं पहुंच पाए। पिछले 10 साल में 4 करोड़ से ज्यादा भारतीयों के घर पक्के हुए। उन्होंने कहा कि भारत के हर नागरिक का सपना विकसित भारत है। इसी ध्येय से हम काम कर रहे हैं। हमने दिव्यांगों को पहचान दिलाई है। हमने संविधान की भावना को सशक्त किया है। हमने त्वरित न्याय के लिए न्याय संहिता लागू की है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब वरिष्ठ नागरिकों को बैंकों में जाकर यह साबित करना पड़ता था कि वे जीवित हैं। आज वरिष्ठ नागरिक डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। देश के 100 जिले विकास की गति में आगे बढ़ रहे हैं। लोगों की रोजमर्रा जिंदगी की परेशानी दूर करने का काम भी चल रहा है। कुछ साल पहले तक देश में ढाई करोड़ घर अंधेरे में डूब जाते थे। देश में सबको बिजली कनेक्शन देकर हमने घरों को रोशन किया। सुदूर इलाकों में हजारों मोबाइल टावर लगाए गए। ताकि लोगों को 4 जी और 5 जी कनेक्शन की सुविधा मिले। पीएम मोदी ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा में अपने भाषण में कहा था कि भारत को ईमानदार लोगों के समूह की जरूरत है जो देश के हित को अपने से ऊपर रखते हैं। राष्ट्र प्रथम की यह भावना आने वाले कई वर्षों तक भारतीय संविधान को जीवंत रखेगी। मैंने उस मर्यादा का पालन करने की कोशिश की जो संविधान ने मुझसे मांगी थी, मैंने उसका अतिक्रमण करने की कोशिश नहीं की। इससे पहले ष्टछ्वढ्ढ संजीव खन्ना ने कहा कि हम जो भी निर्णय देते हैं, वह एक शून्य-योग खेल होता है।

ममता को इंडिया का नेतृत्व सौंपने की मांग की

कौमी संवाददाता

कोलकाता, 26 नवंबर। पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव में सभी छह सीटों पर जीत हासिल करने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के हौसले बुलंद हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि कांग्रेस को अपना अहंकार किनारे रखना चाहिए और ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व सौंपना चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की हार को लेकर भी कांग्रेस की आलोचना की। कल्याण बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को चुनौती देने के लिए एकीकृत और निर्णायक नेतृत्व की जरूरत पर जोर दिया। टीएमसी सांसद ने जोर देते हुए कहा कि ममता बनर्जी के सिद्ध नेतृत्व और जमीन से जुड़ाव ने उन्हें विपक्षी गठबंधन में सबसे उपयुक्त चेहरा बना दिया है। सेरामपुर के हुगली जिले में एक ब्लड डोनेशन कैंप के दौरान

कल्याण बनर्जी ने कहा, कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों को हालिया चुनाव में अपनी असफलताओं को स्वीकार करना चाहिए और एकता को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर रखना चाहिए। उन्हें अपने अहंकार को किनारे करना चाहिए और ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेता मान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि एकीकृत और व्यावहारिक दृष्टिकोण के बिना विपक्ष के प्रयास डगमगाते रहेंगे। ममता बनर्जी को भाजपा के खिलाफ लड़ाई का शानदार रिकॉर्ड रखने वाली नेता बताते हुए तृणमूल सांसद ने कहा, ''उन्हें पूरे भारत में एक योद्धा के रूप में जाना जाता है। उनका नेतृत्व और जनता से जुड़ने की क्षमता उन्हें 'इंडिया' गठबंधन का आदर्श चेहरा बनाती है।'' कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई ने तृणमूल सांसद के बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जबकि भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के नेता ने उनका मजाक उड़ाते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन के नेतृत्व में बदलाव से इसका चुनावी भाग्य नहीं बदलेगा। भाजपा प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा, ''चाहे कांग्रेस हो या तृणमूल या फिर कोई और पार्टी, इसका इंडिया गठबंधन के चुनावी भाग्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि देश के लोगों ने इन पार्टियों को नकार दिया है।'' भाजपा ने शनिवार को महाराष्ट्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए 288 विधानसभा सीट में से 230 पर कब्जा कर लिया, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी दलों के गठबंधन महा विकास आघाड़ी को सिर्फ 46 सीट ही मिलीं। दूसरी तरफ हेमंत सोरेन के झामुमो नीत गठबंधन ने झारखंड में शानदार वापसी करते हुए 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीट जीतकर लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल कर ली, जबकि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को महज 24 सीट ही मिल सकीं।

एनआईए ने मणिपुर हिंसा के तीन बड़े मामलों की जांच शुरू की

नई दिल्ली, 26 नवंबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मणिपुर के हाल के हिंसा से जुड़े तीन बड़े मामलों की जांच शुरू कर दी है। एक आधिकारिक बयान में जानकारी दी गई कि जांच एजेंसी की टीमों ने 21 और 22 नवंबर को घटनास्थलों का दौरा किया और जांच शुरू की। बयान में कहा गया है कि राज्य पुलिस से मामले से जुड़े दस्तावेज एनआईए को सौंपने की प्रक्रिया जारी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद एनआईए ने मणिपुर में हिंसा से जुड़े तीन प्रमुख मामलों की जांच शुरू की। इन मामलों में बड़ी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए एनआईए ने 13 नवंबर को तीन मामलों को नए सिरे से दर्ज किया। गृह मंत्रालय ने अपराधों की गंभीरता और राज्य में बढ़ती हिंसा को देखते हुए जांच एनआईए को सौंपने का फैसला लिया था। पहले मामले की जानकारी देते हुए एनआईए ने बताया कि 11 नवंबर को बोरोबेकरा में कई घरों को आ लगा दी गई थी और दो नागरिकों की हत्या कर दी गई। बाद में अज्ञात उग्रवादियों ने छह लोगों का अपहरण कर हत्या कर दी, जिनमें तीन महिलाएं और तीन बच्चे शामिल थे। इन घटनाओं के बाद पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने जवाबी कार्रवाई की, जिससे भारी गोलीबारी हुई। तलाशी अभियान में जलते हुए घरों से दो शव बरामद हुए। एनआईए ने इस मामले को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम, 1959 के तहत फिर से दर्ज किया है। दूसरे मामले में 11 नववंबर को जिरिबाम के जकुराधोर कड़ोंग और बोरोबेकरा थानों पर उग्रवादियों ने हमला किया था।

रूस-यूक्रेन और इस्राइल-गाजा संघर्ष पर विदेश मंत्री चिंतित

सौरभ शर्मा

रोम, 26 नवंबर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर रूस-यूक्रेन और इस्राइल-गाजा संघर्ष को लेकर चिंता जाहिर की। इटली के रोम में मेड मेडिटेरेनियन डायलॉग कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस वक्त दुनिया में दो बड़े संघर्ष चल रहे हैं। लगातार बढ़ रहे संघर्ष से चिंताएं बढ़ रही हैं। मगर इस युग में विवादों का समाधान युद्ध से संभव नहीं हो सकता। इसलिए हमको संवाद और कूटनीति की ओर लौटना होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि मैं आज दुनिया भर में चल रहे संघर्षों पर बात करुंगा। उन्होंने कहा कि हम सभी मानते हैं कि दुनिया गंभीर तनाव का सामना कर रही है। दो बड़े संघर्ष चल रहे हैं। आपूर्ति श्रृंखला असुरक्षित है, कनेक्टिविटी विशेष रूप से समुद्री मार्ग बाधित हैं। जलवायु परिवर्तन हो रहा है। इसे पहले कोविड महामारी ने गहरे घाव छोड़े हैं। उन्होंने कहा कि यहां अब तक जो कुछ हुआ है और जो भी होने वाला उसे देखते हुए मध्य पूर्व की स्थिति बेहद चिंताजनक है। एस जयशंकर ने कहा कि भारत आतंकवाद और बंधक बनाने की निंदा करता है। सैन्य अभियानों में बड़े पैमाने पर नागरिकों की मौत अस्वीकार्य है। अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए हम सभी को युद्ध विराम का समर्थन करना चाहिए। जरूरी है कि फलस्तीन लोगों के भविष्य को लेकर पहल की जाए। भारत हमेशा से दोनों देशों के बीच समाधान कराने का

पक्षधर रहा है। मगर बढ़ते संघर्ष से हमारी चिंताएं भी बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि हम लगातार उच्चतम स्तर पर संयम बरतने और संचार को बढ़ाने के लिए इस्राइल और ईरान दोनों के संपर्क में हैं। वहीं लेबनान में अदन की खाड़ी और उत्तरी अरब सागर में यूनिफिल के हिस्से के रूप में इटली की तरह ही भारतीय दल शामिल है। हमने वाणिज्यिक शिपिंग की सुरक्षा के लिए पिछले साल से भारतीय नौसैनिक जहाज तैनात किए हैं। विभिन्न पक्षों को शामिल करने की हमारी क्षमता को देखते हुए हम हमेशा किसी भी अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक प्रयास में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को रोकना भी हमारे लिए जरूरी है। लगातार तीन साल से जारी इस संघर्ष से भूमध्य सागर सहित कई क्षेत्रों में गंभीर अस्थिरता पैदा हो सकती है। इसलिए स्पष्ट है कि युद्ध के मैदान से कोई समाधान नहीं निकलने वाला है। भारत का मानना है कि इस युग में विवादों का समाधान युद्ध से नहीं हो सकता। हमें संवाद और कूटनीति की ओर लौटना होगा, यह जितनी जल्दी हो सके उतना अच्छा है। इस साल जून से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उद्देश्य के लिए व्यक्तिगत रूप से रूस और यूक्रेन दोनों के नेताओं से संपर्क किया है। हमारे वरिष्ठ अधिकारी निरंतर संपर्क में हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि जो लोग समान आधार खोजने की क्षमता रखते हैं उन्हें भी यह जिम्मेदारी उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम आज एक नए युग की दहलीज पर हैं। यह पुनः वैश्वीकरण, पुर्नसंतुलन और बहुध्रुवीयता का युग है। इसमें प्रतिभा की गतिशीलता और हरित विकास के साथ अधिक प्रौद्योगिकी-केंद्रित भविष्य भी है।

संविधान से धर्मनिरपेक्ष-समाजवाद शब्द हटाने की मांग वाली याचिकाएं खारिजः सुप्रीम कोर्ट

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 26 नवंबर। संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद शब्द हटाने की मांग वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। ये याचिकाएं पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य के द्वारा दायर की गईं थी। गौरतलब है कि साल 1976 में पारित हुए संविधान संशोधन के तहत धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद जैसे शब्दों को जोड़ा गया था। बीते शुक्रवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका को खारिज करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इस याचिका पर विस्तार से सुनवाई करने की जरूरत नहीं है। सीजेआई ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द 1976 में संविधान संशोधन के जरिए जोड़े गए थे और इनसे 1949 में अपनाए गए संविधान पर कोई फर्क नहीं पड़ता। बता दें कि 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वें संवैधानिक संशोधन करके संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द शामिल किए थे। इस संशोधन के बाद प्रस्तावना में भारत का स्वरूप संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य से बदलकर संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य हो गया था। सुनवाई के दौरान अपनी दलील देते हुए याचिकाकर्ता अधिवक्ता

विष्णु कुमार जैन ने नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के एक हालिया फैसले का हवाला दिया। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 39(बी) पर 9 जजों की पीठ के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि उस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने समाजवादी शब्द की उस व्याख्या पर असहमति जताई जिसे शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर और ओ चिन्नप्पा रेड्डी ने प्रतिपादित किया था। इस पर सीजेआई खन्ना ने कहा कि भारतीय संदर्भ में हम समझते हैं कि भारत में समाजवाद अन्य देशों से बहुत अलग है। हम समाजवाद का मतलब मुख्य रूप से एक कल्याणकारी राज्य समझते है। कल्याणकारी राज्य में उसे लोगों के कल्याण के लिए खड़ा होना चाहिए और अवसरों की समानता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने 1994 के एसआर बोम्मई मामले में धर्मनिरपेक्षता को संविधान की मूल संरचना का हिस्सा माना था। वकील जैन ने आगे तर्क दिया कि संविधान में 1976 का संशोधन लोगों को सुने बिना पारित किया गया था क्योंकि यह आपातकाल के दौरान पारित किया गया था। इन शब्दों को शामिल करने का मतलब लोगों को विशिष्ट विचारधाराओं का पालन करने के लिए मजबूर करना होगा। उन्होंने कहा कि जब प्रस्तावना एक कट-ऑफ तारीख के साथ आती है, तो इसमें नए शब्द कैसे जोड़े जा सकते हैं?

शिंदे को सीएम देखना चाहता है मराठा समुदाय

मुंबई, 26 नवंबर। महाराष्ट्र में महायुति की जीत के बाद अब मुख्यमंत्री के नाम पर सस्पेंस बना हुआ है। इस बीच शिवसेना के एक नेता ने बताया कि मराठा समुदाय चाहता है कि एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री के पद पर बने रहें। पार्टी के प्रवक्ता शीतल म्हात्रे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य में स्थानीय निकायों के आगामी चुनावों को देखते हुए उन्हें सीएम पद पर बने रहना चाहिए। बता दें कि महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव में महायुति ने 288 में से 230 सीटें जीतकर एकबार फिर राज्य में सरकार बनाने में कामयाब रही। विधानसभा चुनाव के परिणाम जारी होने के बाद से ही मुख्यमंत्री के नाम को लेकर चर्चा तेज हो गई है। शीतल म्हात्रे ने कहा, शिंदे ने सफलतापूर्वक मराठा आरक्षण को 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया है। इसके साथ ही उन्होंने अन्नासाहेब पाटिल और सारथी निगमों के माध्यम से समुदाय की मदद की। उन्होंने दावा किया कि चुनाव में यह समुदाय महायुति के साथ खड़ा था। शिवसेना प्रवक्ता ने कहा, मराठा समुदाय से ही मुख्यमंत्री होना चाहिए, यह मांग अब जोर पकड़ रही है। बता दें कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा से हैं। राजनीतिक रूप से वे एक प्रभावशाली मराठा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। विधानसभा चुनाव में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के बाद सीएम पद के लिए पार्टी नेता और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के नाम को सबसे आगे रखा गया है।

जागरूकता के लिए भारत जोड़ो यात्रा की तरह चले अभियानः मल्लिकार्जुन खरगे

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 26 नवंबर। कांग्रेस ने एक बार फिर मतपत्रों की वापसी की मांग उठाई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को तालकटोरा स्टेडियम में कहा कि मतपत्रों की वापसी के लिए भारत जोड़ो यात्रा की तरह जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। संविधान रक्षक अभियान कार्यक्रम के दौरान खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जातिगत जनगणना से डरते हैं। मोदी को डर है कि अगर वह जाति जनगणना कराते हैं तो समाज के सभी वर्ग अपना हिस्सा मांगेंगे। खरगे ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनडीए ने शानदार जीत दर्ज की है। मगर इस चुनाव का उद्यमी गौतम अदाणी से भी लेना-देना है, क्योंकि उनकी काफी संपत्ति दांव पर लगी थी। उन्होंने कहा कि सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ना चाहिए। मैं चुनावों के बारे में बात नहीं करना चाहता, लेकिन चुनावों में सभी गरीब और उत्पीड़ति समुदायों के वोट बर्बाद हो रहे हैं। सभी को मतपत्र से मतदान की मांग करनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा को ईवीएम अपने पास रखने दीजिए। हमें ईवीएम नहीं चाहिए, हमें मतपत्र पर मतदान चाहिए। तब पता चलेगा कि भाजपा की स्थिति क्या है और वे कहां खड़े हैं। खरगे ने कहा कि कांग्रेस को सभी को जागरूक करने के लिए अभियान शुरू

करना चाहिए। हमें मतपत्र की वापसी की मांग करनी चाहिए। इसके लिए हम अन्य राजनीतिक दलों से बात करेंगे। भारत जोड़ो यात्रा जैसा अभियान शुरू करना चाहिए। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जाति जनगणना से डरते हैं क्योंकि तब हर कोई अपना हिस्सा मांगेगा और मोदी को अहमदाबाद भागना पड़ेगा। अगर प्रधानमंत्री देश में एकता चाहते हैं तो वे और उनकी पार्टी देश में नफरत फैलाना बंद कर दे। भाजपा के नेता कह रहे हैं कि बटेंगे तो कटेंगे, लेकिन देश को कौन बांट रहा है? यह वे लोग हैं जो नफरत फैलाकर, लोगों को गुमराह करके और धर्म के नाम पर लोगों को बांटकर देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। खरगे ने भाजपा पर सांविधानिक अखंडता और संघीय चरित्र न होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा डॉ. बीआर आंबेडकर और संविधान सभा के सदस्यों की ओर से संविधान में लागू किए गए प्रावधानों को खत्म कर रही है। भाजपा संविधान की बात करती है, लेकिन जब संविधान को अपनाया गया था, तब आरएसएस ने कहा था कि यह पश्चिमी संस्कृति पर आधारित है और इसे मनुस्मृति पर आधारित होना चाहिए। जिन लोगों ने संविधान का अपमान किया है, वे इसके प्रति नकली प्रेम में लिप्त हैं। भाजपा संविधान की रक्षक नहीं, बल्कि भक्षक हैं। भाजपा संविधान को नष्ट करना चाहती है। हम एकजुट होकर भाजपा को पीछे धकेलना होगा।

कांग्रेस के बाद शरद पवार की राकांपा ने भी किया ईवीएम का विरोध

नई दिल्ली, 26 नवंबर। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर विवाद जारी है। खासकर महाराष्ट्र में चुनावी नतीजों के एलान के बाद महायुति की जीत विपक्षी महा विकास अघाड़ी के गले नहीं उतर रही। ऐसे में पहले कांग्रेस और अब शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा-एसपी) ने भी ईवीएम को लेकर सवाल खड़े किए हैं और मतपत्रों के जरिए चुनाव कराने की मांग की है। राकांपा-एसपी के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक के बाद पार्टी के नेता जितेंद्र अव्हाड ने कहा, लगभग सभी उम्मीदवारों ने ईवीएम के खिलाफ बहुत गुस्सा दिखाया है। सभी ने कहा है कि इसके खिलाफ एक आवाज उठनी चाहिए। हरियाणा लिया, जम्मू कश्मीर दिया, महाराष्ट्र लिया, झारखंड दिया। ताकि आपको शक न आए। क्या बोलेंगे कि झारखंड में तो जीते न तुम ईवीएम पर। मैंने हमेशा कहा है कि छोटा चुनाव दे देंगे आपको। बड़ा चुनाव साथ में लेकर जाएंगे। अव्हाड ने आगे कहा, जब लोकसभा से पहले कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हुए, वो हम जीत गए। हम भी हवा में चले गए। बोले- नहीं-नहीं ईवीएम बराबर है। असल में ईवीएम का इस्तेमाल लोगों को मूर्ख बनाने के लिए किया जाता है। यानी दाना डालो पंछी लो और इधर से बड़ा हाथी खींच लो। राकांपा-एसपी नेता ने अमेरिका का उदाहरण देते हुए कहा, अमेरिका जैसे प्रगत राष्ट्र में, उधर आज भी बैलेट पेपर से चुनाव होता है। तुम अमेरिका से प्रगत तो नहीं हो। वहां सात-सात दिन काउंटिंग चलता है। ऐसी कोई बड़ी बात नहीं है कि इधर चार दिन चलता है। इससे पहले कांग्रेस ने एक बार फिर मतपत्रों की वापसी की मांग उठाई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को तालकटोरा स्टेडियम में कहा कि मतपत्रों की वापसी के लिए भारत जोड़ो यात्रा की तरह जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। संविधान रक्षक अभियान कार्यक्रम के दौरान खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जातिगत जनगणना से डरते हैं। मोदी को डर है कि अगर वह जाति जनगणना कराते हैं तो समाज के सभी वर्ग अपना हिस्सा मांगेंगे। खरगे ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनडीए ने शानदार जीत दर्ज की है। मगर इस चुनाव का उद्यमी गौतम अदाणी से भी लेना-देना है, क्योंकि उनकी काफी संपत्ति दांव पर लगी थी। उन्होंने कहा कि सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ना चाहिए। मैं चुनावों के बारे में बात नहीं करना चाहता, लेकिन चुनावों में सभी गरीब और उत्पीड़ति समुदायों के वोट बर्बाद हो रहे हैं। सभी को मतपत्र से मतदान की मांग करनी चाहिए।

पश्चिमी–पूर्वी जापान में तेज़ हवा चलने और भारी बारिश के आसार

एजेंसी

टोक्यो। पश्चिमी और पूर्वी जापान में तेज़ हवा चलने, भारी बारिश और मौसम खराब रहने के आसार हैं। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने चेतावनी जारी की है कि विशेष रूप से उत्तरी क्यूशू में तेज़ हवा चलने की संभावना है, जबकि दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों से लेकर पूर्वी जापान तक के क्षेत्रों में गरज, बवंडर, ओलावृष्टि और अचानक बारिश होने के आसार हैं। पूर्वी जापान में बुधवार शाम तक मौसम खराब रहने के आसार हैं। स्थानीय स्तर पर भारी बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।जेएमए ने निवासियों को सलाह दी है कि वे खराब मौसम के संकेतों, जैसे कि आसमान में अंधेरा छाने या अचानक ठंडी हवाएँ चलने को लेकर सतर्क रहें और ऐसी स्थिति में घर में ही रहें।

बंगलादेश के योजना सलाहकार ने निवेश में कमी से संभावित मंदी की चेतावनी दी

ढाका। बंगलादेश की अंतरिम सरकार के योजना सलाहकार डॉ. वहीदुद्दीन महमूद ने निजी क्षेत्र में निवेश की कमी के कारण देश में संभावित आर्थिक मंदी की चेतावनी दी है। यूएनबी के अनुसार, उन्होंने एनईसी सभागार में ईसीएनईसी (राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की कार्यकारी समिति) की बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता में कहा कि एक तरफ निजी निवेशक नया निवेश नहीं कर रहे हैं और दूसरी तरफ सार्वजनिक विकास व्यय नहीं बढ़ाया जा रहा है। तो, यह आर्थिक मंदी उत्पन्न करेगा।महमूद ने आगे कहा कि नए प्रशासन के सत्ता में आने के बाद से निजी क्षेत्र स्थिर हो गया है, किसी भी निवेश में बहुत कम दिलचस्पी है और ब्याज दर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप उद्यमी नये निवेश को लेकर कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं। मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने एनईसी सम्मेलन कक्ष में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। सलाहकार ने कहा कि निजी क्षेत्र निवेश में कोई रुचि नहीं दिखा रहा है और ब्याज दर काफी बढ़ा दी गयी है योजना सलाहकार ने कहा कि अंतरिम सरकार ने सैद्धांतिक रूप से निर्णय लिया है कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक वह उन परियोजनाओं को आजमाएगी जिन्हें सरकारी मंजूरी प्राप्त हो चुकी है और उन्हें जल्द से जल्द लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, अगर परियोजनाएं अच्छी हैं और नए परियोजना निदेशक नियुक्त किए गए हैं, तो हम अब सिद्धांत के समन्वय के चरण में हैं। उन्होंने कहा कि इसके द्वारा, हम अपनी परियोजना कार्यान्वयन दर में तेज़ी लाने में सक्षम होंगे। इसकी तत्काल आवश्यकता है क्योंकि वर्तमान में अस्थिरता, असुरक्षा और राजनीतिक अनिश्चितता और अनुशासनहीनता के कारण निजी क्षेत्र में निवेश की एक स्थिर स्थिति बनी हुई है।

किस्तान के कुर्रम जिले में सांप्रदायिक झड़पों में मरने वालों की संख्या 88 हुयी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पश्चिमोत्तर प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में सांप्रदायिक झड़पों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 88 हो गई है। अस्पताल प्रशासन ने मीडिया को यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हिंसा पिछले तब भड़की जब पाराचिनार इलाके में शिया मुसलमानों को ले जा रहे यात्री डिब्बों के काफिले पर घात लगाकर हमला किया गया, जिसमें भारी जनहानि हुई। इस हमले ने शिया और सुन्नी समुदायों के बीच सांप्रदायिक हिंसा की लहर को जन्म दिया, जिसके बाद के दिनों में कई जवाबी हमले हुए, जिससे मरने वालों की संख्या और बढ़ गई। प्रांतीय सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिले का दौरा किया और दोनों संप्रदायों के बीच सात दिनों के लिए संघर्ष विराम पर सहमति बनी।

वेस्ट बैंक में इजरायली सेना ने की दो फ़िलिस्तीनियों की हत्या

रामल्ला। इजरायली सैनिकों ने उत्तरी वेस्ट बैंक में जेनिन के दक्षिण स्थित याबाद शहर में एक फिलिस्तीनी किशोर और एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। जेनिन सरकारी अस्पताल के निदेशक विसम बक्र ने मंगलवार को चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि रविवार रात दो लोगों में से एक के सीने और चेहरे पर और दूसरे युवक के सिर में गोली मार दी गई। उन्होंने बताया कि घायल अवस्था में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनकी मौत हो गयी। फ़िलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मारे गए फ़िलिस्तीनियों की पहचान 13 वर्षीय मुहम्मद रबी जमाल हमरशेह और 20 वर्षीय अहमद महमूद ज़ैद के तौर पर हुयी है। स्थानीय फ़िलिस्तीनी सूत्रों ने बताया कि इजरायली सेना ने शहर पर हमला किया और दो लोगों पर गोलीबारी की, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। इजरायली मीडिया ने इजरायली रक्षा बलों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि एक किशोर और एक युवक ने विस्फोटक को इजरायली सुरक्षा बलों पर फेंक दिया, जिसके बाद सैनिकों ने गोलियां चलायीं, जिससे दोनों की मौत हो गई। फ़िलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सात अक्टूबर, 2023 से वेस्ट बैंक में जारी संघर्ष से अब तक 770 से अधिक फ़िलिस्तीनी मारे गए।

इस्लामाबाद में हालात गंभीर, हिंसक झड़पों में छह सुरक्षाकर्मियों की मौत के बाद बुलाई गई सेना

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और उसके आसपास, सुरक्षा स्थिति गंभीर होती जा रही है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं के साथ हिंसक झड़पों में कम से कम छह सुरक्षाकर्मियों की मौत के बाद देश के आंतरिक मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत सेना को तैनात किया गया है।

यह कदम बढ़ते तनाव, सरकार और पीटीआई नेताओं के बीच दूसरे दौर की वार्ता की विफलता के बीच उठाया गया। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों ने राजधानी के डी-चौक की ओर मार्च करना जारी रखा है। पीटीआई प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में अब तक दो पुलिस अधिकारी और चार पाकिस्तानी रेंजर्स के जवानों की मौत हो चुकी है। सुरक्षा स्थिति तब और बिगड़ गई जब इस्लामाबाद-श्रीनगर हाईवे पर

पीटीआई प्रदर्शनकारियों का एक वाहन रेंजर्स से टकरा गया। इस्लामाबाद की चुंगी नंबर 26 पर हिंसक झड़पों में प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी की और उसके बाद गोलीबारी में एक रेंजर घायल हो गया। नवीनतम निर्देशों के अनुसार, अधिकारियों ने सुरक्षा कर्मियों को उपद्रवियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने और जरूरत पड़ने पर किसी भी दंगाई को गोली मारने जैसे चरम उपायों का इस्तेमाल करने को कहा है। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में सेना को कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जब भी उचित लगे, कर्फ्यू लगाने का अधिकार भी दिया गया है। इस बीच, इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने विरोध स्थल बदलने से इनकार कर दिया। पीटीआई के एक प्रतिनिधिमंडल ने अपने संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से अदियाला जेल में कम से कम दो बार मुलाकात की। उन्होंने सरकार के साथ पिछले दरवाजे से बातचीत के बारे में उनसे सलाह ली।

सूत्रों के अनुसार, खान को बताया गया कि सरकार ने पीटीआई के विरोध प्रदर्शन के लिए अत्यधिक संवेदनशील डी-चौक के बजाय संजनी इंटरचेंज का नाम सुझाया है और पीटीआई से विरोध प्रदर्शन की परमिशन के लिए अनुरोध प्रस्तुत करने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि खान ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर को इसकी सूचना दे दी, लेकिन बुशरा बीबी ने इससे सहमत होने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि पहले की घोषणा के अनुसार पीटीआई के धरना प्रदर्शन का स्थान डी-चौक ही रहेगा।

चीन में बर्फीला तूफान, शीत लहर को लेकर येलो अलर्ट जारी

एजेंसी

बीजिंग। चीन में मंगलवार को बर्फीला तूफान और शीत लहर के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। चीन के मौसम प्राधिकरण के अनुसार देश के कुछ हिस्सों में हिमपात जारी रहने और तापमान लुढ़कने के आसार हैं।मौसम विज्ञान प्राधिकरण ने बताया कि मंगलवार को अपराह्न दो बजे से बुधवार को अपराह्न दो बजे तक, इनर मंगोलिया, हेइलोंगजियांग, जिलिन और शेडोंग के कुछ हिस्सों में भारी हिमपात होने की संभावना है। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में 15 सेंटीमीटर से अधिक की ताजा बर्फबारी होने के आसार हैं। इसी बीच, मंगलवार को अपराह्न दो बजे से गुरुवार सुबह आठ बजे तक पूर्वोत्तर चीन के अधिकांश हिस्सों और शेडोंग, झेजियांग और फ़ुज़ियान प्रांतों के कुछ इलाकों में शीत लहरें चलने के आसार हैं। पूर्वोत्तर चीन के हेइलोंगजियांग, जिलिन और लियाओनिंग प्रांतों में तापमान 12-16 डिग्री सेल्सियस कम होने का अनुमान है। केंद्र ने पैदल चलने वालों और वाहन चालकों को इस दौरान अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है और स्थानीय अधिकारियों से सड़कों, रेलवे,

बिजली तथा दूरसंचार सुविधाओं के निरीक्षण और रखरखाव को मजबूत करने का आग्रह किया है। इसके अलावा, मौसम अधिकारियों ने पशुधन, मुर्गी और फसलों को ठंड से बचाने के लिए उपाय करने का भी आह्वान किया।

खालिदा जिया छह वर्षों बाद राजनयिक उपस्थिति दर्ज करते हुए सऊदी राजदूत से मुलाकात की

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री छह वर्षों में पहली बार अपनी राजनयिक उपस्थिति दर्ज करते हुए ढाका में सऊदी राजदूत, इसा बिन यूसुफ अल-दुहैलन के साथ मुलाकात की। सऊदी दूत बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष के गुलशन कार्यालय में आज रात लगभग 8 बजे उनसे मिलने पहुंचे। बैठक के दौरान 79 वर्षीय खालिदा जिया के साथ उनके निजी चिकित्सक और बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य प्रोफेसर डॉ. एजेडएम जाहिद हुसैन, उनके सलाहकार परिषद के सदस्य डॉ. इनामुल हक चौधरी भी मौजूद थे।लगभग एक दशक में यह पहली बार है जब किसी सऊदी राजदूत ने पूर्व प्रधानमंत्री के साथ बैठक की है।

यूएनबी के अनुसार, इससे पहले 13 सितंबर, 2015 को, तत्कालीन सऊदी राजदूत अब्दुल्ला एचएम अल-मुतारी ने खालिदा जिया से गुलशन स्थित उनके कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की थी। आज की बैठक का अब तक ब्योरा सामने नहीं आया है। इससे पहले, खालिदा जिया गुरुवार को सशस्त्र बल दिवस के स्वागत समारोह में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज की थीं। वहां मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने टिप्पणी किया छा कि यह कार्यक्रम उनकी उपस्थिति से गौरवान्वित हो रहा है और विशेष रूप से भाग्यशाली और सम्मानित महसूस कर रहा है।

चिन्मय कृष्ण दास 'ब्रह्मचारी' की जमानत याचिका खारिज

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता और चटगांव में पुंडरीक धाम के प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की जमानत याचिका, स्थानीय अदालत ने मंगलवार को खारिज कर दी और उन्हें जेल भेज दिया गया। भारत सरकार ने दास की गिरफ्तारी और उन्हें जमानत न दिए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। वहीं इस्कॉन ने भारत सरकार से तत्काल कदम उठाने, बांग्लादेश सरकार से बात करने की अपील की। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, दास को 31 अक्टूबर को दर्ज एक मामले के संबंध में कड़ी सुरक्षा के बीच चटगांव के छठे मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट काजी शरीफुल इस्लाम के समक्ष पेश किया गया। इससे पहले, दास को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस (सीएमपी) को सौंप दिया।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, ÷दास पर चटगांव में दर्ज एक मामले में आरोप लगाए गए हैं। मंगलवार की सुबह डीबी के

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रेजाउल करीम मलिक ने ट्रांसफर की पुष्टि की। इस बीच भारत सरकार ने मंगलवार (26 अक्टूबर) को इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हम चिन्मय कृष्ण दास, जो बांग्लादेश सम्मिलित सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता हैं, की गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। बयान में कहा गया, यह घटना बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर किए गए कई हमलों के बाद हुई। अल्पसंख्यकों के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आगजनी और लूटपाट के साथ-साथ चोरी, तोड़फोड़, देवी-देवताओं और मंदिरों को अपवित्र करने के कई मामले दर्ज किए गए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन घटनाओं के अपराधी अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि शांतिपूर्ण सभाओं के माध्यम से वैध मांगें प्रस्तुत करने वाले धार्मिक नेता के खिलाफ आरोप लगाए जा रहे हैं। हम दास की गिरफ्तारी के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर भी चिंता व्यक्त करते हैं। मंत्रालय ने कहा, ÷हम बांग्लादेश के अधिकारियों से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अपील करते हैं, जिसमें शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उनका अधिकार भी शामिल है।

बीआरआई प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन समझौते को अंतिम रूप देने चीन जाएंगी नेपाल की विदेश मंत्री

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के दिसंबर के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित चीन दौरे के पहले गुरुवार को बीजिंग के लिए रवाना होंगी। डॉ. राणा के दौरे का उद्देश्य बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन समझौते को अंतिम रूप देना है। प्रधानमंत्री ओली के चीन दौरे में इस प्रोजेक्ट पर हस्ताक्षर किया जाएगा। काठमांडू में मंगलवार को ओली कैबिनेट की बैठक में विदेश मंत्री डॉ. राणा की चीन यात्रा को मंजूरी दी गयी। नेपाल सरकार के एक मंत्री के अनुसार यात्रा के दौरान डॉ. राणा के साथ विदेश मंत्रालय के कुछ अधिकारी भी होंगे और शुक्रवार को बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मिलेंगे। नेपाल और चीन ने मई 2017 में बीआरआई प्रोजेक्ट पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन विभिन्न कारणों से इस पर अभी तक बात आगे नहीं बढ़ सकी है। दोनों पक्ष अब इसके कार्यान्वयन समझौते पर

हस्ताक्षर करने की तैयारी कर रहे हैं। यह समझौता दस्तावेज का एक विस्तारित संस्करण होगा जो स्पष्ट रूप से चीन से अनुदान मांगने पर केंद्रित है। नेपाल के कार्यवाहक विदेश सचिव अमृत राई ने मीडियाकर्मियों को बताया कि नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (यूएमएल) टास्कफोर्स द्वारा तैयार किया गया दस्तावेज प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय में अंतिम मंजूरी के लिए दे दिया गया है। प्रधानमंत्री की मंजूरी मिलने के बाद विदेश मंत्री नेपाल के इस प्रस्ताव के साथ बीजिंग रवाना होंगी, जहां चीन के विदेश मंत्री के साथ इस प्रस्ताव पर चर्चा होगी।

जापान के अंतरिक्ष केंद्र में लगी आग, रॉकेट इंजन का परीक्षण रोका

एजेंसी

टोक्यो,। जापान की अंतरिक्ष एजेंसी एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन (जेएएक्सए) ने दक्षिण-पश्चिमी जापान के तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र में आग लगने के बाद एप्सिलॉन एस रॉकेट इंजन का परीक्षण रोक दिया। एस रॉकेट इंजन का प्रक्षेपण अगले साल मार्च के अंत में होना था।

इस विफलता के कारण अब इस प्रक्षेपण में देरी हो सकती है। जापान टुडे समाचार पत्र के अनुसार, तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र में इंजन का जमीनी दहन परीक्षण शुरू होने के तुरंत बाद विस्फोट हुआ। इंजन परीक्षण में प्रज्वलन के 49 सेकेंड बाद दहन असामान्यता का सामना करना पड़ा। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने नियमित प्रेस ब्रीफिंग में कहा, जेएएक्सए समस्या के कारणों की गहन जांच करेगा और उपायों पर विचार करेगा। शीर्ष सरकारी प्रवक्ता हयाशी ने कहा कि जापान के अंतरिक्ष कार्यक्रम की स्वायत्तता सुनिश्चित करने के लिए

रॉकेट विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है।उल्लेखनीय है कि जेएएक्सए ने एप्सिलॉन ठोस-ईंधन छोटे रॉकेट शृंखला में अगली पीढ़ी के एप्सिलॉन एस विकसित करने के लिए भारी मशीनरी निर्माता आईएचआई की एयरोस्पेस इकाई के साथ साझेदारी की है। एयरोस्पेस के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी कारणों की जांच कर रही है।

इजरायल के हवाई हमले जारी, 36 की मौत, 17 घायल

एजेंसी

बेरूत। दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई जबकि 17 अन्य घायल हो गए। आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) ने बताया कि पूर्वी लेबनान के बालबेक-हर्मेल प्रांत पर इजरायली एयर स्ट्राइक में 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें नबी चिट गांव के एक रेजिडेंशियल अपार्टमेंट में आठ और हर्मेल में तीन अन्य लोग शामिल हैं।एनएनए के मुताबिक दक्षिणी लेबनान पर इजरायली हवाई हमलों में 25 लोगों की मौत हुई। इनमें माराकेह गांव में नौ, ऐन बाल गांव में तीन, गाजीह शहर में दो, टायर जिले में 10 और योहमोर गांव में एक व्यक्ति शामिल है। टायर में 17 लोग घायल भी हुए हैं। एनएनए की रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह ने कब्जे वाले शहर एक्रे के उत्तर में स्थित इजरायल की गोलानी ब्रिगेड कमांड के प्रशासनिक मुख्यालय श्रगा बेस पर रॉकेट दागे। रिपोर्ट में कहा गया कि हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल के दो मोशाविम और मलकियेह बस्ती में

इजरायली बलों पर भी हमला किया।

समाचार एजेंसीके अनुसार हिजबुल्लाह ने अल-बयादा में एक घर में शरण लिए इजरायली फोर्सेज को निशाना बनाया, जिससे फोर्स के कई लोग हताहत हुए। , सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) ने लेबनानी सशस्त्र बलों पर लगातार हमलों की निंदा की। यूएनआईएफआईएल ने इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन बताया, जो जंग में भाग नहीं लेने वालों के खिलाफ हिंसा के इस्तेमाल को सीमित करते हैं। यूएनआईएफआईएल ने संघर्ष में शामिल सभी पक्षों से हिंसा के बजाय बातचीत के माध्यम से अपने मतभेदों को दूर करने की अपील की। लेबनानी सेना का कहना है कि इजरायली आर्मी ने हाल ही में उसके सैनिकों को बार-बार निशाना बनाया है। रविवार को दक्षिण-पश्चिमी लेबनान में क़लैलेह-टायर रोड पर अमेरिया अक्ष में एक लेबनानी सेना की चौकी को निशाना बनाकर इजरायली हवाई हमला किया गया, जिसमें एक सैनिक की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। इजरायली सेना 23 सितंबर से लेबनान पर एयर स्ट्राइक कर रही है। उसने सीमा पार एक सीमित जमीनी अभियान भी चलाया है, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर हिजबुल्लाह को कमजोर करना है।

जापान ने सादो द्वीप गोल्ड माइंस समारोह से द. कोरिया की गैरमौजूदगी पर विरोध जताया

एजेंसी

टोक्यो। जापान ने सादो द्वीप गोल्ड माइंस स्मृति समारोह से दक्षिण कोरिया की गैरमौजूदगी पर विरोध जताया है। जापान सरकार ने यूनेस्को के सादो द्वीप गोल्ड माइंस को सालभर पहले विश्व धरोहर स्थल घोषित करने के बाद पहली बार रविवार को स्मृति समारोह का आयोजन किया। दक्षिण कोरिया ने सरकारी अधिकारियों और पूर्व खदान श्रमिकों के रिश्तेदारों के समारोह में भाग लेने की स्वीकृति दी थी। दक्षिण कोरिया ने शनिवार को अंतिम समय में समारोह से दूर रहने का फैसला किया।द जापान टाइम्स समाचार पत्र की खबर में समारोह का पूरा विवरण दिया गया है। विवरण के मुताबिक बंद हो चुकी सादो द्वीप गोल्ड माइंस में काम करने वाले दक्षिण कोरिया प्रायद्वीप और अन्य जगह के दिवंगत श्रमिकों की स्मृति में मौन रखा गया। समारोह सादो के निगाटा शहर में दोपहर एक बजे शुरू हुआ। निगाटा के गवर्नर हिदेयो हनाजुमी सहित लगभग 70 प्रतिभागियों ने मृत खदान श्रमिकों को पुष्पांजलि अर्पित की। जापानी सरकार के एक प्रवक्ता ने आज कहा कि यह अफसोसजनक है कि दक्षिण कोरिया ने सादो द्वीप पर अब बंद हो चुकी सोने की खदानों में काम करने वाले युद्धकालीन श्रम पीड़ितों को सम्मानित करने के लिए रविवार को आयोजित स्मारक समारोह से हाथ खींच लिया। हालांकि माना जाता है कि सियोल उन मीडिया रिपोर्टों पर आपत्ति जता रहा है कि समारोह में जापानी सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले विदेश मामलों के संसदीय उप मंत्री अकीको इकुइना ने पिछले दिनों टोक्यो के युद्ध संबंधी यासुकुनी तीर्थ का दौरा किया था। समारोह आयोजन समिति के प्रमुख 83 वर्षीय को नाकानो ने कहा, समारोह में दक्षिण कोरियाई प्रतिभागियों की अनुपस्थिति अफसोसजनक थी। हमें उम्मीद थी कि दक्षिण कोरियाई पक्ष के लोग भी इसमें शामिल होंगे। दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने समारोह में भाग न लेने का कारण समारोह से पहले जापान के साथ पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समझौते पर पहुंचने में कठिनाइयों का हवाला दिया। इस बीच, दक्षिण कोरियाई सरकार ने सोमवार सुबह कोरियाई प्रायद्वीप के खदान श्रमिकों के लिए आवास सुविधा के द्वीप पर अपना खुद का समारोह आयोजित किया। जापान में दक्षिण कोरिया के राजदूत पार्क चेओल-ही व अन्य ने मौन प्रार्थना कर पुष्पांजलि अर्पित की।

साप्पोरो में विस्फोट में तीन लोग घायल

टोक्यो। जापान के साप्पोरो शहर में मंगलवार को एक इमारत में विस्फोट होने से तीन लोग झुलस गये। सार्वजनिक प्रसारक एनएचके की रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट साप्पोरो के व्यस्त मनोरंजन जिले

सुसुकिनो की एक इमारत में हुआ।

सीरिया पर इजरायली हवाई हमले में कई पुल और मार्ग क्षतिग्रस्त

एजेंसी

दमिश्क । सीरियाई सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के हवाई हमले में मध्य सीरिया के होम्स प्रांत में कई पुलों और सीरिया-लेबनान सीमा क्रॉसिंग को निशाना बनाया गया। सरकारी मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि हमलों में डैफ, जौबानियाह और हॉज पुलों के साथ-साथ सीरिया-लेबनान सीमा पर जुसिया क्रॉसिंग भी शामिल है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि हताहतों या क्षति के बारे में विवरण तुरंत उपलब्ध नहीं थे और सीरियाई अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

इस कथित हमले पर इजरायली पक्ष की ओर से अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की गई है। जिस जगह पर हमला किया गया वह क्षेत्र अपने रणनीतिक स्थान के कारण तनाव

का स्थल रहा है। यह सीरिया और लेबनान के बीच हिज़्बुल्लाह सदस्यों की आवाजाही के लिए जाना जाता है। शनिवार रात, जुसिया क्रॉसिंग को कथित तौर पर इजरायली हवाई हमलों का निशाना बनाया गया था। इसे कथित तौर पर हिजबुल्लाह सीरिया और लेबनान के बीच आने जाने के लिए इस्तेमाल करता है। इजरायल जो सैन्य अभियानों पर शायद ही कभी टिप्पणी करता है, उसने साल 2011 से सीरिया में हवाई हमले किए हैं, जिसमें उसका ध्यान ईरानी और सीरियाई सेना और हिजबुल्लाह समूह के ठिकानों पर रहा है। नवीनतम हवाई हमले गाजा पट्टी और लेबनान में इजरायल के सैन्य हमलों के बीच जारी क्षेत्रीय तनाव को उजागर करते हैं। पिछले साल हमास की ओर से किए गए हमले के बाद से इजरायल गाजा पर घातक हमला कर रहा है। इस हमले में 44,230 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इस हमले में अब तक 104,600 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह संघर्ष लेबनान तक फैल गया है, जहां इजरायल ने गाजा युद्ध की शुरुआत के बाद से इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच एक साल से चल रहे सीमा पार युद्ध के बाद पूरे देश में घातक हमले किए हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दिल्ली एनसीआर में हाइब्रिड मोड पर चलेंगे स्कूल

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने मंगलवार से दिल्ली एनसीआर के स्कूलों को ऑनलाइन और फिजिकल दोनों तरह से चला सकने का निर्देश दिया है। आयोग की आपात बैठक में यह फैसला लिया गया। आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन करते हुए, ग्रेडेड एक्शन प्लान (ग्रैप) के चरण-III और चरण-IV के तहत प्रतिबंधों में छूट देते हुए, आदेश दिया है कि एनसीआर में राज्य सरकारें यह सुनिश्चित करेंगी कि 12वीं कक्षा तक की सभी कक्षाएं 'हाइब्रिड' मोड में संचालित की जाए। यानी जहां भी ऑनलाइन मोड संभव हो या 'भौतिक' रूप से जहां भी उपलब्धता हो । ऑनलाइन शिक्षा के विकल्प का उपयोग करने का विकल्प छात्रों और उनके अभिभावकों के पास होगा। अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजना चाहते हैं तो भेज सकते हैं नहीं तो ऑनलाइन क्लास का विकल्प चुन सकते हैं। यह आदेश दिल्ली के साथ-साथ गुरुग्राम गाजियाबाद फरीदाबाद और गौतम बुद्ध नगर के लिए अनिवार्य है।

आरएमएल को मिला नेशनल बेस्ट इंस्टीट्यूट अवॉर्ड

नई दिल्ली। अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल को राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार 2024 मिला है। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ अजय शुक्ला के

मुताबिक यह अवार्ड 31वें बिजनेस स्कूल अफेयर और देवांग मेहता राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार सोसायटी द्वारा प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार शिक्षा में प्रौद्योगिकी के सर्वोत्तम उपयोग, प्लेसमेंट, नेतृत्व, श्रेणी के बुनियादी ढांचे, छात्र प्रभाव और भविष्य उन्मुखीकरण जैसे प्रमुख मानदंडों के मूल्यांकन के बाद प्रदान किया।

फोन टैपिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा गिरफ्तार, थाने से मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजस्थान के चर्चित फोन टैपिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि गिरफ्तारी के कुछ देर बाद उन्हें जमानत भी मिल गई। मार्च 2021 में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक फोन टैपिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कई बार पूछताछ के लिए नोटिस जारी कर बुलाया भी था। इसके पहले उनकी गिरफ्तारी पर हाई कोर्ट ने रोक लगा रखी थी, जिसमें खुद लोकेश शर्मा ने अपनी याचिका वापस ले ली थी। इस मामले में हाई कोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक की अंतरिम राहत समाप्त हो चुकी थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने लोकेश शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। लोकेश शर्मा पर आरोप है कि उन्होंने ही फोन टैपिंग की सीडी मीडिया में बंटवाई थी। आज क्राइम ब्रांच ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया था। लोकेश की गिरफ्तारी हुई और फिर उन्हें थाने से ही जमानत भी मिल गई।

दिल्ली पुलिस ने सिलीगुड़ी से नकली वोटर आईकार्ड बनाने के मामले में युवक को पकड़ा

कोलकाता। दिल्ली पुलिस ने नकली वोटर आईकार्ड बनाने के मामले में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के भक्तिनगर इलाके से जयंत वर्मन नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई हाल ही में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बांग्लादेशी नागरिक की गिरफ्तारी के बाद हुई है।सीआईएसएफ ने हाल ही में हवाई अड्डे पर खोकन बड़ुआ नाम के एक बांग्लादेशी व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। उसके पास से भारत का एक नकली वोटर आईकार्ड बरामद हुआ था। सुरक्षा अधिकारियों को आईकार्ड पर शक हुआ, जिसकी जांच करने पर यह स्पष्ट हो गया कि यह फर्जी है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू की और पाया कि नकली वोटर आईकार्ड सिलीगुड़ी में बनाया गया था। इसी कड़ी में दिल्ली पुलिस की टीम सिलीगुड़ी पहुंची और स्थानीय भक्तिनगर थाना पुलिस की मदद से आरोपित जयंत वर्मन को इस्कॉन मंदिर रोड से गिरफ्तार किया गया।पुलिस ने आरोपित को जलपाईगुड़ी अदालत में पेश किया और ट्रांजिट रिमांड पर उसे दिल्ली ले जाने की अनुमति मांगी। अदालत ने आरोपित को पांच दिन की ट्रांजिट रिमांड पर भेज दिया है। इस कार्रवाई से नकली दस्तावेजों के गिरोह नेटवर्क के खुलासा होने की संभावना है, जो बांग्लादेशियों को भारतीय पहचान पत्र देने में शामिल हो सकते हैं। मामले की जांच जारी है।

प्रधानमंत्री ने भारत मंडपम में वैश्विक सहकारी सम्मेलन का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024 और संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ किया। उन्होंने सहकारी आंदोलन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया।

अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन का वैश्विक सम्मेलन पहली बार भारत में आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस सम्मेलन के माध्यम से हमें भारत की भावी सहकारिता यात्रा के बारे में जानकारी मिलेगी। साथ ही, भारत के अनुभवों के माध्यम से वैश्विक सहकारी आंदोलन को 21वीं सदी के उपकरण और नई भावना मिलेगी। प्रधानमंत्री ने सहकारिता को भारतीय संस्कृति का आधार बताया और कहा कि भारत के लिए सहकारिता जीवनशैली है। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन को भी सहकारिता ने प्रेरित

किया है। इससे आर्थिक सशक्तिकरण में तो मदद मिली ही साथ ही स्वतंत्रता सेनानियों को एक सामूहिक मंच भी मिला। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज ने सामुदायिक भागीदारी को फिर से नई ऊर्जा दी। उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग जैसे क्षेत्रों में एक नया आंदोलन खड़ा किया और आज खादी और ग्रामोद्योग को हमारी कॉपरेटिव ने बड़े-बड़े ब्रांड से भी आगे पहुंचा दिया है। इस मौके पर भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, फिजी के उप प्रधानमंत्री मनोआ कामिकामिका, केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह और यूएन के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इससे पहले अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष की शुरुआत के लिए यूएन का धन्यवाद किया और कहा कि ये फैसला पूरी दुनिया के करोड़ों किसान, महिलाएं व गरीब के सशक्तिकरण के लिए आशीर्वाद होगा। उन्होंने कहा कि आज सहकारिता वर्ष की थीम- %सहकारिता सबकी समृद्धि का द्वार% - को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज से तीन वर्ष पहले ही सूत्रों में पिरोकर देश की करोड़ों महिलाओं, लाखों गांव व किसानों की समृद्धि का रास्ता खोला। लंबे समय से प्रतीक्षित करीब 70 साल बाद, देश में सहकारिता मंत्रालय खोला गया।

शोध कार्यों के लिए वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विद्वानों के शोध लेखों और जर्नल प्रकाशन तक देशव्यापी पहुंच प्रदान करने के लिए एक नई केंद्रीय क्षेत्र योजना, वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन को मंजूरी दे दी है। इस योजना को एक सरल, उपयोगकर्ता के अनुकूल और पूरी तरह से डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से संचालित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज नई केंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में 3 कैलेंडर वर्षों 2025, 2026 और 2027 के लिए वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन के लिए कुल लगभग 6 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसला की जानकारी देते हुए कहा कि योजना अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने और सरकारी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, शोध संस्थानों और अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं में अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एएनआरएफ पहल का पूरक होगा।

उन्होंने बताया कि वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना का लाभ केंद्र या राज्य सरकार के प्रबंधन के तहत आने वाले सभी उच्च शिक्षण संस्थानों और केंद्र सरकार के अनुसंधान एवं विकास संस्थानों को एक केंद्रीय एजेंसी, सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क द्वारा समन्वित राष्ट्रीय सदस्यता के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। इस सूची में 6,300 से अधिक संस्थान शामिल हैं। लगभग 1.8 करोड़ छात्र, संकाय और शोधकर्ता शामिल हैं, जो संभावित रूप से वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन का लाभ उठा सकेंगे।

एनएसयूआई ने सात साल बाद डूसू अध्यक्ष पद जीता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने अध्यक्ष और संयुक्त सचिव पद पर जीत दर्ज की है। सात साल के बाद एनएसयूआई ने डूसू अध्यक्ष पद पर कब्जा किया है। हालांकि, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने उपाध्यक्ष पद जीतने के साथ ही सचिव पद बरकरार रखा है। डूसू चुनाव 2024-25 की मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गई। अंतिम परिणामों के अनुसार अध्यक्ष पद के लिए 20,207 वोट लेकर एनएसयूआई उम्मीदवार रौनक खत्री विजयी रहे जबकि 18,868 वोट लेकर एबीवीपी के ऋषभ चौधरी दूसरे स्थान पर रहे। खत्री ने ऋषभ चौधरी को 1,339 वोटों से हराया। एबीवीपी के भानु प्रताप सिंह ने 24,166 वोट हासिल कर 8,762 वोटों के अंतर से डूसू उपाध्यक्ष पद पर कब्जा कर लिया। भानु प्रताप को कुल 24,166 वोट मिले। एनएसयूआई के यश नांदल को

15,404 वोट मिले। सचिव पद पर एबीवीपी की मित्रविंदा कर्णवाल 1467 वोटों से विजयी रहीं। उन्हें कुल 16,703 वोट मिले, जबकि एनएसयूआई की नम्रता जेफ को कुल 15,236 वोट मिले। एनएसयूआई के लोकेश चौधरी ने 6726 वोटों के अंतर से एबीवीपी के अमन कपासिया को हराकर संयुक्त सचिव पद जीता। चौधरी को कुल 21,975 वोट मिले जबकि अमन कपासिया को 15,249 वोट मिले। डूसू चुनाव के लिए नियुक्त मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. सत्यपाल सिंह ने बताया कि इस बार अध्यक्ष पद के लिए 8, उपाध्यक्ष पद के लिए 5, सचिव पद के लिए 4 और संयुक्त सचिव पद के लिए 4 उम्मीदवार मैदान में थे। अध्यक्ष के लिए प्राप्त कुल 50689 मतों में से अनिकेत मांडके को कुल 2028, बदी उ ज़मान को 844, पिंकी को 854, ऋषभ चौधरी को 18868, रौनक खत्री को 20207, सावी गुप्ता को 2695, शीतल को 407 और शिवम मौर्य को 880 मत प्राप्त हुए। अध्यक्ष पद के लिए 3906 विद्यार्थियों ने नोटा को चुना। उपाध्यक्ष पद के लिए प्राप्त कुल 50918 मतों में से आयुष मंडल को कुल 3650, बनश्री दास को 2339, भानु प्रताप सिंह को 24166, रोविन सिंह को 948, यश नांदल को 15404 और नोटा को 4411 मत प्राप्त हुए।

तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी, महाराष्ट्र-एमपी और यूपी के 7 जिलों को करेगी कवर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय रेलवे में तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। तीनों परियोजनाओं की लागत 7,927 करोड़ रुपये (लगभग) है और इन्हें चार वर्षों में पूरा किया जाएगा। तीन राज्यों- महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सात जिलों को कवर करने वाली तीन परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 639 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 51 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज रेल मंत्रालय की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये परियोजनाएं हैं- जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 किमी), भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किमी) और प्रयागराज (इरदतगंज)-मानिकपुर तीसरी लाइन (84 किमी)। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी, जिससे मुंबई और प्रयागराज के बीच सबसे व्यस्ततम खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास होगा। यह परियोजनाएं दो आकांक्षी जिलों (खंडवा और चित्रकूट) से कनेक्टिविटी बढ़ाएंगी। इससे लगभग 1,319 गांवों और लगभग 38 लाख आबादी को सुविधा मिलेगी। प्रस्तावित परियोजनाएं अतिरिक्त यात्री ट्रेनों के संचालन को सक्षम करके मुंबई-प्रयागराज-वाराणसी मार्ग पर कनेक्टिविटी बढ़ाएंगी, जिससे नासिक (त्र्यंबकेश्वर), खंडवा (ओंकारेश्वर) और वाराणसी (काशी विश्वनाथ) में ज्योतिर्लिंगों के साथ-साथ प्रयागराज, चित्रकूट, गया और शिरडी में धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को लाभ होगा।

इसके अतिरिक्त, ये परियोजनाएं खजुराहो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, अजंता और एलोरा गुफाएं यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, देवगिरी किला, असीरगढ़ किला, रीवा किला, यावल वन्यजीव अभयारण्य, केओटी फॉल्स और पुरवा फॉल्स आदि जैसे विभिन्न आकर्षणों तक बेहतर पहुंच के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देंगी।

लूटपाट के मामले में तीन बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले की एंटी स्नैचिंग सेल ने महिला से लूटपाट करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की गई है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी के अनुसार गिरफ्तार बदमाशों की पहचान वैभव सिंह, सिमरनजीत सिंह और अनमोल सिंह के रूप में हुई है। ये तीनों विष्णु गार्डन और चांद नगर इलाके के रहने

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 13 राज्यों में 227 नए जेंडर रिसॉर्स सेंटरों का शुभारंभ किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने

NAME CHANGE

I, VASNAVA KAILAS BOKARE is daughter of No.GS-188975W Rank-DVRMT GDE-II Name-BOKARE KAILAS SHANKAR presently residing at Qtr No. G-57, TYPE-II, NANAKPURA, SOUTH MOTI BAGH, NEW DELHI-110021 have changed my name from VASNAVA KAILAS BOKARE to VAISHNAVI KAILAS BOKARE for all future purposes. Vide Affidavit No IN-DL92281426675760W Dated 26/11/2024 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, NEILHOUBEINUO D/O ZAKIEZO CHATSU residing at HOUSE NO- 166, NERHEMA, KOHIMA, KOHIMA NORTH, NAGALAND PIN- 797105, have changed my name to NEILHOUBEINUO CHATSU for all future purpose.

NAME CHANGE

I, NIGHAT ANJUM W/o MOHD BABAR KHAN R/o N-4/A, 3rd Floor, Block-N, Abul Fazal Enclave part-1, Jamia Nagar, New Delhi-110025, declare that the name of my minor son has been wrongly written as MOHD ALMAN KHAN in my minor son's school records. The actual and correct name of my minor son is MOHAMMED ALMAN KHAN D.O.B 19/08/2010 which may be amended accordingly.

NAME AND D.O.B. CHANGED

I, SAKET KUMAR KARN is son of No. GS-165208L Rank- OFFICE SUPERINTENDENT, Name-SHUBH CHANDRA LAL ARYA R/o WARD NO-10 VILLAGE KACHHARA BASBARIYA, PO-BENIPATTI, KACHHARA MADHUBANI (BIHAR)-847223 have changed my name from SAKET KUMAR to SAKET KUMAR KARN and date of birth from 01/01/1993 to 01/01/1995 for all future purposes. Vide Affidavit No IN-DL91417802248678W Dated 25/11/2024 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

Date of Birth Change

I, SMITA KUMARI SINHA Spouse of No. GS-185697H Rank- JE/Civ Name- SUDHANSHU KUMAR SINGH R/o VILL-KATARI PO-GOROUR, DIST-NALANDA (BIHAR)-803116 have changed my date of birth from 05/09/1988 to 28/09/1988 for all future purposes. Vide Affidavit No IN-DL91410186956130W Dated 25/11/2024 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, No.GS-191573K Rank-ELECT Name-HENDRE GAJANAN BHAGAWAN S/o BHAGAWAN HENDRE R/o VPO-AKHADA BALAPUR, TEH-KALAMNURI, DIST-HINGOLI (MAHARASHTRA)-431701 have changed my minor son name from SARANG to SARANG GAJANAN HENDRE for all future purposes. Vide Affidavit No IN-DL92281027343409W Dated 26/11/2024 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15428811F, Rank-HAV Name-THAKUR GAJANAN KAMALSINH permanently residing at VILL-BAHADDARPURA, PO-KANDHAR, TEH-KANDHAR, DIST-NANDED, MAHARASHTRA-431714, have changed my father's name from KAMALSINH to KAMALSINH KHUSHALSINH THAKUR for all future purposes vide Affidavit dated 26/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Hema Bhutani alias Nitika Arora D/O Narender Pal Bhutani W/O Dheeraj Arora R/O-24/91, West Patel Nagar, Patel Nagar, SO: Central Delhi, Delhi -110008, have changed my name and shall hereafter be known as Nitika Arora

NAME CHANGE

I, AVNEET KAUR DHINGRA S/O HARVINDER SINGH residing at HOUSE NO- 217 Gopal park Chander Nagar Krishna Nagar DELHI-110051. have changed my name to Avneet kaur for all future purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as Santa devi alias Santra D/O Rameshr W/O Anar Singh,R/O NEAR BHARAT SHAKTI PUBLIC SCHOOL, M-54, KRISHAN VIHAR, PO: Sultanpuri C Block, DIST: North West Delhi, Delhi-110086,have changed my name and shall hereafter be known as SANTRA.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ASHOK KUMAR S/O HUKAM SINGH R/O House Number-61, Ambedkar Chowk, Old Kardampuri, Tukhmir Pur, Dayalpur, Seelam Pur, North East Delhi, Delhi-110094 declare that the name of mine has been wrongly written as ASHOK in my minor son namely TERENCE aged 15 years in his School Record. The actual name of mine is ASHOK KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SARIKA HENDRE Spouse of No.GS-191573K Rank-ELECT Name-HENDRE GAJANAN BHAGAWAN R/o VPO-AKHADA BALAPUR, TEH-KALAMNURI, DIST-HINGOLI (MAHARASHTRA)-431701 have changed my name from SARIKA HENDRE to SARIKA GAJANAN HENDRE for all future purposes. Vide Affidavit No IN-DL92281833616154W Dated 26/11/2024 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, CHARANJEET KAUR Wife of JC-344386K Rank-NB/SUB, Name-GURDARSHAN SINGH presently residing VPO-BENRA, TEH-DHURI, DIST-SANGRUR, PUNJAB-148034, have changed my name from CHARANJEET KAUR to CHARANJIT KAUR for all future purposes and in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 25/03/1979 instead of my correct date of birth as 15/03/1979 vide Affidavit dated 26/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Ashis Sharma S/o Rameshwar Dayal Sharma R/o A-273 Pocket-A Sarita Vihar Delhi-110076 Have Changed My Name To Ashish Sharma.

NAME CHANGE

I, GITA GHOSH W/O NIMAI GHOSH residing at H NO-FF-36C, GALI NO-7, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name to GEETA GHOSH for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MOHD LAIQ AHMED S/O BASHIR AHMED residing at H NO-764, GALI NO-30/1, INDRA CHOWK, JAFRABAD, DELHI-110053 have changed my name to LAIQUE AHMAD for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Sandhya Pal W/o-Varun Pal R/o A-206, First floor, Karampura west delhi -110015 have changed my name from Sandhya Pal to Sandhya Brahmadeen Pal for all future purpose

NAME CHANGE MINOR

I, PARWATI DEVI W/O ANUP R/O H.NO. B-120, GALI NO. 9, SHALIMAR VILLAGE, SHALIMAR BAGH, NORTH WEST DELHI, DELHI-110088 have changed the name of my minor son KANHAIYA SHARMA aged 16 years and he shall hereafter be known as KANHAIYA.

Date of Birth Change

I, PARAS KUMAR ARUN is son of No. GO-003730W Rank- ADMINISTRATIVE OFFICER, Name-SANTOSH KUMAR ARUN R/o VILLAGE TARRAI, PO-FATEHPUR BENI, DISTT-AURAIYA, UTTAR PRADESH-206247 have changed my date of birth from 28/05/2003 to 28/03/2003 for all future purposes. Vide Affidavit No IN-DL91417041923187W Dated 25/11/2024 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, AJAY SHARMA father of No. 22053767P Rank- SEP/NA Name-RANJIT KUMAR S/o R/o VPO-JALPURA, THANA HASPURA, AURANGBAD (BIHAR)-824120 have changed my name from AJAY SHARMA to AJAY KUMAR for all future purposes. Vide Affidavit No IN-DL91412197860607W Dated 25/11/2024 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, No.15439991P Rank-NK/NA Name- TIMBAL KALPESH BHAI SAMAT BHAI R/o VILL-LIMBODA (BOTAD), DIST-BHAVNAGAR GUJRAT-364720 have changed my minor son name from NISHANT to TIMBAL NISHANT KALPESHBHAI for all future purposes. Vide Affidavit No IN-DL91412734005811W Dated 25/11/2024 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, SANJEEDA BEGUM W/O MOHD FAREED residing at H NO-12A/17-E, GALI NO-11, VIJAY MOHALLA, MAUJPUR, DELHI-110053 have changed my name to SANJEEDA for all future purpose.

NAME CHANGE

I,hitherto known as Gaurav S/O Basant Singh Bisht R/O House NO-5488, 105/15/1, GALI NO-115/18, Block-B, Near Gurudwara, Sant Nagar, Burari, North Delhi, Delhi-84, have changed my name and shall hereafter be known as to Gaurav Bisht.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SUSHIL KUMAR AGGARWAL S/o D.C. BANSAL residing at D-48, Sector-47 , Noida, Dist. Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301 have changed my name and shall hereafter be known as SUSHIL AGGARWAL.

NAME CHANGE

I, NO-15428811F, Rank-HAV Name-THAKUR GAJANAN KAMALSINH permanently residing at VILL-BAHADDARPURA, PO-KANDHAR, TEH-KANDHAR, DIST-NANDED, MAHARASHTRA-431714, have changed my mother's name from KAUSALYABAI to KOUSALYABAI KAMALSINH THAKUR for all future purposes vide Affidavit dated 26/11/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, RADHE SHYAM S/O BHORIK RAM R/o H.No- F.C-1, Abul Fazal Enclave, Part-2, Shaheen Bagh, Jamia Nagar, South Delhi, Delhi- 110025, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as RADHEY SHYAM and SUSHEELA DEVI in my minor daughter's namely VIBHA, aged 15 years in her educational documents. The actual name of mine and my wife are RADHE SHYAM and SUSHILA DEVI Respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

This is to inform all concerned parties that Sh. Sunil Varma have agreed to create a mortgage over the property described below, in favor of my client, Aadhar Housing Finance Limited (AHFL), Branch-Laxmi Nagar, Delhi, following the execution of a sale deed in his favor. The sellers, Sh. Mahey Alam, have agreed to sell the property described as "Part of Plot Area Measuring 40 Sq. Yds. Out of Total Land Measuring 4.0720 Hect. Out of Khasra No. 229, Situated at Village Kheda Chauganpur, Pargana and Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P." Accordingly, any co-sharers, previous owners, or any other interested parties-including but not limited to banks, financial institutions, NBFCs, HFCs, government or semi-government authorities, and any other persons or entities—having any claims, interests, or rights in or against the above-mentioned property, whether by way of sale, exchange, mortgage (equitable or title deed deposit), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement, or any other legal or equitable right, are hereby requested to submit written notice of their claim, along with supporting documentary evidence, to the undersigned within 7 days from the date of this notice. Failure to respond within the stipulated time will result in such claims being deemed waived or abandoned. In such an event, my client, AHFL, will proceed with the disbursement of the loan and the creation of the mortgage on the above-mentioned property.

Dated : 25.11.2024
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE

I, MAHEK GARG D/o MANISH GARG R/o RZ-113 Santosh park uttam nagar new delhi,110059 have changed my name to MEHAK GARG.

NAME CHANGE

I, PAWAN SINGH BORA S/O JAGAT SINGH BORA residing at HOUSE NO- 73, GALI NO- 54, H-2, BLOCK E-3, MOLARBAND EXTN, SOUTH DELHI PIN CODE-110044 .have changed my name to ARSH for all future purpose.

NAME CHANGE

I GAJENDER SINGH BIDHURI S/O NARENDER SINGH BIDHURI R/O 275, Chhuria Mohalla Madanpur Khadar, Sarita Vihar S.O. Aali, South Delhi, Delhi-110076, have changed my minor daughter SUNAKSHI BIDHURI alias SHIVANI BIDHURI aged 17 years and she shall hereafter be known as SUNAKSHI BIDHURI.

NAME CHANGE

I, RAHUL KUMAR RANA S/o TULSI RANA, Permanent R/o 102, Nagar Keshwari , Near Hanuman Temple, Nagar Keshwari, Giridih Jharkhand – 825320 and Presently residing at 89, 3rd Floor, Katwaria Sarai, New Delhi - 110016, have changed the name of my minor Son KIYANSH RANA alias RISHABH KUMAR RANA aged 7 years and he shall hereafter be known as RISHABH KUMAR RANA.

NAME CHANGE

I,Mairajuddin S/O Riazuddin H.no. 147 Street no.9/57 Ameena Masjid Road Near HanumanChowk Wazirabad North Delhi-110084 Have Changed my name to Merajuddin.

NAME CHANGE

I, hitherto known as RASHMI DAR D/o SURAJ KUMAR DAR W/o VINAY KUMAR GUPTA residing at Flat No. B 304, Vasundhra Apartments, Plot No. 16, Dwarka Sector-6, South West Delhi, Delhi - 110075 have changed my name and shall hereafter be known as RASHMI GUPTA.

PUBLIC NOTICE

This is to inform all concerned parties that Manish Pandey have agreed to create a mortgage over the property described below, in favor of my client, Aadhar Housing Finance Limited (AHFL), Branch-Laxmi Nagar, Delhi, following the execution of a sale deed in his favor. The sellers, Sh. Mahey Alam, have agreed to sell the property described as "Part of Plot Area Measuring 50 Sq. Yds. Out of Khasra No. 229, Situated at Village Kheda Chauganpur, Pargana and Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P." Accordingly, any co-sharers, previous owners, or any other interested parties-including but not limited to banks, financial institutions, NBFCs, HFCs, government or semi-government authorities, and any other persons or entities—having any claims, interests, or rights in or against the above-mentioned property, whether by way of sale, exchange, mortgage (equitable or title deed deposit), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement, or any other legal or equitable right, are hereby requested to submit written notice of their claim, along with supporting documentary evidence, to the undersigned within 7 days from the date of this notice. Failure to respond within the stipulated time will result in such claims being deemed waived or abandoned. In such an event, my client, AHFL, will proceed with the disbursement of the loan and the creation of the mortgage on the above- mentioned property.

Dated : 25.11.2024
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NOTICE

Public at large is hereby informed that my clients MICKY SACHDEVA are the owners of INDUSTRIAL PLOT NO-9 ,316.64 sq mtrs AT DLF INDUSTRIAL AREA, NAJAFGARH ROAD,NEW DELHI-110043 vide Sale Deed dated 01.01.2010 executed by Amita Arora in favour of Sh. Micky Sachdeva s/o late Jagdish Sachdeva comprising Basement, Ground, First and Second floor with roof rights as Doc. no. 17, Vol. no. 17287, page no. 90-100, SR-II. Initially, Sale Deed dated 31.05.1956 executed by Sh. Govind Ram and Sh. Jai Ram in favour of M/s Khosla Plastics through its Partners (1) Anant Ram Khosla (2) Om Parkash Khosla (3) Dharam Pal (4) Surendra Bala w/o Satya Prakaash Khosla Doc. no. 2315, wherein on Dissolution of Partnership all partners became the owners of ¼ undivided share. Thereafter, Sale Deed dated 16.04.1959 by Sh. Anant Ram Khosla in favour of Sh. Satya Prakash Khosla and Sh. Dharan Paul Khosla Doc. no. 1818., Release Deed dated 03.04.1964 executed by Sh. Dharan Paul Khosla in favour of Sh. Satya Prakash Khosla Doc. no. 4249.Thereafter, Suit for Specification Performance in High Court of Delhi, Roopa Rani Vs. Om Parkash Khosla ,Suit No.915/84 and compromise consent decree was passed by DHC vide order dated 7-8-1984 and (1) Sangeeta Rani Arora W/o. Shri Hira Lal Arora (2) Sh. Bharat Bhushan Arora S/o Harhans Lal Arora (3) Roopa Rani Arora w/o Mohan Lal Arora and (4) Amita Arora w/o Ashok Kumar Arora became the exclusive co-owners of 1/4 share i.e. 25% share Thereafter, Sale Deed executed in favour of (1) Sangeeta Rani Arora W/o. Shri Hira Lal Arora (2) Sh. Bharat Bhushan Arora S/o Harhans Lal Arora (3) Roopa Rani Arora w/o Mohan Lal Arora and (4) Amita Arora w/o Ashok Kumar Arora in respect of entire property (as per Court Order Suit No.915/84)Thereafter, Roopa Rani Arora had entered into an Agreement to Sell dated 01-05-1992 with Amita Arora. Thereafter, Registered GPA dated 29.04.1994 by Roopa Rani Arora in favour of Ashok Kumar Arora and, Registered GPA dated 29.04.1994 by Sangita Rani Arora in favour of Ashok Kumar Arora and Sale Deed by Sangeeta Rani Arora (2) Shri Pharat Bhushan Arora and (3) Roopa Rani Arora sold their respective share in favour of Amita Rani Arora vide six Regd. Sale Deeds i.e:-Sale Deed dated 12.07.2000 as Doc. No. 6925, Sale Deed dated 13.07.2000 as Doc. No. 6955, ,Sale Deed dated 22.07.2000 as Doc. No. 7318, Sale Deed dated 24.07.2000 as Doc. No. 7378, ,Sale Deed dated 11.07.2000 as Doc. No. 6892, Sale Deed dated 21.07.2000 as Doc. No. 7299,.and Amita Arora became the absolute owner of property who Finally executed Sale Deed dated 01.01.2010 favouring my client who now intends to mortgage the said immovable property for their bonafide requirements to IDFC FIRST Bank Limited. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the said property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections or claims to this property.

NEW DELHI
DATE: 26/11/2024

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mr. Jai Ram Pal who is intending to purchase the Plot measuring 60 Sq. Yards, Khasra No.233/1, Village Saddiknagar, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh from Mr. Subhash Kumar Mishra owner vide Sale Deed dated 16.01.2014 (Doc No.403) executed by Mr. Dharmendra Kumar Raghav and same to be finance & mortgage by Hinduja Housing Finance Ltd. That, (1) Original Sale Deed dated 08.01.2010 (Doc No.161) in favour of Mr. Sachin Kumar Sharma, Mr. Sanjay Kumar Sharma, Mr. Mohit Kumar Sharma & Mr. Sunil Kumar Sharma, (2) Original Regd. General Power of Attorney dated 12.11.2010 (Doc No.291) in favour of Mr. Sunil Kumar Sharma has lost/misplaced and FIR of the same lodged. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
A-2/367, Nand Nagri, Near GTB Enclave, SDM Court Nand Nagri, Delhi-110093
Mobile: 7706007066
Email: advabhisingh1993@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given by Mr. Ram Ratan who is purchasing Plot No. 279/5, measuring 150 Sq. Yds. out of Khasra No. 619, situated at village Saboli in the abadi of Ashok Nagar, Illaqa Shahadra, Delhi State from Mrs. Kamlesh and Mr. Mukesh Gautam who is the owner of the said property vide General Power of Attorney, Agreement to Sell & WILL Dated 15.06.1999 and intend to take financial assistance from Aditya Birla Housing Finance Ltd. If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever..

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048
Contact #011-49774545

NAME CHANGE

I, TIMBAL SEJAL spouse of No.15439991P Rank-NK/NA Name-TIMBAL KALPESH BHAI SAMAT BHAI R/o VILL-LIMBODA (BOTAD), DIST-BHAVNAGAR GUJRAT-364720. have changed my name from TIMBAL SEJAL to TIMBAL SEJAL KALPESHBHAI for all future purposes. Vide Affidavit No IN-DL91413145258693W Dated 25/11/2024 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

Date of Birth Change

I, DIKSHA KUMARI is daughter of No. GS-165208L Rank- OFFICE SUPERINTENDENT, Name-SHUBH CHANDRA LAL ARYA R/o WARD NO-10 VILLAGE KACHHARA BASBARIYA, PO-BENIPATTI, KACHHARA MADHUBANI (BIHAR)-847223 have changed my date of birth from 29/08/1994 to 29/08/1996. Vide Affidavit No IN-DL91418551362934W Dated 25/11/2024 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Kavita Saha Mondal alias kavita Saha D/O Mrituyanjay Saha W/O Gopal Mondal R/O D-162,STREET NO.-14 Khajoori khas ,Karawal Nagar, Dayalpur, North East Delhi-110094, have changed my name and shall hereafter be known as Kavita Saha Mondal.

कांग्रेस गिरगिट के समान, लोकसभा चुनाव में झूठ फैलाया : नायब सैनी

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस को गिरगिट की संज्ञा देते हुए कहा है कि देश के लोगों को कांग्रेस से बचना चाहिए। भाजपा ही देश व प्रदेश का भला कर सकती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यहां सूर्यनगर आरओबी व आरयूबी का उद्घाटन उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस का रवैया जनता ने अच्छी तरह से देख व परख लिया है। संविधान बदलने का झूठ फैलाकर कांग्रेस जनता में गई लेकिन कुछ ही समय में जनता ने कांग्रेस की असलियत को परख लिया और विधानसभा में कांग्रेस को फिर मुंह की खानी पड़ी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति कर रहा है और जनता भी जान चुकी है कि भाजपा ही देश को विकास के रास्ते पर आगे ले जा सकती है। ऐसे में जनता को कांग्रेस से बचना चाहिए क्योंकि आने वाले समय में पता नहीं कांग्रेस किस रंग में सामने आ जाए और क्या झूठ फैलाने का प्रयास करे। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसार एयरपोर्ट से जल्द ही फ्लाइट उड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इसके लिए समय लिया जाएगा। उनके बिना कुछ भी करने की कल्पना नहीं कर सकते। हिसार से जल्द फ्लाइट शुरू हो इसके लिए सरकार प्रयास कर रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने हिसार के सबसे बड़े पुल सूर्य नगर रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) व अंडरब्रिज (आरयूबी) को जनता को समर्पित किया। इस पर पुल 68 करोड़ 68 लाख की लागत आई है। इस पुल की लंबाई- 1185 मीटर, चौड़ाई-10.5 मीटर चौड़ाई, फुटपाथ 1.5-1.5 मीटर के हैं। सूर्य नगर अंडरपास और आरओबी से रोज करीब 40 हजार से अधिक वाहन गुजरेंगे।

फाइल को डेढ माह लंबित रखने पर दो क्लर्क से जवाब तलब

एजेंसी

गुरुग्राम। किसी काम को लेकर नगर निगम में लगाई गई फाईल को बेवजह लंबित रखने के मामले को निगमायुक्त ने कड़ा संज्ञान लिया है। उन्होंने इस मामले में दो क्लर्क से जवाबदेही करते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। अगर फाईलों को बेवजह लंबित करना पाया गया तो दोनों क्लर्क पर गाज गिरनी तय है। समाधान शिविर में गांव झाड़सा से आई एक शिकायत की सुनवाई करते हुए निगमायुक्त ने मौके पर ही ई-ऑफिस पोर्टल खुलवा कर देखा। इस दौरान पाया कि क्लर्क ने बेवजह अपने पास फाईल को लगभग डेढ़ माह तक लंबित रखा है। इसके साथ ही उन्होंने मौके पर ही राजस्व विभाग के अधिकारियों को भी इस मामले में फटकार लगाई तथा तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। इसके अलावा चंदन नगर में सीवर ओवरफ्लो से संबंधित शिकायत की सुनवाई करने के दौरान निगमायुक्त ने सहायक अभियंता को तुरंत ही फोन मिलाया। उन्हें चंदन नगर पहुंचने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब तक स्थाई समाधान नहीं होता है, तब तक वहां पर अस्थाई समाधान सुनिश्चित किया जाए। निगमायुक्त ने सुशांत लोक-1 व सेक्टर-28 से आए नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई करने के दौरान मौके पर उपस्थित चीफ इंजीनियर मनोज यादव से कहा कि वे ड्रेनेज की सफाई से संबंधित टेंडर प्रक्रिया अभी से शुरू करवा दें, ताकि मानसून आने से पूर्व सभी ड्रेनेज की सफाई पूरी कर ली जाए।

जिला यमुनानगर में भाजपा का प्राथमिक सदस्यता अभियान जोरों पर: कंवर पाल

यमुनानगर। भाजपा का प्राथमिक सदस्यता अभियान के अंतर्गत जगाधरी विधानसभा क्षेत्र के तीनों मंडलों पर शक्ति केंद्र प्रमुख व बूथ प्रमुख लगातार संपर्क कर भाजपा के सदस्यता अभियान को तेज गति प्रदान कर रहे हैं। यह जानकारी देते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि राष्ट्र सेवा एवं जनकल्याण के लिए समर्पित विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा के राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान 2024 के लिए आप सभी भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र उत्थान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए टोल फ्री नंबर 8800002024 पर मिस्ड कॉल करें या नमो ऐप के रेफरल लिंक के माध्यम से जुड़कर भाजपा परिवार का सदस्य बनें। भाजपा सदस्यता अभियान के जिला पर्यवेक्षक कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि जिला यमुनानगर में भाजपा सदस्यता अभियान पूरे जोरों से चल रहा है। जिला यमुनानगर की चारों विधानसभा सीटों पर हजारों भाजपा सदस्य बनाए जा चुके हैं व आगे भी भाजपा प्राथमिक सदस्य बनाने का सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की जनहितकारी योजनाओं का लाभ आज देश-प्रदेश में हर वर्ग को मिल रहा है और जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की भाजपा सरकार की विकासकारी शैली से प्रसन्न व संतुष्ट है।

अधिकारियों की कार्यशैली पर मंत्री ने जताई आपत्ति, बैठक में आई कई शिकायतें पेडिंग

यमुनानगर। जिला लघु सचिवालय के सभागार में जिला कष्ट निवारण समिति की एक बैठक राज्यमंत्री कृष्ण कुमार बेदी की अध्यक्षता मे हुई। जिसमें कुल 16 परिवाद में से सात परिवादों का समाधान किया गया और नौ परिवादों को आगामी बैठक तक के लिए स्थगित कर दिया गया। लघु सचिवालय के सभागार में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में समिति के अध्यक्ष राज्य मंत्री मंत्री कृष्ण कुमार बेदी पहुंचे। इस मौके पर उनके साथ सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, सढ़ौरा से कांग्रेस विधायक रेणु बाला, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा भी पहुंचे। बैठक के दौरान 16 परिवादियों की सुनवाई के दौरान नौ परिवादों को आगामी बैठक तक स्थगित कर दिया। पीड़ितों की शिकायतों को लेकर मंत्री कृष्णा कुमार बेदी ने अधिकारियों की लापरवाही पर सख्त निर्णय लिया और तीन परिवादों में कमेटी गठित कर जांच करने और एक परिवाद में पंजाब नेशनल बैंक के खिलाफ केस दर्ज करने का भी निर्णय लिया। इन मामलों के अंतर्गत सुंदर विहार कॉलोनी में सिवरेज पाइपलाइन के अंदर पीने के पानी का पाइप डालने का मामला सामने आया। जिस पर मंत्री ने विभाग के कनिष्क अभियंता व उपमंडल अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

झोपड़ पट्टी वाले बच्चों के आईडी बनवाएं अधिकारी: आनंद कुमार शर्मा

नारनौल। झुग्गी-झोपड़ियों में रह रहे बच्चों के उत्थान के लिए जिला प्रशासन की ओर से सोमवार को नारनौल की नई अनाज मंडी में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 75 बच्चे आए। इन सभी बच्चों की स्वास्थ्य जांच करवाई गई व इनके जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड व अन्य कागजात बनवाए गए। 26 नवंबर को भी इसी जगह पर कैंप का आयोजन किया जाएगा। अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने मेगा कैंप में स्टॉलों के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी बच्चा अपना जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड व अन्य आईडी बनवाने के लिए आता है उसके मौके पर ही कागजात पूरे कर उनकी आईडी बनवाएं। उन्होंने कहा कि इन पुनरुत्थान कैंप के दौरान इन स्लम एरिया के बच्चों के विभिन्न प्रकार के सर्टिफिकेट तथा कागजात आदि तैयार किए जाएंगे। यह कैंप सुबह 9 से सांय 5 बजे तक लगाए जाएंगे।

बहु तकनीकी संस्थानों में परीक्षा ड्यूटी के लिए अब मिलेगा ज्यादा पारिश्रमिक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में बहु तकनीकी संस्थानों के स्टाफ को परीक्षा ड्यूटी के लिए अब ज्यादा पारिश्रमिक मिलेगा। हरियाणा सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। नए नियमों के अनुसार अब परीक्षा अधीक्षक को 250 रुपये की जगह 400 रुपये और उप अधीक्षक को 200 की बजाय 300 रुपये दिए जाएंगे। फ्लाइंग स्कवाड का पारिश्रमिक 750 रुपये से बढ़ाकर 1200 रुपये, जबकि प्रत्येक उत्तर पुस्तिका जांचने के लिए पारिश्रमिक 12 रुपये से बढ़ा कर 20 रुपये किया गया है। इसी तर्ज पर अन्य कार्यों का पारिश्रमिक भी बढ़ाया गया है। हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. डी सुरेश ने इस संबंध में सभी राजकीय, सरकारी अनुदान प्राप्त और निजी बहु तकनीकी संस्थानों के प्राचार्यों को निर्देश जारी कर दिए हैं। पारिश्रमिक में यह बढ़ोतरी 12 साल बाद की गई है। बढ़ा हुआ पारिश्रमिक दिसंबर में होने वाली परीक्षाओं से लागू होगा।

फ्लाइंग स्कवाड का पारिश्रमिक 750 रुपये से बढ़ाकर 1200 रुपये, जबकि प्रत्येक उत्तर पुस्तिका जांचने के लिए पारिश्रमिक 12 रुपये से बढ़ा कर 20 रुपये किया गया है।

पॉलिटेक्निक टीचर वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान नरसिंह परमार ने पारिश्रमिक बढ़ाने पर खुशी जताते हुए कहा कि एसोसिएशन लंबे समय से यह मुद्दा उठा रही थी। परीक्षा अधीक्षकों, उप परीक्षा अधीक्षकों और परीक्षा निरीक्षकों के लिए अब जिले या जिले से बाहर ड्यूटी करने पर एक समान भुगतान किया जाएगा।

सहकारी समिति को उत्कृष्ट कार्य करने पर मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

एजेंसी

हिसार। दी हरियाणा स्टेट सीएम-पैक्स लि. का निदेशक मंडल समिति अध्यक्ष श्रीमती किरण के नेतृत्व में सहकारिता विभाग के सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां हिसार सत्यवान दलाल से मिला तथा उन्हें पुष्प कुछ देकर के आभार प्रकट किया। समिति अध्यक्ष श्रीमती किरण ने बताया कि हरियाणा सरकार ने 25 दिसंबर 2023 को सुशासन दिवस के शुभ अवसर पर प्रदेश के युवाओं को स्वावलंबी बनाने तथा सहकार से समृद्धि के संकल्प को साकार करने के लिए सीएम-पैक्स बनाने की घोषणा की थी। प्रदेश की प्रथम सीएम-पैक्स का गठन हम 11 युवक-युवतियों ने मिलकर के किया और हमारी समिति ने घरेलू एवं कृषि कार्य में उपयोगी ग्रामीण दस्तकारों द्वारा निर्मित औजारों के निर्माण तथा विपणन का कार्य प्रारंभ किया है। राष्ट्रीय सहकारी सप्ताह के दौरान 15 नवंबर को रोहतक में तथा 21 नवंबर को गुरुग्राम में हरियाणा सरकार द्वारा संपन्न राज्य स्तरीय सहकारी समारोह में भागीदारी की तथा समिति द्वारा निर्मित औजारों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया। समिति को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रदेश में द्वितीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।इसी संदर्भ में निदेशक मंडल ने सहायक रजिस्ट्रार का आभार प्रकट करने तथा भविष्य के लिए मार्गदर्शन लेने के लिए मुलाकात की। उन्होंने समिति को द्वितीय पुरस्कार देने के लिए मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री एवं सहकारिता विभाग के सभी अधिकारियों के प्रति आभार प्रकट किया प्रतिनिधिमंडल में समिति के निदेशक पवन कुमार, सुनील तथा सुश्री मंजू उपस्थित रही।

नारनौल में 26 नवंबर से खुलेंगे स्कूल, उपायुक्त ने दी मंजूरी

-उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने ग्रैप-4 को लेकर हुई बैठक के बाद लिया फैसला

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने कहा कि जिला महेंद्रगढ़ में एयर क्वालिटी इंडेक्स में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। ऐसे में 26 नवंबर से जिला के सभी स्कूल व शिक्षण संस्थाएं खुलेंगी। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के चौथे चरण (ग्रैप.4) को लेकर डीसी की अध्यक्षता में लघु सचिवालय में हुई अधिकारियों की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया।

डीसी ने कहा कि एयर क्वालिटी इंडेक्स में हो रहे सुधार के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है कि अब सभी स्कूल तथा शिक्षण संस्थाएं पहले की तरह खुली रहेंगी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में सुधार के लिए जिला प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। सड़कों तथा पेड़ों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है। जिला में सभी प्रकार की निर्माण गतिविधियों पर रोक है। इस संबंध में सभी विभाग अध्यक्षों को भी पत्र जारी करके स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जिला में ग्रैप-4 को सख्ती के साथ लागू करें। सभी एसडीएम अभी भी अपनी टीम के साथ 24 घंटे निगरानी करेंगे। जिला में चल रहे निर्माण कार्य जैसे हाईवे, रोड, फ्लाईओवर, ओवर ब्रिज, पावर ट्रांसमिशन, पाइपलाइन तथा टेलीकम्युनिकेशंस आदि सभी कार्य स्थगित किए गए हैं।

उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने आसपास के वातावरण को साफ सुथरा तथा शुद्ध रखें। जिम्मेदार नागरिक का परिचय देते हुए कूड़े पर आग ना लगाएं। उन्होंने कहा कि हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि जिले का एयर क्वालिटी इंडेक्स में सुधार हो। कूड़ा करकट जलाने पर पाबंदी है। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा कार्य जिससे धूल व धुआं उत्पन्न हो वह पाबंदी की श्रेणी में है।

दानवीर सेठ छाजू राम ने देश में शिक्षा की लौ जगाकर लोगों को अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने का किया काम: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि दानवीर सेठ छाजू राम ने देश में शिक्षा की लौ जलाकर कर लोगों को अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने का काम किया। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र के विकास में उनके द्वारा दिया गया योगदान हमेशा रहेगा अविस्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जिले में जाट शिक्षण संस्था के 100 वर्ष पूरा होने व चौधरी छाजू राम जी की 159वीं जयंती के उपलक्ष्य में छाजू राम मेमोरियल जाट महाविद्यालय में आयोजित समारोह में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने छाजू राम मेमोरियल जाट महाविद्यालय में योगा एवं इनडोर एक्टिविटी मल्टीपर्पज हॉल का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री ने अपने ऐच्छिक कोष से जाट शिक्षण संस्था को 31 लाख रुपये का अनुदान देने की भी घोषणा की। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज हम जो विकसित हरियाणा देख रहे हैं, उसे बनाने में ऐसी संस्थाओं ने महान योगदान दिया है। जाट शिक्षण संस्थाओं जैसी सभी संस्थाओं ने प्रदेश तथा देश के विकास में अहम योगदान दिया है। सेठ छाजूराम शिक्षा के महत्व को भली भांति जानते थे, इसीलिए उन्होंने शिक्षा पर बल देते हुए अनेक शिक्षण संस्थान स्थापित किये, इन शिक्षण संस्थाओं ने देश को अनेक आईएएस अधिकारी, न्यायाधीश, खिलाड़ी, वैज्ञानिक तथा राजनेता दिए हैं, जिन्होंने भारत का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित करने का काम किया है।नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो उन्हें रोजगार सक्षम बनाए, चरित्रवान बनाए और उनमें नैतिक गुणों का समावेश करे। इसी दिशा में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है। केन्द्र सरकार ने इस नीति को वर्ष 2030 तक लागू करने का लक्ष्य रखा है, परन्तु हरियाणा में इसे वर्ष 2025 तक ही पूरी तरह से लागू कर दिया जाएगा। यह नीति लागू करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है।

प्रशासन आमजन की शिकायतों का शीघ्र समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध : उपायुक्त

एजेंसी

पलवल। जिला के आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन समाधान शिविरों में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ की अध्यक्षता में जिला सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की विभिन्न प्रकार की समस्याएं सुनते हुए समाधान किया गया। उपायुक्त ने आमजन की शिकायतें व समस्याएं सुनते हुए उनका मौके पर निवारण किया गया। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर के माध्यम से आमजन को अपनी समस्याओं का त्वरित समाधान करवाना का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार प्रशासन समाधान शिविरों के माध्यम से आमजन की शिकायतों का शीघ्र समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित परिवादी मौजूद रहे। समाधान शिविर में अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी, डीएसपी नरेश कुमार, जिला राजस्व अधिकारी बलराज दांगी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

हरियाणा सरकार ने खरीदा नया हेलीकॉप्टर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी अब नए हेलीकॉप्टर में सफर करेंगे। चंडीगढ़ में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ से हिसार के लिए नए हेलीकॉप्टर से उड़ान भरी। प्रदेश में हेलीकॉप्टर बदलने को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल के दौरान भी नया हेलीकॉप्टर खरीदने को लेकर योजना बनाई गई थी लेकिन तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रदेश के सिर चढ़े कर्ज का हवाला देकर सरकार को घेर लिया। जिसके बाद कुछ समय के लिए हेलीकॉप्टर खरीद का मामला ठंडे बस्ते में चला गया। करीब दो साल पहले हेलीकॉप्टर के पायलट और इंजीनियरों की टीम ने सरकार को नया हेलीकॉप्टर खरीदने की सलाह दी थी। इसके बाद इस पर कदम आगे बढ़ाए गए। वर्तमान में सरकार के पास एक हेलीकॉप्टर के अलावा एक सरकारी प्लेन भी है। प्लेन की खरीद भाजपा सरकार ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान की थी। हेलीकॉप्टर पूर्व की हुड्डा सरकार के समय खरीदा गया था। नए हेलीकॉप्टर की खरीद के पीछे हरियाणा सरकार की ओर से वजह भी दी गई है। सरकार की ओर से कहा गया है कि पुराना हेलीकॉप्टर 2008 में खरीदा गया था। उसके रखरखाव पर अब काफी खर्च हो रहा है। साथ ही सेफ्टी का भी मुद्दा था। इसके कारण नए हेलीकॉप्टर की खरीद आवश्यक थी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने नए हेलीकॉप्टर में बैठने से पहले पूजा-अर्चना की। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, राजेश नागर मौजूद रहे। नए हेलीकॉप्टर को लेकर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि पिछले कुछ समय से हमारा हेलीकॉप्टर दिक्कत कर रहा था। काफी पुराना होने की वजह से सेफ्टी का भी इश्यू था। सरकार विचार कर रही थी कि नया हेलीकॉप्टर आए। इसके लिए मैं विभाग के अधिकारियों को बधाई देता हूं। यह एक नियमिति प्रक्रिया का हिस्सा है।

आईपीएस अशोक कुमार ने संभाला साउथ रेंज रेवाड़ी का कार्यभार

एजेंसी

रेवाड़ी। आईपीएस अशोक कुमार ने साउथ रेंज रेवाड़ी का कार्यभार संभाल लिया है। कार्यालय पहुंचने पर रेवाड़ी के एसपी गौरव राजपुरोहित आईपीएस, विक्रम यादव एसपी कार्यालय व सभी शाखा इंचार्ज ने बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। अशोक कुमार आईपीएस आईजीपी स्टेट क्राईम पंचकूला से स्थानांतरित होकर आए हैं।आईजीपी अशोक कुमार आईपीएस 2006 बैच के पुलिस अधिकारी है। उन्होंने आईजीपी स्टेट क्राइम ब्यूरो पंचकूला, डीआईजी एंटी करप्शन ब्यूरो, डीआईजी स्टेट क्राइम ब्यूरो, एसपी एंटी करप्शन ब्यूरो, डीसीपी पंचकूला, एसपी रेलवे, एसपी झज्जर, एसपी जींद, एसपी भिवानी, दो बार एसपी अंबाला, दो बार एसपी सोनीपत के तौर पर सेवाएं दी हैं। बेहतर अनुसंधान कार्य व बेहतर सेवाओं के लिए वर्ष 2017 में उन्हें राष्ट्रपति पदक से भी नवाजा गया है। कार्यभार संभालते ही उन्होंने कार्यालय के सभी कर्मियों को मेहनत और लगन से कार्य करने की हिदायत भी दी। उन्होंने कहा कि सभी पुलिस महानिदेशक हरियाणा के दिशा-निर्देश अनुसार सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य करे। साउथ रेंज को अपराध मुक्त करने के लिए भरसक प्रयास किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा व नशे की रोकथाम उनकी पहली प्राथमिकता रहगी। उन्होंने कहा कि पीड़ित फरियादों की प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई कर उसे शीघ्र न्याय दिलवाया जाएगा।

निगम क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को जल्द पूरा कराए अधिकारी : श्याम सिंह राणा

एजेंसी

यमुनानगर। नगर निगम क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों व परियोजनाओं को लेकर प्रदेश के कृषि, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने जगाधरी के लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह में नगर निगम अधिकारियों की एक बैठक ली। इस बैठक में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने नगर निगम की ओर से कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को शहर में होने वाले करोड़ों रुपये के विकास कार्यों के जल्द निर्माण शुरू कराने के निर्देश दिए। नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने कृषि मंत्री को बताया कि जल्द ही भव्य शिलान्यास समारोह का आयोजन कर ओपन एयर थिएटर एवं ऑडिटोरियम का विधिवत निर्माण शुरू कराया जाएगा। शहर के विकास को लेकर नगर निगम गंभीरता से कार्य कर रहा है। हर वार्ड में विकास कार्य किए जा रहे हैं। सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नगर निगम द्वारा एंटी स्मॉग गन मशीन से शहर के वातावरण को प्रदूषण से बचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल व विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने संयुक्त रूप से कहा कि नगर निगम क्षेत्र के विकास के लिए सरकार ने करोड़ों रुपये का बजट जारी किया है। इसलिए सरकार द्वारा निगम को जो इस वित्तीय वर्ष का बजट भेजा है, उसे प्राथमिकता के आधार पर सही कार्यों में इस्तेमाल किया जाए और जो परियोजनाएं अधूरी है, उन्हें जल्द पूरा किया जाए। विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक के बाद कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने निगम अधिकारियों के साथ एंटी स्मॉग गन मशीन का निरीक्षण किया।

दिव्यांग केंद्र ने लगाया निशुल्क नेत्र जांच शिविर, 72 ने उठाया लाभ

एजेंसी

हिसार। सेवार्थ भाव से स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े दिव्यांग पुनर्वास एवं स्वास्थ्य केंद्र द्वारा भारत माता मंदिर में निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। एमसी कॉलोनी स्थित भारत माता मंदिर के सभागार में आयोजित किए गए इस शिविर का लाभ एमसी कॉलोनी, डीसी कॉलोनी, गोबिंद नगर, अर्बन एस्टेट-द्वितीय, मॉडल टाउन व सेक्टर-13 सहित आसपास की कॉलोनियों के निवासियों ने उठाया।

इस शिविर में दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अनुभवी व प्रशिक्षित चिकित्सकों ने 72 लोगों की निशुल्क नेत्र जांच करके उचित परामर्श दिया और यथासंभव दवाइयां भी निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। इस शिविर के संयोजन में भारत माता मंदिर के संरक्षक समाजसेवी अनिल महता की विशेष भूमिका रहेगी। दिव्यांग केंद्र द्वारा सेवा भारती के सहयोग से सत्य नगर में 30 नवंबर को फ्री मेडिकल चैकअप कैंप आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में दिव्यांग केंद्र के अनुभवी चिकित्सक आंख, दांत व सामान्य रोग की जांच करके उचित परामर्श देंगे और यथासंभव दवाइयां भी निशुल्क उपलब्ध करवाई जाएंगी। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष सुरेंद्र कुच्छल, सचिव एडवोकेट राजेश जैन व प्रोजेक्ट हेड रामनिवास अग्रवाल ने बताया कि हर महीने के अंतिम रविवार को भारत माता मंदिर में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाता है। निशुल्क नेत्र जांच शिविर चौ. फकीरचंद फतेहचंद मानव कल्याण समिति ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित होता है। उन्होंने बताया कि इस शिविर में जांच के दौरान जिन लोगों की आंखों में सफेद मोतियाबिंद की शिकायत मिली उनका नेत्र ऑपरेशन दिव्यांग केंद्र में निशुल्क किया जाएगा।

बीआईएस 2025 के अंत तक 214 महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों के लिए मानक विकसित करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का राष्ट्रीय मानक निकाय भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) 214 महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों के लिए मानक विकसित कर रहा है। इस पहल को दिसंबर 2025 तक चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करने की योजना है।उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विश्वसनीय और किफायती चिकित्सा सहायक प्रौद्योगिकी की बढ़ती जरूरत को पूरा करने के लिए बीआईएस 214 महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों के लिए मानक विकसित कर रहा है। इसके तहत ब्यूरो दिव्यांगजनों की सहायता और उनके जीवन में गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए चिकित्सीय जूते, पोर्टेबल रैंप, ब्रेल डिस्प्ले और फॉल डिटेक्टर जैसे अभिनव उत्पादों के लिए मानक तैयार कर रहा है। मंत्रालय के मुताबिक फार्मास्यूटिकल्स विभाग (डीओपी) के परामर्श से इनकी पहचान भी की गई है। इसमें सेप्टल क्लोजर डिवाइस, प्लाज्मा स्टेरिलाइज़र और फोटोथेरेपी मशीनें शामिल हैं। यह मानकीकरण पहल राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति, 2023 के अनुरूप है, जिसको दिसंबर 2025 तक चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करने की योजना है। गौरतलब है कि बीआईएस ने चिकित्सा क्षेत्र के लिए अबतक 1,700 से अधिक मानक प्रकाशित किए हैं, जिनमें कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, नेत्र विज्ञान और अन्य विशेषज्ञताएं शामिल हैं। इनमें से करीब 1,200 मानक विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा के लिए महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों पर केंद्रित हैं।

एसएंडपी ने 2024-25 के लिए विकास दर का अनुमान 6.8 फीसदी पर बरकरार रखा

नई दिल्ली। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पूर्वानुमान को 6.8 फीसदी पर बरकरार रखा है जबकि अगले दो वित्?त वर्षों 2025-26 और 2026-27 के लिए आर्थिक विकास दर के पूर्वानुमानों में कटौती की है। रेटिंग एजेंसी ने अमेरिकी चुनाव परिणामों के बाद एशिया-प्रशांत अर्थव्यवस्थाओं के लिए अपने आर्थिक पूर्वानुमान को अद्यतन करते हुए वित्त 2025-26 (1 अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2026) में जीडीपी वृद्धि दर 6.7 फीसदी और उसके अगले वित्त 2026-27 में 6.8 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो पिछले अनुमानों क्रमशः 6.9 फीसदी और सात फीसदी से 20 आधार अंक (100 आधार अंक 1 फीसदी अंक के बराबर होता है) कम है। हालांकि, एजेंसी ने वित्त वर्ष 2027-28 के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को सात फीसदी पर रखा है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एशिया-प्रशांत अर्थव्यवस्थाओं के लिए जारी अपने आर्थिक पूर्वानुमान में कहा कि भारत में हम चालू वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी की वृद्धि दर को 6.8 फीसदी तक कम होते देखते हैं, क?योंकि उच्च ब्याज दरें और कम राजकोषीय आवेग शहरी मांग को कम करते हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) विस्तार क्षेत्र में बने हुए हैं जबकि अन्य उच्च आवृत्ति संकेतक सितंबर तिमाही में निर्माण क्षेत्र को हुए नुकसान के कारण विकास की गति में कुछ क्षणिक नरमी का संकेत देते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर आज अमेरिकी क्रूड 0.22 प्रतिशत गिरकर बढ़कर 69.09 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73.19 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

अडानी पोर्टफोलियो की आय 1.20 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली। उद्योगपति गौतम अडानी की अलग-अलग क्षेत्रों में कारोबार करने वाली विभिन्न कंपनियों के समूह अडानी पोर्टफोलियो का चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कर भुगतान से पहले की आय (ईबीआईटीडीए) इसके पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 43689 करोड़ रुपये के मुकाबले 1.20 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 44,212 करोड़ रुपये हो गई है। समूह ने बयान जारी कर बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की सितंबर में समाप्त पहली छमाही में पोर्टफोलियो की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का ईबीआईटीडीए 8,678 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि के 6,106 करोड़ रुपये से 42.12 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह अडानी ग्रीन एनर्जी का ईबीआईटीडीए 4,466 करोड़ रुपये से 24.47 प्रतिशत बढ़कर 5,358 करोड़ रुपये हो गया। आलोच्य अवधि में अडानी एनर्जी सोल्यूशंस का ईबीआईटीडीए 2,820 करोड़ रुपये से 29.54 प्रतिशत बढ़कर 3,654 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जबकि अडानी पावर का 17,734 करोड़ रुपये से 28.70 प्रतिशत कम होकर 12,639 करोड़ रुपये रह गया। वहीं, अडानी टोटल गैस का ईबीआईटीडीए 552 करोड़ रुपये की तुलना में 13.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 626 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

पेटीएम ने यूपीआई लाइट के लिए स्वचालित टॉप-अप सुविधा की शुरुआत की

एजेंसी

नई दिल्ली देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) की बढ़ती मांग और इस्तेमाल के बीच डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म पेटीएम ने यूपीआई लाइट ऑटो टॉप-अप फीचर लॉन्च किया है। इस नए फीचर्स के जरिए यूजर्स बिना पिन के भी यूपीआई पेमेंट का लाभ उठा सकेंगे। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसिएल) ने 'एक्स' पोस्ट पर दी जानकारी में बताया कि नई सुविधा की मदद से पेटीएम यूपीआई लाइट का इस्तेमाल करने वाले ग्राहक अब पहले से तय यूपीआई लाइट बैलेंस को ऑटो-मैटिक रूप से रिचार्ज कर सकेंगे और बिना पिन के 500 रुपये तक के छोटे अमाउंट वाले पेमेंट निर्बाध्य रूप

से कर सकेंगे जबकि पेटीएम यूपीआई लाइट की डेली पेमेंट लिमिट 2000 रुपये है। कंपनी के मुताबिक पेटीएम यूपीआई लाइट के जरिए अब ग्राहक ग्रॉसरी स्टोर पर भुगतान, ट्रांसपोर्ट के लिए पेमेंट और छोटे बिल पेमेंट के लिए बिना पिन के भी ट्रांजेक्शन कर सकते हैं। इसके अलावा नए फीचर के जरिए पेटीएम यूपीआई लाइट यूजर्स अपने अकाउंट में एक लिमिट भी सेट कर सकते हैं, जिसके कम होने पर आपका पेटीएम अकाउंट ऑटोमेटिकली रिचार्ज हो जाएगा। ऐसे बिना पिन के आपके अकाउंट में पैसे आ जाएंगे। उल्?लेखनीय है कि पेटीएम यूपीआई लाइट ऑटो टॉप-अप सुविधा चुनिंदा उपयोगकर्ताओं के लिए यस बैंक और एक्सिस बैंक उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। यूपीआई लाइट बैलेंस के पूर्व निर्धारित सीमा से कम होने पर स्वचालित रूप से रिचार्ज हो जाता है। रिजर्व बैंक के जारी दिशा-निर्देश के अनुसार जल्द ही सभी उपयोगकर्ताओं और शेष भागीदार बैंकों तक इसका विस्तार किया जाएगा।

प्रॉपर्टी शेयर ट्रस्ट का आईपीओ 2 दिसंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 10-10.5 लाख रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। देश के पहले पंजीकृत लघु और मध्यम रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट प्रॉपशेयर प्लैटिना का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 2 दिसंबर, 2024 को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 10 लाख से 10.5 लाख रुपये प्रति शेयर तय किया है। प्रॉपर्टी शेयर ट्रस्ट का शेयर 9 दिसंबर को एनएसई और बीएसई पर लिस्?ट होंगे। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि प्रॉपशेयर प्लैटिना का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 2 दिसंबर को खुलेगा, जो चार दिसंबर, 2024 को बंद होगा। रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट प्रॉपशेयर प्लैटिना ने इसके लिए मूल्?य का दायरा 10 लाख से 10.5 लाख रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 353 करोड़ रुपये जुटाने की है। प्रॉपशेयर प्लैटिना, एसएम-रीट (प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट) की यह पहली योजना है।प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (पीएसआईटी) के मुताबिक यह आईपीओ पूरी तरह से प्लैटिना यूनिट का नया निर्गम है। इसमें कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल नहीं है। कंपनी के मुताबिक इस आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से प्लैटिना की विशेष इकाई (एसपीवी) द्वारा प्रेस्टीज टेक प्लैटिना की परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए प्रस्तावित है, जबकि शेष राशि का उपयोग अन्य सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

अगामी महीनों के लिए भारत का आर्थिक परिदृश्य सतर्क रूप से आशावादी : वित्त मंत्रालय रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कहा कि आने वाले महीनों के लिए भारत का आर्थिक परिदृश्य 'सतर्क रूप से आशावादी' है। मंत्रालय ने मानसून की अनुकूल स्थिति, बढ़े हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और खेती में इस्तेमाल होने वाले माल की पर्याप्त आपूर्ति की वजह से कृषि क्षेत्र को लाभ मिलने की संभावना जताई है। हालांकि, बाहरी मोर्चे पर विकसित बाजारों में मांग में नरमी के कारण भारत की निर्यात वसूली के चुनौतियों का सामना करने की संभावना है।

आर्थिक मामलों के विभाग ने अक्टूबर संस्करण के लिए जारी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा है कि बेहतर कृषि उपज की संभावनाओं ने चुनिंदा खाद्य वस्तुओं में मौजूदा मूल्य दबावों के बावजूद मुद्रास्फीति के परिदृश्य को नरम बना दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नवंबर की शुरुआत के रुझानों ने प्रमुख खाद्य कीमतों में नरमी का संकेत दिया है। हालांकि, इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक कारक घरेलू महंगाई और आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करना जारी रख सकते हैं। मानसून, पर्याप्त जलाशय स्तर और उच्च न्यूनतम समन मूल्य से रबी की बुवाई और उत्पादन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।रिपोर्ट के

रिपोर्ट के मुताबिक धुंधली वैश्विक पृष्ठभूमि के बीच भारत में आर्थिक गतिविधियों के कई उच्च आवृत्ति संकेतकों ने अक्टूबर माह में वापसी दिखाई है। इसमें ग्रामीण और शहरी मांग के संकेतक और क्रय प्रबंधक सूचकांक और ई-वे बिल जैसे आपूर्ति पक्ष के संकेतक शामिल हैं। इसके साथ ही अनुकूल मुताबिक आने वाले महीनों में खरीफ की बंपर फसल से खाद्य महंगाई कम होने की उम्मीद है। रोजगार के मोर्चे पर कहा गया है कि औपचारिक कार्यबल का विस्तार हो रहा है, विनिर्माण नौकरियों में उल्लेखनीय वृद्धि और संगठित क्षेत्रों में युवाओं का मजबूत प्रवाह है।

गोयल ने क्रेडाई से अपने 14000 सदस्यों को औपचारिक रूप से पंजीकृत करने का आग्रह किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय रियल एस्टेट डेवलपर्स संघों का परिसंघ (क्रेडाई) से अपने 14 हजार सदस्यों को औपचारिक रूप से पंजीकृत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा रियल एस्टेट के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अर्थव्यवस्था और रोजगार में योगदान देता है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने राजधानी नई दिल्ली में क्रेडाई के 25वें स्थापना दिवस पर अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र को अधिक औपचारिकरण की ओर बढ़ना चाहिए जो उद्योग को तेजी से विकसित करने में मदद करेगा। पीयूष गोयल ने उद्योग से श्रमिकों को औपचारिक रोजगार में लगाने, उन्हें बीमा (ईएसआईसी) और भविष्य निधि (ईपीएफओ) के सामाजिक सुरक्षा लाभ देने का भी आग्रह किया। वाणिज्य मंत्री ने क्रेडाई से अपने 14 हजार सदस्यों के औपचारिकरण में तेजी लाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि यदि क्रेडाई के लिए काम करने वाला हर व्यक्ति डिजिटल भुगतान के जरिए वेतन प्राप्त करेगा

और यह सुनिश्चित किया जाता है कि ईकोसिस्टम में काम करने वाले कर्मचारी लोगों की जरूरतों को पूरा करने के राष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा हैं, तो रोजगार सृजन में क्रेडाई के योगदान की पहचान और सम्मान होगा। गोयल ने कहा कि यदि सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सेवानिवृत्ति के बाद के लाभ प्रदान किए जाते हैं, तो कर्मचारी उद्योग के लक्ष्यों के मुताबिक अपने काम की गुणवत्ता में वृद्धि करेंगे, जिससे बेहतर उत्पादकता और अधिक लाभ होगा। उन्होंने देश को एक पावरहाउस बनाने और विकसित भारत की यात्रा में क्रेडाई के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उद्योग ने न केवल ईंट और मोर्टार के साथ मिलकर राष्ट्र को भविष्य के लिए तैयार किया है, बल्कि राष्ट्र को अवसर और आकांक्षाएं प्रदान करने के लिए भी काम किया है।

वाणिज्यिक कोयला खदानों ने एक दिन में रिकॉर्ड 0.617 मिलियन टन प्रेषण किया

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्यिक कोयला खदानों ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 24 नवंबर को एक दिन में अबतक के सर्वोच्च 0.617 मिलियन टन (एमटी) प्रेषण हासिल किया है। यह पिछले वर्ष इसी दिन 0.453 एमटी के प्रेषण की तुलना में 36 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने जारी बयान में वाणिज्यिक कोयला खदानों के 24 नवंबर को एक दिन में 0.617 मीलियन टन उत्पादन और प्रेषण को देश की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। मंत्रालय ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत यह इस क्षेत्र की मजबूत वृद्धि को दर्शाते हुए विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय के मुताबिक इस रिकॉर्ड डिस्पैच में बिजली क्षेत्र को 0.536 मीलियन टन और गैर-बिजली क्षेत्र को 0.081 मीलियन टन कोयला उपलब्ध कराना शामिल है, जो अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में सुदृढ़ प्रदर्शन दिखाता है। कोयला मंत्रालय ने बताया कि मासिक डिस्पैच प्रगति 12.810 मिलियन टन पहुंच गई है, जो साल-दर-साल 116.373 मीलियन टन का पर्याप्त डिस्पैच है। यह कोयला उत्पादन और वितरण में निरंतर बढोतरी दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने कहा है कि यह अभूतपूर्व उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत वाणिज्यिक कोयला खनन सुधारों के परिवर्तनकारी उपायों को भी सामने लाती है। खानों में कोयला उत्पादन और इनके रिकॉर्ड स्तर पर प्रेषण करना हमारी ऊर्जा सुरक्षा सुदृढ करने के साथ ही 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में हमारी प्रगति को भी गति प्रदान करता है।

एस्सार समूह के सह-संस्थापक शशि रुइया का निधन

एजेंसी

नई दिल्ली।विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनी एस्सार समूह के सह-संस्थापक शशि रुइया का निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे।सूत्रों ने बताया कि वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वह हाल ही में अमेरिका में इलाज के बाद भारत लौटे थे। सोमवार देर रात मुंबई में उनका निधन हो गया। अंतिम दर्शन के लिए उनके पार्थिव शरीर को मंगलवार दोपहर एक बजे से तीन बजे तक मुंबई के रुइया हाउस में रखा जाएगा। अंतिम संस्कार शाम चार बजे हिंदू वर्ली श्मशान घाट में किया जाएगा।

रुइया परिवार ने मंगलवार को जारी बयान में कहा, हम अत्यंत दुख के साथ रुइया और एस्सार परिवार के संरक्षक शशिकांत रुइया के निधन की सूचना दे रहे हैं। उनकी विनम्रता, गर्मजोशी और हर किसी से जुड़ने की क्षमता ने उन्हें वास्तव में एक असाधारण लीडर बनाया। श्री शशिकांत रुइया की असाधारण विरासत हम सभी के लिए एक

मार्गदर्शक बनी रहेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1943 में जन्मे श्री शशि रुइया ने वर्ष 1965 में अपने पिता नंदकिशोर रुइया के मार्गदर्शन में व्यापार शुरू किया था। उन्होंने वर्ष 1969 में अपने भाई मैकेनिकल इंजीनियर रवि रुइया के साथ एस्सार समूह की स्थापना की। एस्सार समूह ने चेन्नई बंदरगाह में एक आउटर ब्रेकवाटर के निर्माण के साथ अपन काम शुरू किया था। वर्तमान में एस?सार समूह का कारोबार 25 देशों में फैला है और सालाना करीब 40 अरब डॉलर का राजस?व अर्जित करता है। स्थापना के बाद एस्सार समूह निर्माण और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सक्रिय था। बाद में समूह ने तेल और गैस, ऊर्जा, और अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार किया। एस?सार समूह में एस्सार ऑयल, एस्सार पावर, एस्सार शिपिंग, एस्सार टेलीहोल्डिंग्स, एस्सार कंस्ट्रक्शन और एस्सार इन्वेस्टमेंट्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। वर्ष 2010 में एस्सार ने अमेरिका के ट्रिनिटी कोल का अधिग्रहण किया था। समूह का एक तिहाई हिस्सा हचिसन एस्सार में है, जो एक सेलुलर ऑपरेटर है।

श्री शशि रुइया की नेतृत्व क्षमता और व्यापारिक दृष्टि ने एस्सार समूह को भारतीय कॉर्पोरेट परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया। वह वाणिज्य एवं उद्योग संगठन फिक्की के प्रबंधन समिति में शामिल थे। इसके अलावा वह इंडो-यूएस ज्वाइंट बिजनेस काउंसिल के भी अध्यक्ष रहे। वह इंडियन नेशनल शिपओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रह चुके थे। वह प्राइम मिनिस्टर इंडिया-यूएस सीईओ फोरम और इंडिया जापान बिजनेस काउंसिल के भी मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रहे।

मेकमाईट्रिप ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बहु-मुद्रा भुगतान विकल्प पेश किया

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा देने वाली कंपनी मेकमाईट्रिप (एमएमटी) ने बहु-मुद्रा भुगतान विकल्प की पेशकाश की है, जिससे उपयोगकर्ताओं के लिए अपनी पसंद की मुद्रा में उड़ानें और होटल बुक करना आसान हो जाएगा।

कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि बहु-मुद्रा सुविधा के लॉन्च से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को कंपनी के व्यापक नेटवर्क से सीधे जुड़ने में मदद मिलेगी। एमएमटी ने हाल ही में जीडीपीआर के साथ अपने अनुपालन की भी घोषणा की, जिससे 150 से अधिक देशों से एमएमटी प्लेटफॉर्म तक पहुंच संभव हो गई।

मेकमाईट्रिप के सह-संस्थापक और समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राजेश मागो

ने कहा, ÷यात्रा तेजी से सीमाहीन होती जा रही है और यह कदम वैश्विक यात्रियों के लिए हमारे साथ सहजता से जुड़ना आसान बनाता है। यह सुविधा दुनिया भर में फैले भारतीय प्रवासियों के साथ-साथ हमारे अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के लिए उनकी पसंद की मुद्रा में भुगतान को आसान बनाती है। साथ ही इनबाउंड अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के बीच मेकमाईट्रिप प्लेटफॉर्म को अधिक अपनाने की नींव भी रखती है।

कंपनी ने कहा कि नई बहु-मुद्रा सुविधा बहरीनी दीनार, ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग, कनाडाई डॉलर, डेनिश क्रोन, ईयू यूरो, हांगकांग डॉलर, भारतीय रुपया, जापानी येन, कुवैती दीनार, न्यूजीलैंड डॉलर, कतरी रियाल, रूसी रूबल, सऊदी रियाल, सिंगापुर डॉलर, दक्षिण अफ्रीकी रैंड, दक्षिण कोरियाई वोन, थाई बाट, यूएई दिरहम और यूएस डॉलर सहित प्रमुख वैश्विक मुद्राओं में भुगतान की अनुमति देती है।

रुपया 11 पैसे चढ़कर ढाई सप्ताह के उच्चतम स्तर पर

एजेंसी

मुंबई। शेयर बाजार में पिछले लगातार दो दिनों से जारी उछाल के बीच आयातकों एवं बैंकरों की भारी बिकवाली से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 11 पैसे चढ़कर करीब ढाई सप्ताह के उच्चतम स्तर 84.30 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।वहीं, इसके पिछले कारोबार दिवस रुपया 83.41 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था।कारोबार की शुरूआत में रुपया तीन पैसे बढ़कर 84.38 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिवस का निचला स्तर भी रहा। वहीं, बिकवाली होने से यह 83.25 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 83.41 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 11 पैसे चढ़कर 84.30 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

पंजाब: गन्ने के दाम में प्रति क्विंटल 10 रुपए की बढ़ोतरी

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्टेट एग्रीड प्राइस(एसएपी) में प्रति क्विंटल 10 रुपए की बढ़ोतरी की घोषणा की है इससे किसानों को गन्ने की फसल का प्रति क्विंटल 401 रुपए मूल्य मिलेगा।

श्री मान ने कहा कि राज्य सरकार गन्ना किसानों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है, और इसीलिए किसानों को 10 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा ही गन्ना किसानों को सबसे अधिक कीमत दी है और अब भी इसी दिशा में यह फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार गन्ने की अग्रणी किस्मों के लिए किसानों को 401 रुपए प्रति क्विंटल और गन्ने की मध्यम-पिछड़ी किस्मों के लिए 391 रुपए प्रति क्विंटल मूल्य देगी। उन्होंने कहा कि गन्ने का (एसएपी.) देश में सबसे अधिक है, जिससे किसानों को आर्थिक रूप से बड़ा लाभ होगा।

कॉरपोरेट प्रशासन में खामियों कारण एडटेक फर्म बायजू के खिलाफ नई जांच, रिपोर्ट्स में किया गया दावा

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने संकटग्रस्त एडटेक कंपनी बायजू की वित्तीय और लेखा प्रथाओं की नई जांच शुरू की है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, मामले से परिचित सूत्रों ने बताया है कि नई जांच कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की ओर से पिछली समीक्षा के बाद की गई, जिसमें कंपनी में कॉरपोरेट प्रशासन में खामियों से जुड़ी जानकारी सामने आई। हैदराबाद में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के क्षेत्रीय कार्यालय को बायजू के वित्तीय रिकॉर्ड की जांच करने के लिए कहा गया है। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि क्या कंपनी ने अपने वित्तीय विवरण गलत तरीके से प्रस्तुत किए हैं या फिर फंड का गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया है।

यह ताजा जांच कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा एक साल पहले किए गए निरीक्षण के बाद की गई है। हालांकि उस समीक्षा में बायजू में कॉरपोरेट गवर्नेंस संबंधी समस्याएं पाई गईं, लेकिन वित्तीय गड़बड़ियों का कोई निर्णायक सबूत सामने नहीं आया।

कभी 22 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन के साथ भारत का सबसे मूल्यवान स्टार्टअप रहा बायजू अब वित्तीय उथल-पुथल और कानूनी चुनौतियों से जूझ रहा है। कंपनी भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों में दिवालियापन की कार्यवाही में उलझी हुई है। अक्तूर में, भारत

के सर्वोच्च न्यायालय ने दिवालियापन न्यायाधिकरण के उस फैसले को पलट दिया, जिसने बायजू को एक प्रमुख लेनदार के साथ अपने ऋणों का निपटान करने की अनुमति दी थी। इस फैसले ने कंपनी को दिवालियापन प्रक्रिया में वापस ला दिया है, और इसके संचालन का नियंत्रण एक दिवालियापन समाधान पेशेवर को सौंप दिया गया है।

बायजू के शेयरों में हुई गिरावट ने इसके निवेशकों को बुरी तरह प्रभावित किया है। प्रोसस एनवी सहित प्रमुख निवेशकों ने अपने निवेश को राइट ऑफ कर दिया है।

कंपनी के संस्थापक बायजू रवींद्रन ने हाल ही में कंपनी के पतन को स्वीकार करते हुए कहा कि इसका मूल्यांकन शून्य हो गया है। भारत के कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय और बायजू की देखरेख करने वाले दिवालियापन समाधान पेशेवर की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। कंपनी ने खुद नई जांच के बारे में कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया है। एक समय था जब बायजू को भारत के तेजी से बढ़ते एडटेक सेक्टर में सफलता की कहानी के रूप में मनाया जाता था। हालांकि, कंपनी को कर्ज चुकाने के मुद्दों से लेकर कुप्रबंधन के आरोपों तक, बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

सर्दियों में चाहिए कोरियन ग्लास स्किन, विटामिन ई का कैप्सूल इन 3 तरीकों से लगाएं

मौसम बदलने का असर सेहत के साथ ही त्वचा पर भी दिखाई देता है. सर्दियां शुरू होते ही स्किन का रूखा होना, चेहरा डल दिखाई देना जैसी स्किन प्रॉब्लम होने लगती हैं. इससे छुटकारा पाने के लिए विटामिन ई के कैप्सूल का इस्तेमाल किया जा सकता है. जानिए कैसे.

दाग-धब्बों से रहित और चमकदार त्वचा तो हर कोई पाना चाहता है, फिर चाहे वो लड़की हो या लड़का. इसके लिए मार्केट में महंगे प्रोडक्ट्स भरे पड़े हैं, हालांकि इससे भी मन मुताबिक रिजल्ट मिले ये जरूरी नहीं होता है. वहीं बदलते मौसम का असर त्वचा पर भी पड़ता है. सर्दियों में स्किन रूखी होने की वजह से चेहरा भी डल दिखाई देने लगता है और लोग ठंडे मौसम में धूप में रहना पसंद करते हैं, जिससे टैनिंग होना, स्किन डैमेज समेत कई दिक्कतें बढ़ने लगती हैं. सर्दी के दिनों में भी अगर क्लीन, क्लियर ग्लास स्किन चाहिए तो विटामिन ई का कैप्सूल काफी काम आ सकता है.

कोरियन ग्लास स्किन सीक्रेट्स काफी ट्रेंड में रहते हैं, हालांकि त्वचा की रंगत कैसी है ये काफी हद तक जैनेटिक होने के साथ ही जलवायु पर निर्भर करता है. स्किन को हेल्दी रखने के लिए विटामिन ई एक जरूरी विटामिन है. हेल्दी फूड्स के जरिए इसकी शरीर में तो पूर्ति की ही जा सकती है, साथ ही में स्किन केयर में विटामिन ई का कैप्सूल इस्तेमाल करने से काफी अच्छा रिजल्ट मिल सकता है. तो चलिए जान लेते हैं.

डैमेज और रूखी स्किन होगी रिपेयर

सर्दी के दिनों में त्वचा रूखी हो जाती है और डैमेज स्किन की वजह से प्रीमेच्योर एजिंग (समय से पहले चेहरे पर झुर्रियां दिखाई देने लगना) हो सकती है. डैमेज स्किन को रिपेयर करने और रूखी त्वचा को हाइड्रेट करने के लिए विटामिन ई के कैप्सूल को एलोवेरा जेल में मिलाकर लगाना चाहिए. इन दोनों चीजों का मिश्रण बनाकर एयर टाइट कंटेनर में फ्रीज में स्टोर किया जा सकता है और रोजाना रात में इसे चेहरे पर हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में मसाज करते हुए लगाएं और सुबह फेस वॉश कर लें.

त्वचा ऐसे बनेगी चमकदार

स्किन को अगर चमकदार बनाना है और दाग-धब्बों से छुटकारा पाना है तो चावल के पानी में विटामिन ई का कैप्सूल मिलाकर लगाएं. दरअसल चावल का पानी कई न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होता है, जिससे त्वचा को पोषण मिलता है तो वहीं विटामिन ई का कैप्सूल स्किन को हेल्दी बनाने के साथ ही दाग-धब्बों और बाकी की त्वचा संबंधित समस्याओं से छुटकारा दिलाने में मदद करता है. चावलों को उबाल लें और उसमें से पानी निकाल लें, इस पानी में विटामिन ई का एक कैप्सूल मिलाकर चेहरे से गर्दन तक लगाकर 20 मिनट रखें और फिर चेहरा साफ कर लें. हफ्ते में तीन बार इसे लगाया जा सकता है.

काले घेरे होंगे रिमूव, ऐसे यूज करें विटामिन ई का कैप्सूल

आंखों के नीचे अगर काले घेरे हो तो पूरा चेहरे देखने में मुरझाया हुआ लगता है. विटामिन ई का कैप्सूल इस समस्या से भी छुटकारा दिला सकता है. इसके लिए दो विटामिन ई के कैप्सूल को एक कांच की कटोरी में निकाल लें, इसमें दो चुटकी हल्दी मिलाएं और दो से तीन बूंद नींबू का रस डालें. इस मिक्सर को आंखों के नीचे और बाकी प्रभावित जगह पर अप्लाई करें, लेकिन सावधानी रखें कि ये मिश्रण आंखों में न जाए, नहीं तो जलन महसूस हो सकती है. इसे लगाने के बाद उंगलियों से मसाज करें और फिर 10 मिनट बाद हटा दें. इस रेमेडी को हफ्ते में तीन बार करने से बढ़िया रिजल्ट मिल सकता है.

मोदी को जेपीसी गठित करने पर सहमत हो जाना चाहिए

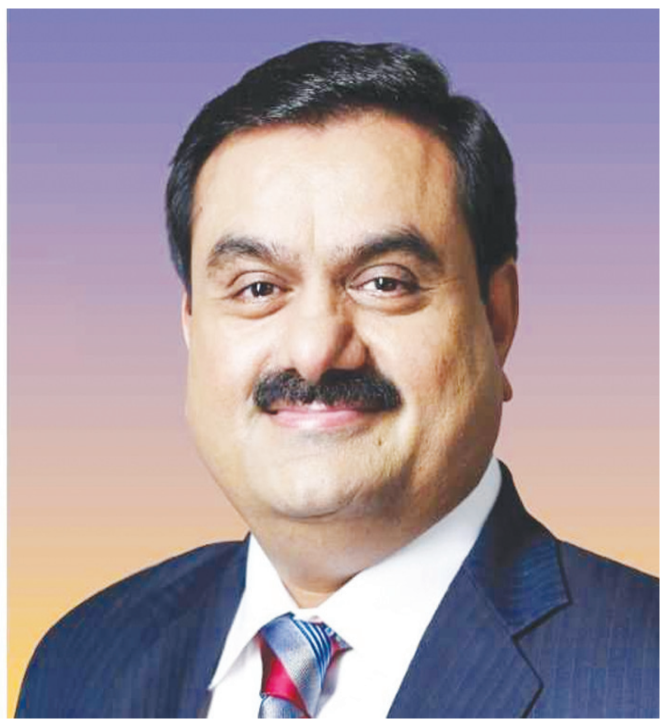

मीडिया को अरबपति गौतम अडानी के कई कारनामों की रिपोर्टिंग करते समय कथित शब्द का इस्तेमाल करना बंद कर देना चाहिए। इतने अमीर व्यक्ति को रिश्वत देने और धोखाधड़ी करने की क्या जरूरत है? कथित शब्द आरोप की गंभीरता को कम कर देता है और उस व्यक्ति को आंशिक रूप से दोषमुक्त कर देता है, जिसके उच्च पदों पर मित्र हैं। चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अडानी से सम्बद्धता का दोषी माना जाता है इसलिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच स्थापित करने का यह और भी बड़ा कारण होगा, ताकि मिलीभगत के आरोप से वह मुक्त हो सकें।गौतम अडानी पर संयुक्त राज्य अमेरिका में आरोप लगाये गये हैं। अडानी और उनके भतीजे और अडानी समूह के कुछ अधिकारियों पर भारत में किये गये अपराधों रिश्वत और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है, जिससे यह ज़रूरी हो जाता है कि वे अपनी छवि को साफ़ करें। विपक्ष शासित कई राज्यों की परियोजनाओं में उन्होंने जो भारी पैसा लगाया है, उसे क्लीन-चिट का बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

जेपीसी हमेशा अभियोग लगाने के लिए नहीं होती। जेपीसी साफ़-साफ़ सामने आने का एक ज़रिया भी है। गौतम अडानी और उनके उच्च पदों पर बैठे दोस्तों को विपक्ष द्वारा जेपीसी के गठन की मांग का स्वागत करना चाहिए। यह विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा गिरफ़्तारी की मांग से बेहतर है। लेकिन गिरफ़्तारी के लिए कांग्रेस को भारत में प्रथमिकी दर्ज करानी चाहिए। ऐसा लगता है कि बाइडेन के न्याय विभाग का भारत में कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है।

अमेरिका में गौतम अडानी के खिलाफ़ आरोपों ने भारत को विभाजित कर दिया है। कांग्रेस के नेतृत्व में आधे लोग उनके गले में फांस लगाना चाहते हैं। भाजपा के मित्रों के नेतृत्व में बाकी आधे लोग राहुल गांधी की कुंठाओं पर हंस रहे हैं।कांग्रेस का निशाना अडानी नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। गौतम अडानी के पीछे कोई नहीं पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी प्रतिष्ठा और नाम को साफ करने के लिए जेपीसी जांच के लिए सहमत होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी को अडानी पर अमेरिकी आरोप के एक दिन पहले ही गुयाना के शीर्ष नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया और उनकी अंतरराष्ट्रीय छवि, जिसे वे अपनी प्रिय दिवंगत मां की स्मृति से अधिक महत्व देते हैं, वह चीज उन्हें सबसे अधिक उथल-पुथल भरे राजनीतिक जल में बचाये रखती है।

मोदी का नाम साफ होने के लिए गौतम अडानी का नाम साफ होना चाहिए। 20 जनवरी को राष्ट्पति पद के लिए चुने गए डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद भी अडानी के खिलाफ़ लगे आरोप समाप्त नहीं होंगे। मोदी अपने दोस्त ट्रंप से अडानी के खिलाफ़ लगे आरोपों को वापस लेने के लिए नहीं कह सकते। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि ट्रंप इस पर अमल करेंगे, लेकिन हो सकता है कि वे ऐसा करें। आखिर दोस्त किस लिए होते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी खुद स्वीकार करते हैं?

मोदी सरकार को जेपीसी गठित करने के विपक्ष के आह्वान का विरोध नहीं करना चाहिए। गौतम अडानी की लोकप्रियता गिर रही है और ईमानदारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर संदेह है। साथ ही, यह पहली बार नहीं है जब अडानी पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर आरोप लगे हैं। रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोप लगने से पहले, जो उनके गृह देश भारत में किये गये अपराध हैं, अडानी हिंडनबर्ग आरोप प्रकरण में उलझे हुए थे।यह सब विपक्ष की उस मांग को सही साबित करता है जिसमें उनके विशाल वित्तीय-औद्योगिक परिसर में कथित तौर पर शामिल घोटालों की जेपीसी जांच की मांग की गयी है। गौतम अडानी अरबपतियों के क्लब में एकमात्र अरबपति हैं, जिनके अरबों ने उनका कोई भला नहीं किया है। कांग्रेस को लगता है कि इस बार अडानी अंतरराष्ट्रीय जाल से बच नहीं पायेंगे।कांग्रेस चाहती है कि अडानी मेगा घोटाले की जांच के लिए एक नया और विश्वसनीय सेबी प्रमुख हो। सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच भी अपने ही गलत कामों के भंवर में फंस गयी हैं। कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा गौतम अडानी पर अभियोग विभिन्न मोदानी घोटालों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच की मांग को सही साबित करता है।

अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अडानी पर अडानी समूह को सौर ऊर्जा सरकारी अनुबंध दिलाने के लिए भारतीय नौकरशाहों को कुल 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। उन सौर ऊर्जा अनुबंधों से अडानी को कर के बाद 2 बिलियन डॉलर से अधिक का लाभ मिलता!कांग्रेस के रणनीतिकार जयराम रमेश ने सेबी पर अडानी समूह की जांच में घटिया काम करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने अडानी के घोटालों के विभिन्न आयामों और प्रधानमंत्री मोदी तथा अडानी के बीच मौजूद घनिष्ठ सांठगांठ को सामने लाने के लिए सौ सवाल पूछे। रमेश ने कहा, ये सवाल अनुत्तरित रह गये हैं। कांग्रेस संयुक्त संसदीय समिति की अपनी मांग दोहराती है।अडानी समूह का प्रमुख क्षेत्रों पर बढ़ता एकाधिकार का भी प्रधानमंत्री मोदी के साथ अडानी का संबंध ही प्रमुख कारण है। इसलिए गठजोड़ के आरोप की जांच का काम जेपीसी को देना चाहिए। विपक्ष के नेता राहुल गांधी को यकीन है कि मोदी अपनी मुश्किलों से उबर जायेंगे और अडानी के मोदी के रास्ते से हट जाने के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में उछाल आयेगा और भारत के पड़ोसी राहत की सांस लेंगे। क्या अमेरिका का अभियोग भारत के लिए झटका है? अमेरिकी नागरिक सैम पित्रोदा कहते हैं कि हां, यह भारतीय नाम और प्रसिद्धि के लिए झटका है।अमेरिकी अभियोजकों ने कहा कि गौतम अडानी और उनके अधिकारियों, जिनमें उनके भतीजे सागर आर अडानी भी शामिल हैं, ने आकर्षक सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंधों के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर (2,100 करोड़ रुपये) से अधिक की रिश्वत दी, जिससे 2 बिलियन डॉलर (16,800 करोड़ रुपये) से अधिक का शुद्ध लाभ होना था। विपक्ष ने जेपीसी की मांग करते हुए कहा, यह सब प्रधानमंत्री के स्पष्ट संरक्षण के साथ दंड से मुक्त होकर किये गये धोखाधड़ी और अपराध के लंबे रिकॉर्ड के अनुरूप है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम दांव पर है।

क्या यह मोदी नहीं थे जिन्होंने कहा था न खाऊंगा न खाने दूंगा? गौतम अडानी लंबे समय तक जांच से बचते रहे और अगर विदेशी जांचकर्ताओं ने आपराधिक गतिविधियों में उनकी जांच नहीं की होती तो वे बेदाग निकल जाते। भाजपा की निगरानी में काम करने वाली भारत की जांच एजंसियों के लिए छोड़ दिया जाता तो गौतम अडानी अधिक से अधिक लालची नौकरशाहों और सत्ता के भूखे नेताओं को समृद्ध कर देते।

विपक्ष चाहता है किअडानी मेगा घोटाले की जांच के लिए नया और विश्वसनीय सेबी प्रमुख हो, और एक जेपीसी हो।अमेरिका में विदेशी भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच की अनुमति है, अगर इसमें अमेरिकी निवेशकों या बाजारों से संबंध हों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ला अफेयर गौतम अडानी की जांच के लिए जेपीसी गठित करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। इतिहास पीठ में छुरा घोंपने वाले दोस्तों से भरा पड़ा है। आखिरकार, जैसा कि सैम पित्रोदा ने कहा, भारतीय नाम और प्रसिद्धि बचाना है, और सैम स्वयं गौतम अडानी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कम गुजराती नहीं हैं।

संपादकीय

चुनावी नतीजे : नए कलेवर में पुरानी कहानी

महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव के नतीजे शनिवार को आ गए। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की तरह इस बार भी मुकाबला एक-एक की बराबरी पर छूटा, यानी झारखंड में झामुमो और कांग्रेस गठबंधन को जीत मिली और महाराष्ट्र में महायुति को, जिसमें भाजपा, शिवसेना शिंदे गुट और अजित पवार की एनसीपी शामिल है। भाजपा समर्थक इस जीत से बेहद गदगद हैं और फिर से पूरे देश में यह विचार फैलाया जा रहा है कि मोदी है तो मुमकिन है। हालांकि महाराष्ट्र की इस जीत को मुमकिन करने में सर्वोच्च न्यायालय से लेकर निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाओं ने कितना योगदान दिया है, इसका विश्लेषण भी किया जाना चाहिए।जब भाजपा ने महाराष्ट्र में ऑपरेशन लोटस चलाकर शिवसेना और उसके बाद एनसीपी को तोड़ा, विधायकों को न जाने कौन से चमत्कारी तरीके से अपने साथ किया और फिर सरकार बनाई, तब उस सरकार को, राज्यपाल के फैसले को शीर्ष अदालत ने गलत बताया, लेकिन कमाल देखिए एक अवैध सरकार को कार्यकाल पूरा किए जाने का मौका दिया। निर्वाचन आयोग ने झारखंड के चुनाव तो समय से पहले कराए, लेकिन महाराष्ट्र के चुनाव हरियाणा के साथ न करवा कर जानबूझ कर उसे टाला, त्योहार आने का वास्ता दिया गया। इन सारे अजीब लगने वाले फैसलों के पीछे क्या भाजपा के लिए पक्षपात किए जाने की बू नहीं आती।असल में महाराष्ट्र में भाजपा की जीत को जिस चमत्कार की तरह पेश किया जा रहा है और इस जीत पर शनिवार को नरेन्द्र मोदी भाजपा मुख्यालय पर जिस तरह फिर से यह बताने की कोशिश की कि कांग्रेस एक परजीवी पार्टी है और जिसके साथ जाती है, उसे खत्म कर देती है, उसमें कांग्रेस और गांधी परिवार को लेकर श्री मोदी का डर ही नजर आया। अब तो प्रियंका गांधी भी वायनाड से रिकार्ड जीत दर्ज करके पहुंची हैं। यानी अब सदन में राहुल गांधी और अखिलेश यादव जैसे नेता ही नहीं, प्रियंका गांधी के सवालों से भी श्री मोदी को जूझना होगा। वायनाड में कांग्रेस की जीत अप्रत्याशित नहीं थी, लेकिन मध्यप्रदेश में विजयपुर में भाजपा प्रत्याशी और मंत्री रामनिवास रावत को कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा ने हरा दिया, वहीं बुधनी में भाजपा के रमाकांत भार्गव जीत तो गए, लेकिन 13 हजार वोटों से ही आगे रहे, भाजपा के 91 हजार वोट इस बार घट गए, ये मामूली बात नहीं है। कांग्रेस ने कर्नाटक में भी उपचुनाव वाली सभी 3 सीटें जीती हैं, और प.बंगाल में आर जी कर मामले के बावजूद टीएमसी ने उपचुनाव की सभी 6 सीटें जीत ली हैं। दरअसल जिस राज्य में जिसकी सत्ता होती है, उपचुनाव के नतीजे कमोबेश उसी के पक्ष में जाते हैं, ये चलन इस बार भी दिखा। इसलिए उप्र जैसे राज्यों के उपचुनाव में जीत पर भाजपा फिर से अपना झंडा गड़ा होने के जो दावे कर रही है, वो शत प्रतिशत सच नहीं हैं।इस बार के विधानसभा चुनाव देखकर ऐसा लगा मानो किसी हिंदी टीवी धारावाहिक का एक और एपिसोड खत्म हुआ है। हिंदी धारावाहिकों में नयी कहानियों की जगह टीआरपी बढ़ाने वाली पुरानी कहानियों को ही घिसा जाता है, इसी तरह चुनावों के इस एपिसोड में नए किरदारों, नए बैकग्राउंड नारों और नए सेट डेकोरेशन के साथ एक पुरानी कहानी को कामयाबी के साथ दोहराने में भाजपा को सफलता मिली है। कहानी वही जिसके अंत में यह कहा जाए कि चुनाव कोई भी लड़े, कहीं भी लड़े, कैसे भी लड़े, जीतेगा तो मोदी ही। इस कहानी में मुख्य किरदार भाजपा या मोदी रहते हैं, उनके इर्द-गिर्द और उनकी सुविधा के हिसाब से सारी पटकथा लिखी जाती है। महाराष्ट्र और झारखंड में इस बार भाजपा ने कुछ नए नारे दिए, कुछ नए चेहरों पर दांव लगाया, कुछ नयी योजनाओं की घोषणा की, लेकिन मूल कहानी यही थी कि किसी भी तरह जीत हासिल करना है, ताकि सत्ता में आ कर मनमानी की जा सके। भाजपा की इस कहानी के सफल मंचन में चुनाव आयोग का पूरा सहयोग मिला। विपक्ष कई गड़बड़ियों की तरफ लंबे अर्से से शिकायत कर रहा था, जैसे मतदाता सूची में गड़बड़ी है, ईवीएम को लेकर संशय है, धर्म के नाम पर वोट मांगा जा रहा है, वोट खरीदने की कोशिश हो रही है, लेकिन इन शिकायतों पर चुनाव आयोग ने ध्यान नहीं दिया और दिखाने के लिए छोटी-मोटी कार्रवाई की। नतीजा बिल्कुल वैसा ही निकला जैसा भाजपा चाहती थी।

लड़ोगे तो जीतोगे : झारखंड का विपक्ष को संदेश

सबक यह है कि जब विपक्ष जनता के बीच होता है। जनता को उस पर भरोसा होता है तो वह झूठ को नफरत विभाजन को स्वीकार नहीं करती। दूसरा सबक यह है कि जब कोई पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ती है तो ईवीएम की धांधली करने की ताकत भी कम हो जाती है। जैसे अगर दीवार मजबूत हो तो चोरी के धक्कों से नहीं गिर सकती।स्थिति थोड़ी गंभीर है। लोगों को जब तक बताया नहीं जाए वे समझ नहीं पाते। झारखंड में इंडिया की जीत बताती है कि वहां जिस तरह हेमंत सोरेन के बेगुनाह होने की बात और आम जनता के लिए किए जा रहे उनके कल्याणकारी काम रोकने के लिए गिरफ्तारी की बात लोगों तक पहुंचाई गई उसका असर हुआ। और लोगों तक यह बात सफलता पूर्वक कल्पना सोरेन ने पहुंचाई।7 अक्टूबर को झारखंड में चुनाव की घोषणा होने के एक दिन पहले हमने यहीं देशबन्धु में इसी कॉलम में लिखा कि हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद जब झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएएमएम) पर सबसे कठिन समय आया तो अचानक कल्पना सोरेन ने उठकर संघर्ष की बागडोर संभाल ली। हेमंत सोरेन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट को कुछ नहीं मिला। वे वापस आए। लेकिन एक बार जनता के बीच पहुंच गई कल्पना सोरेन को फिर जनता खासतौर से महिलाओं ने वापस घर नहीं बैठने दिया। जेएमएम ने भी उनका सर्वोत्तम उपयोग किया। पूरे झारखंड में उसने मंईयां सम्मान यात्रा शुरू कर दी। और कल्पना सोरेन उसकी स्टार प्रचारक बन गईं। बाकी फिर इतिहास है। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से उपजी आम जनता की सहानुभूति और महिलाओं के अकाउंट में सीधे पैसे जमा करने की मंईयां सम्मान योजना ने वहां प्रधानमंत्री मोदी के सारे भड़काऊ भाषणों को दरकिनार करते हुए गोदी मीडिया के सारे पूर्वानुमानों, एक्जिट पोल को ध्वस्त करते हुए इंडिया गठबंधन को दोबारा सत्ता सौंप दी। और इसमें खास बात यह है कि जेएमएम ने तो शानदार प्रदर्शन किया ही कांग्रेस, आरजेडी और सीपीआईएमएल का प्रदर्शन भी अच्छा रहा।झारखंड की इस जीत का विपक्ष के लिए बड़ा सबक है कि लड़ना नहीं छोड़ना और जनता के बीच जाना ही इस मुश्किल समय में एक मात्र उपाय है। ईवीएम की गड़बड़ियां हैं। और ईवीएम क्या पूरी चुनावी प्रणाली को ही इस समय सत्ताधारी पार्टी ने अपनी गिरफ्त में ले लिया है। खुद पैसा पानी की तरह बहाना। और विपक्ष के सारे स्त्रोतों को बंद कर देना। चुनाव के दौरान जगह-जगह उनके जहाज, हैलिकाप्टर, सामान की तलाशी लेना। लेकिन सत्ता पक्ष के खुले आम बांटे जा रहे पैसों पर कोई एक्शन नहीं लेना। अभी महाराष्ट्र में कोई छोटा-मोटा नेता नहीं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पैसे बांटते हुए पकड़े गए। मगर चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की।आदर्श चुनाव आचार संहिता की तो खुद प्रधानमंत्री और भाजपा के आसाम, यूपी के मुख्यमंत्री अपनी हेट स्पीचों (नफरत भरी, जो केवल आदर्श आचार संहिता का ही उल्लंघन नहीं है बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने भी ऐसे भाषणों पर सख्ती से रोक लगाने की बात कही है) से धज्जियां उड़ाते रहे। यह सारी गड़बड़ियां हैं। वोटर लिस्ट में से अल्पसंख्यकों के नाम कटवाना, दूसरे क्षेत्रों के लोगों के जाली नाम जोड़ने से लेकर काउन्टिंग में जीत के बाद भी जीत का सर्टिफिकेट रोक कर रखना। अभी मध्य प्रदेश में भाजपा के मंत्री रामनिवास रावत जो कांग्रेस से दलबदल करके वहां गए थे के विजयपुर में हार के बाद रिजल्ट रोक लिया गया। वह तो वहां कमलनाथ जैसे भाजपा से मिले प्रदेश अध्यक्ष नहीं थे बल्कि हिम्मत से लड़ने वाले जीतू पटवारी थे जिन्होंने फौरन चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस के जीते हुए प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा को जीत का सर्टिफिकेट नहीं दिया तो वे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ काउन्टिंग सेन्टर घेर लेंगे। तब जाकर कांग्रेस को विजयी घोषित किया गया।हर स्तर पर चुनाव धांधलियां हैं। उनसे विपक्ष को लड़ना होगा। मगर साथ ही जनता के बीच उसी तरह जाना और उसे समझाना होगा जैसा झारखंड में हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने किया। याद रखिए आज तक का सबसे शर्मनाक नारा बेटी ले जाएंगे प्रधानमंत्री ने वहीं दिया था। जनता के बीच चूंकि हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन थे और जनता उन पर भरोसा कर रही थी इसलिए वह नारा ओंधे मुंह गिर पड़ा।सबक यह है कि जब विपक्ष जनता के बीच होता है। जनता को उस पर भरोसा होता है तो वह झूठ को नफरत विभाजन को स्वीकार नहीं करती। दूसरा सबक यह है कि जब कोई पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ती है तो ईवीएम की धांधली करने की ताकत भी कम हो जाती है। जैसे अगर दीवार मजबूत हो तो चोरी के धक्कों से नहीं गिर सकती।कल्पना सोरेन पर हमने लिखा था झारखंड में कल्पना सोरेन भाजपा के लिए चुनौती! वही सही साबित हुआ। अब कल्पना सोरेन की मांग झारखंड के बाहर भी होगी। लेकिन उस समय जब हमने लिखा था तो कुछ लोगों ने कहा कि ज्यादा तो नहीं लिख दिया? आज वे स्टार बन गईं। और हेमंत सोरेन का कद तो कई गुना बढ़ गया। गिरफ्तारी के बाद जिस तरह उन्हें गया हुआ मान लिया गया था उसके बाद पहले अदालत में लड़कर और फिर भाजपा की साम दाम दंड भेद हर चाल से लड़कर उनकी वापसी विपक्ष के लिए एक प्रेरणा बन गई।ध्यान देने की बात है कि भाजपा ने सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का सबसे तीखा प्रयास झारखंड में किया। बेटी ले जाएंगे इससे ज्यादा भड़काऊ बात कुछ हो नहीं सकती। मगर यह आदिवासियों का हेमंत सोरेन पर भरोसा था कि उन्होंने इस बात को जरा भी महत्व नहीं दिया।

झारखंड में बीजेपी ने क्या नहीं किया? इससे पहले कभी किसी राज्य के मुख्यमंत्री ने दूसरे राज्य में चार महीने बिताए होंगे? अभी हार के बाद रविवार को आसाम के मुख्यमंत्री हेमंत बिश्वा सर्मा ने खुद कहा चार महीने झारखंड में रहा। कितना जहर नहीं फैलाया। हर बात सांप्रदायिक। हिन्दू मुसलमान। घुसपैठिए। मगर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक सवाल जो उनसे किया उसका जवाब न वह, न भाजपा के दूसरे मुख्यमंत्री, न प्रधानमंत्री, न गृह मंत्री कोई नहीं दे पाया।हेमंत सोरेन ने सीधी बात पूछी कि झारखंड की सीमा किस देश से कहां लगी हुई है? जो किसी देश से घुसपैठिए सीधे हमारे यहां आ रहे हैं? सीमा की रखवाली करना केन्द्र का काम है। उस राज्य पर आप कैसे आरोप लगा सकते हैं जो न तो सीमावर्ती हो और न ही सीमाओं की रक्षा करने का अधिकार उसके पास हो।इसका जवाब कोई नहीं दे पाया। और यह बात जनता को पसंद भी आई और समझ में भी आई। असम के मुख्यमंत्री के चार महीने डेरा डाले रहने के अलावा उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी वहां सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के कम प्रयास नहीं किए। बटेंगे तो कटेंगे खूब बोला। मगर जहां -जहां उन्होंने रैलियां की ज्यादातर जगह भाजपा हारी।प्रधानमंत्री मोदी ने रोटी बेटी छीनने की बात वहां कही ही थी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तो ओ चंपई इधर आओ, बाबूलाल आगे आओ जैसी आवाजें लगाकर दंभ का ऐसा प्रदर्शन किया कि वह सीधा आदिवासियों के दिल पर लगा। पहले वनवासी कहते थे। मतलब जंगल में रहने वाले और अब पूर्व मुख्यमंत्री को गुलामों की तरह पुकारना!

जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।

बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूडू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।

बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और मानव जीवन में काफी समानताएं हैं। मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके बारे में काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा पक्षी जिसके माथे पर चटक लाल रंग की कलगी और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मिस्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और मादा मुर्गे को दिखाया गया है।

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा नहीं रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है। यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें कि जेलीफिश की तरह दिखने वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के लिए माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने इस अद्भुत और रहस्यमय परजीवी की खोज की है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को नुकसान नही पहुंचाती हैं। ये परजीवी साल्मन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब तक कि मछली जिंदा रहती है। इस जीव का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया साल्मिनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नही है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें उन्हें माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नही दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।

समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है.यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है.कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं.समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है.यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है.पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है.इन तटीय शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टटी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम कोई पूर्वानुमान नहीं बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं.यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है.शोध में सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की वजह से धरती के एक बड़े हिस्से से भूजल गायब होता जा रहा.तटीय इलाकों में मानवीय गतिविधि की वजह से समुद्र से सटे इलाकों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं.पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण (बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन डूबने का कारण बन सकती हैं. उन स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं, ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी से कम करने का कारण बनती है, जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है.20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के तटीय जमीन छह से 10 फीट तक पानी में डूब गए.सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 33 मिलीमीटर (एक इंच के लगभग आठवें हिस्से) हो रही है. शोधकर्ता निकोलस और उनके सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से 2015 के बीच लगभग 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष (01 इंच) की तुलना में थोड़े कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है.लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग रहते हैं.इसी अवधि में, पृथ्वी के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 78 से 9 मिलीमीटर सालाना (लगभग आधा इंच) की वृद्धि देखी है. शोध के मुताबिक यह इस तथ्य को दर्शाता है कि तटीय निवासी तेजी से डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित हैं जिसमें डूबते हुए डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं.समस्या विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ़ के मैदानों में रहते थे.तटीय इलाकों में रहने वाली लोगों की वैश्विक संख्या के 75 फीसदी लोग इन इलाकों में रहते हैं.ऐसे लोग नदी की बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि दोनों के खतरों का सामना कर रहे हैं.

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका

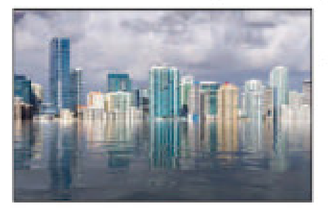

अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स

द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के बेहद नजदीक हैं। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि ये शहर भी डूब जाएंगे। इतना ही नहीं कोई भी डैम, बैरियर, फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

बसरा, इराक

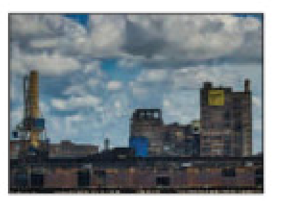

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई सारी नहरों और बैक वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री जलस्तर बढ़ता है तो इस शहर को खतरा है। बाढ़ आई तो इस शहर में काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। सिर्फ यही नहीं ये नक्शे से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली

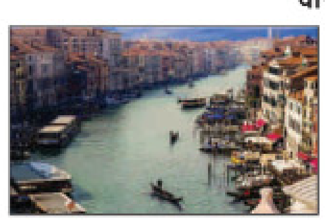

इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस शहर में दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा है। अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 तक ये शहर पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम

वियतनाम के पूर्वी इलाके में बसे इस शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस शहर को सबसे बड़ा खतरा मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस डेल्टा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि हो ची मिन्ह सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चीटियां

चीटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चीटियां अपने धुन की पक्की होती है और चीटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चीटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चीटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चीटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चीटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

दरअसल कुछ ऐसी चीटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्रूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चीटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चीटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चीटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चीटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चीटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चीटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चीटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चीटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है। धमाका करने वाली चीटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पश्चात इनके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चीटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चीटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चीटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से रह रहे थे। एक दिन उस घने और भयानक जंगल में एक हाथी आ पहुंचा। देखने में पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान। जब वह चलता, तो सारे जानवर उसे छिपकर देखते थे। उसके चिंघाड़ने से जंगल में भगदड़ मच जाती थी। बड़े जानवर छिप जाते और छोटे जानवर अपनी मांदों में दुबक जाते। जंगल के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वह तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए प्यार से आवाज लगाता था, पर होता उलटा ही था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें कौन सी बुरी आदत है? वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम रहा था। जब वह जंगल के एक पुराने बरगद के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था, बचाओ-बचाओ! हाथी ने सिर उठाकर देखा, एक नन्हा सा चूहा पेड़ की टहनियों में उलझा चिल्ला रहा था। हाथी बोला, घबराओ नहीं, मैं अभी तुम्हें बचाता हूं। हाथी को देखकर पहले तो चूहा कुछ डरा। लेकिन मरता क्या न करता! चूहा डर भूल गया और हाथी को डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठा दी और चूहा उस पर बैठकर नीचे उतर आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग गया। उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे हाथी ने तो सोचा था कि चूहा ही उसका दोस्त बनेगा, पर वह भी भाग गया। अब हाथी को विश्वास हो गया कि उसका कोई भी दोस्त नहीं बन सकता। यह सोचकर वह रोने लगा।

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों का मधुर गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा गाना उसने इस जंगल में पहले कभी नही सुना था। देखते ही देखते जंगल के सारे जानवर हाथी के चारों तरफ एक घेरा बनाकर नाचने-गाने लगे। कोई सीटी बजा रहा था, तो बंदर ढोल पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज में गा रहा था। हाथी को यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। हाथी ने हैरानी से देखा, झुंड में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे हाथी ने बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुमने मुझे बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। शरीर से चाहे कितने ही बड़े हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।

जानकारी

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर ग्रीन कॉफी से साफ हो जाती है लिवर की गंदगी

अगर आप पिछले कुछ वर्षों से खुद को फिट रखने के लिए ग्रीन-टी या ब्लैक कॉफी पी रहे हैं तो अब समय है कुछ बदलाव करने का। ग्रीन-टी हो या ब्लैक कॉफी इन्हें छोड़कर अपनाइए ग्रीन कॉफी। यह सेहत को ठीक रखती है और वजन कम करने में भी सहायक है। ग्रीन कॉफी धीरे-धीरे हेल्थ और फिटनेस के बाजार में अपनी जगह बना रही है। इसके फायदों ने तो ग्रीन-टी को भी पीछे छोड़ दिया। वैसे बता दें कि ग्रीन-टी की ही तरह ग्रीन कॉफी में भी भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स हैं। यह वजन को तेजी से कम करने में सहायक है। खबरों के अनुसार इसके नियमित सेवन और बिना एक्सरसाइज के आप अपना वजन 10 किलो तक कम कर सकते हैं। इस बात में कितनी सच्चाई है, इस लेख में इस संबंध में बताया जा रहा है। ग्रीन कॉफी बीन्स को प्राकृतिक डिटॉक्स का एक रूप माना गया है। इसके सेवन से बैड कोलेस्ट्रॉल, अतिरिक्त फैट और लिवर से जीवाणु बाहर निकल जाते हैं, जिससे यह सही तरह से काम करता है और इसी से मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है।

जरूरी टिप्स

कॉफी के अलावा अपनी डाइट में पोषक तत्वों से भरपूर फूड्स शामिल करें, जैसे- फल, सब्जी, नट्स, सीड्स और लीन मीट खाएं। डाइट फॉलो करते समय अगर आपको पाचन संबंधी परेशानियां, एसिडिटी और कब्ज की शिकायत हो रही है तो फिर न्यूट्रिशनिस्ट से सलाह लें और सही डाइट प्लैन बनवाएं। ध्यान दें कि हर 2 कॉफी के बीच में कम से कम 2-3 घंटे का अंतर रखें। शाम 5 के बाद कॉफी न पिएं। सोने से ठीक पहले इसका सेवन न करें, इससे अनिद्रा और वजन बढ़ सकता है।

ग्रीन कॉफी बनाने के तरीके

पहला तरीका

एक टीस्पून ग्रीन कॉफी बीन्स को रात भर 1 ग्लास पानी में भिगो दें। सुबह इस पानी को ग्रीन टी या कॉफी की तरह उबालें। इसमें शुरुआत में शहद मिला सकते हैं, लेकिन बाद में इसे फीका ही पीना शुरू करें, तभी आपको इसका फायदा मिलेगा।

दूसरा तरीका

ग्रीन कॉफी बीन्स को थोड़ी देर धूप में रखें। ग्राइंडर में बारीक पीस लें। इस पाउडर को तेज उबलते पानी में 2 मिनट तक बॉयल कर छानकर पिएं।

क्या है ग्रीन कॉफी बीन्स?

कॉफी के पौधे से हरे रंग के बीजों को लेकर पहले उन्हें रोस्ट किया जाता है। फिर इसे पीसकर कॉफी बनाई जाती है। इस प्रक्रिया से कॉफी का रंग हरा से बदलकर हलका या गहरा भूरा हो जाता है और स्वाद भी बढ़ जाता है, लेकिन कॉफी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट जैसे गुणकारी तत्व खत्म हो जाते हैं।

सही समय पर पीना जरूरी

इसे डाइट का हिस्सा बनाने से पहले यह समझ लें कि ऐसा न करें कि जब मन किया तभी इसे पी लिया, जो सही नहीं है। ग्रीन कॉफी को सुबह खाली पेट पिएं। इस समय पीने से इसका असर तेजी से होता है। दोपहर से आधा घंटा पहले या फिर खाने के एक घंटे बाद ही इसे पिएं। पेट खराब है तो इसका सेवन न करें। अगर ग्लूकोमा है तो इसके सेवन से बचें।

लेफ्टी या राइटी: कौन से लोग होते हैं ज्यादा बेहतर?

पश्चिमी देशों में केवल 10 फीसदी ही लोग लेफ्टी यानी बाएं हाथ से काम करना पसंद करते हैं। इसके साथ ही अलग-अलग कार्यों के लिए अलग-अलग हाथों का प्रयोग करने वाले या समान कौशल के साथ दोनों हाथों का उपयोग करने वाले लोग असामान्य हैं। अगर आप भी लेफ्टी हैं या राइटी हैं तो यह खबर आपके लिए है। वैज्ञानिकों ने इस बात पर से पर्दा उठाया है कि इन दोनों में से कौन से लोग अधिक बेहतर होते हैं?

राइट हैंडेड यानी दाहिने हाथ से काम करने वाले लोगों का प्रभुत्व दुनिया भर में कायम है और ऐसा प्राचीन काल से होता चला आ रहा है, लेकिन हमें इस बात का पता कैसे चले? शोधकर्ताओं ने प्राचीन काल के कंकालों के हाथ की हड्डियों और उस काल के दौरान पहने जाने वाले कपड़ों का आकलन कर इस बात का पता लगाया है।

वैज्ञानिक लंबे अरसे से जानते हैं कि हैंडेडनेस (दाएं और बाएं हाथ का प्रयोग करने वाले लोग) आंशिक रूप से जीन द्वारा निर्धारित किए जाते हैं, लेकिन 2019 तक उन्होंने लेफ्ट और राइट हैंडर्स के डीएनए के भागों में अंतर नहीं पहचाना था। अध्ययन में पाया गया कि लेफ्टी लोगों के मस्तिष्क का दाहिना और बायां हिस्सा एक के साथ एक मिलकर बेहतर तरीके से काम करता है। यह दोनों हिस्से भाषा के कार्य की प्रक्रिया को चलाने का काम करते हैं, लेकिन अभी इस बात की तसदीक नहीं हो पाई है कि क्या लेफ्ट हैंडर्स राइट हैंडर्स के मुकाबले अधिक धाराप्रवाह तरीके से बोलने में सक्षम होते हैं। अध्ययन में यह भी बात सामने आई है कि लेफ्ट हैंडर्स छात्र स्कूल में अधिक संघर्ष करते हैं और उनमें अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिस्ऑर्डर (ADHD) के लक्षण पाए जाते हैं। यह बात उन लोगों के लिए विशेष रूप से सच हो सकती है, जो काम करते वक्त दोनों हाथों का प्रयोग करते हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि वे बच्चे, जो बार-बार अपने दोनों हाथ आगे-पीछे करते रहते हैं, उनमें डिसलेक्सिया होने की संभावना भी दोगुनी हो जाती है। हालांकि शोधकर्ता अभी इस बात का पता नहीं लगा पाए हैं, लेकिन उन्हें संदेह है कि दोनों हाथों का प्रयोग करने वाले लोग जब ज्यादा बार एक ही हाथ का प्रयोग करते हैं तो उनमें निरंतर लेफ्ट हैंड का प्रयोग करने वालों की तुलना में ज्यादा दिक्कत झेलनी पड़ती है।

क्या लेफ्टी होते हैं ज्यादातर सुपीरियर?

आपके मस्तिष्क का दाहिना हिस्सा आपके शरीर के बाएं हिस्से की मांसपेशियों को कंट्रोल करता है और काफी हद तक आपकी संगीत और स्थानिक क्षमताओं को बढ़ाता है। यही कारण है कि लेफ्ट हैंडर्स लोग अक्सर रचनात्मक प्रोफेशन का हिस्सा होते हैं। मिरर राइटिंग, जिसमें अक्षर पलट जाते हैं और उन्हें पीछे की तरफ से लिखा जाता है यह लगभग लेफ्ट हैंड वाले लोग ही कर पाते हैं। कुछ अध्ययनों में यह बताया गया है कि लेफ्ट हैंड वाले बच्चे मुंह से पूछे गए सवालों में अधिक अंक लाते हैं। जबकि कुछ अध्ययन में यह गलत पाया गया है।

इतिहास राइटी को मानता है शक्तिशाली

विज्ञान भले ही लेफ्टी को सुपीरियर मानता हो, लेकिन साहित्य लेफ्ट हैंडर्स के हमेशा खिलाफ रहा है। मध्य युग में दानवों को लेफ्टी माना जाता था। जापान, चीन और अन्य एशियाई देशों में लेफ्ट हैंडर्स की संख्या पश्चिमी देशों के मुकाबले बहुत कम है। 1900 की शुरुआत में अमेरिकी शिक्षकों और डॉक्टर्स का मानना था कि लेफ्ट हैंडर्स में मानसिक विकारों से ग्रस्त होने की संभावना अधिक होती है और इसलिए वहां छात्रों को सीधे हाथ के बजाए उल्टे हाथ का प्रयोग करने के लिए कहा जाता था।

सेहत

साइनस इंफेक्शन होने पर एक टुकड़ा लहसुन आएगा काम

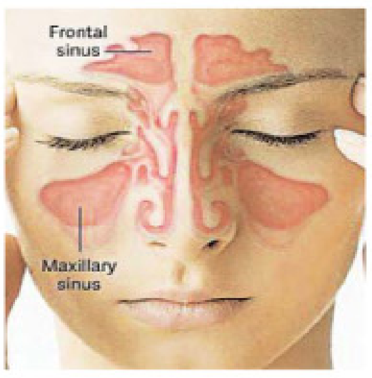

साइनस इंफेक्शन जिसे साइनसाइटिस या राइनोसिनिटिस के रूप में भी जाना जाता है, वास्तव में साइनस की सूजन है जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इनके लक्षणों में भरी हुई या बहती हुई नाक, बुखार, सिरदर्द, गले में खराश या खांसी आदि होती है। साइनस संक्रमण एक आम स्वास्थ्य समस्या है और ठंड के मौसम में लोगों को इस समस्या का अधिक सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं, साइनसाइटिस होने पर व्यक्ति को अपने दैनिक कार्य करने में भी परेशानी होती है। हालांकि अधिकतर लोग यह समस्या होने पर दवाई लेते हैं, लेकिन हर बार दवाई लेना अच्छा विचार नहीं है। इससे आपको कुछ समय के लिए भले ही राहत मिल जाए, लेकिन लंबे समय में आपको इन दवाईयों के नुकसान ही झेलने पड़ते हैं। ऐसे में आप अपने किचन से ही साइनस का इलाज ढूंढ सकते हैं।

बनाएं नोड़ ड्रॉप

लहसुन की मदद से आप नोड़ ड्रॉप बनाकर अपनी नाक में डाल सकते हैं। इससे आपको काफी राहत महसूस होगी। नोड़ ड्रॉप बनाने के लिए आधा कप डिस्टिल्ड वॉटर लेकर उसमें एक लहसुन की कली को कुचलकर डालें और कुछ घंटों के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। अब पानी को छान लें, ताकि पानी में लहसुन के टुकड़े न रह जाएं। अब इस पानी को आई ड्रॉपर में डालें और अब लेटकर इसकी एक-एक बूंद अपनी नाक में डालें। इसी तरह, कुछ देर लेटे रहें। आप दिन में एक बार यह उपाय अपना सकते हैं। हालांकि शुरू में इसमें थोड़ी जलन होती है, लेकिन यह जलन जल्द ही ठीक हो जाती है।

यह भी है तरीका

अगर आप लहसुन को बतौर नोड़ ड्रॉप इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं या आपको अधिक जलन हो रही है तो आप अन्य तरीकों से भी लहसुन का इस्तेमाल कर सकते हैं और साइनस इंफेक्शन को दूर कर सकते हैं। जैसे-

- आप लहसुन की एक या दो कली को छीलकर और धोकर उसे कच्चा खा सकते हैं।
- लहसुन की कली को छीलकर एवं धोकर उसे क्रश करें। अब इसमें गर्मागर्म पानी मिलाएं और पानी के हल्का ठंडा होने पर सिप-सिप करके इसे पिएं।
- पांच से सात लहसुन की कलियों को पानी में आठ-दस मिनट के लिए सोक करें। अब इसे क्रश करके फाइन पेस्ट बनाएं। अंत में इस पेस्ट को अपनी नाक के पास ले जाएं और इन्हेल करें। इससे भी आपको काफी आराम महसूस होगा और बंद नाक भी खुलेगी।
- आप लहसुन की मदद से स्टीम भी ले सकते हैं। इसके लिए पहले आप किसी बर्तन में पानी डालकर उबालें। अब इसमें लहसुन की कली को क्रश करके डालें और गैस बंद कर दें। अब एक तौलिए की मदद से अपने सिर को कवर करते हुए स्टीम लें। यह तरीका साइनस इंफेक्शन में बेहद प्रभावी तरीके से काम करता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पूरा कर लेने का दिन है। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2659

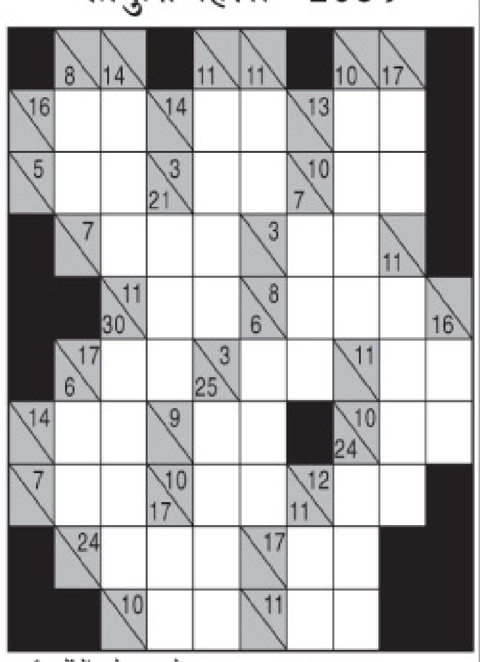

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

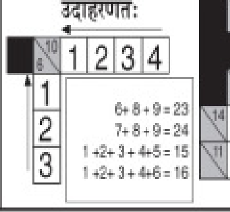

काकुरो - 2658 का हल

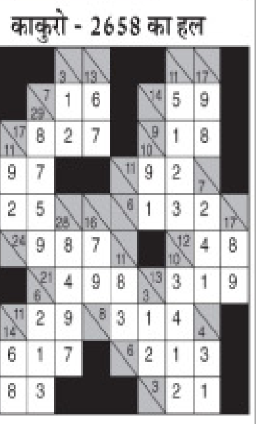

हंसी के फूव्वारें

दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?
रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.
दारोगा (रमेश से)- अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?
रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.
संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?
महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.
पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'
दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?
मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.
राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.
मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 2659

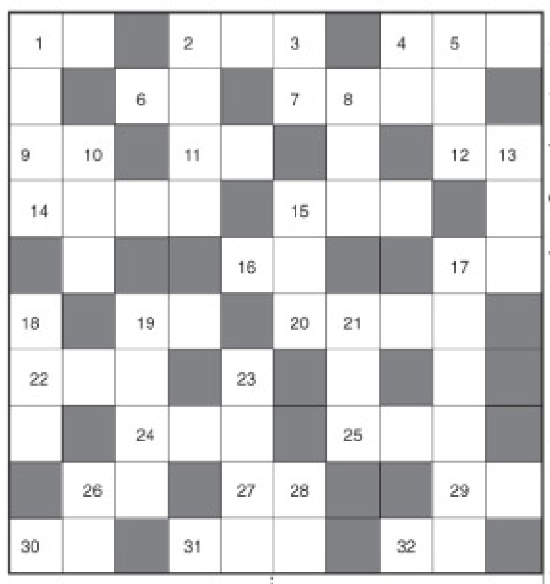

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'डपली वाले डपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी साँस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2658

सूडोकु -2659

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7					2	
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2658 का हल

शब्द पहेली - 2659

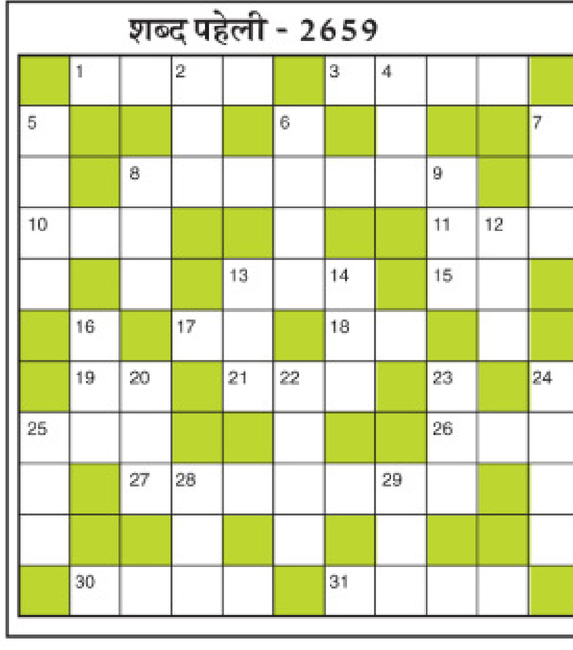

बाएँ से दाएँ

1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति, काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर, पराया, दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष, रूम-3
26. ठिकाना, नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2. तरुणाई, लड़कपन-3
4. सहायता, आधार-3
5. बीताना, यापन करना-4
6. दिखावा, पाखंड-4
7. जरुरत, स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध, लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर, सवेरा-3
24. सना हुआ, तर-4
25. छल, धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली -2658 का हल

पंडित धीरेंद्र शास्त्री की सनातन हिंदू एकता यात्रा में शामिल हुए संजय दत्त और द ग्रेट खली, पदयात्रा पहुंची यूपी

एजेंसी

छतरपुर। सनातन हिंदू एकता यात्रा 5वें दिन उत्तर प्रदेश पहुंची। यात्रा में फिल्म अभिनेता संजय दत्त और द ग्रेट खली शामिल हुए। संजय दत्त ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री को छोटा भाई बताते हुए कहा कि ये मुझे कह दें कि संजू बाबा मेरे साथ ऊपर चले चलो तो मैं चला जाऊंगा। मैं हमेशा गुरुजी के साथ हूं। वहीं गुरु जी ने कहा कि जब मैं खुद को असुरक्षित महसूस करता हूं तो संजू बाबा को याद कर लेता हूं और सुरक्षित हो जाता हूं। यात्रा में शामिल खली ने एक साधु की चोटी पककर उसे एक हाथ से उठा लिया। उन्होंने कहा कि पहले सनातन, फिर जात-पांत। सोमवार सुबह 10 बजे यात्रा की शुरुआत देवरी रेस्ट हाउस से शुरू हुई। यात्रा 22 किमी का सफर तय कर रात उत्तर प्रदेश के ग्रामोदय मऊरानीपुर में विश्राम के लिए पहुंच गई। सुबह यात्रा शुरू होते ही गायिका कविता शर्मा सांस्कृतिक मंच पर पहुंचीं और उन्होंने बुंदेली गीत दोना कहे नहीं ले लाए गीत की प्रस्तुति दी। सनातन हिंदू एकता यात्रा में शामिल होने पहुंचे बालीवुड अभिनेता संजय दत्त करीब 2 किलोमीटर तक ध्वज लेकर पैदल चले। संजय दत्त ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री को लेकर कहा कि मेरे छोटे भाई, जिन्हें मैं गुरुजी कहता हूं। ये जो काम कर रहे हैं, यह बहुत ही बड़ा काम है। इनके लिए मैं कहीं भी ख?ा हो सकता हूं और खड़ा रहूंगा। इन्होंने अगर मुझे कह दिया कि संजू बाबा मेरे साथ ऊपर भी चले चलो तो मैं चला जाऊंगा।

प्रधानमंत्री का 29 नवंबर का विशाखापत्तनम दौरा रद्द

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश में चक्रवात की चेतावनी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 29 नवंबर का विशाखापत्तनम दौरा रद्द हो गया है। मोदी यहा कई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले थे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी है कि चक्रवात की चेतावनी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशाखापत्तनम दौरा रद्द कर दिया गया है। प्रधानमंत्री 29 नवंबर को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में अनाकापल्ली पुदीमदका में एनटीपीसी ग्रीन हाइड्रोजन हब की आधारशिला रखने के कई रेलवे परियोजनाओं और राष्ट्रीय राजमार्गों को राष्ट्र को लोकार्पण करने वाले थे। इसके अलावा स्थानीय एयू इंजीनियरिंग कॉलेज के मैदान पर एक जनसभा को भी संबोधित करना था।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने की संभल हिंसा की न्यायिक जांच की मांग

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने संभल हिंसा की निंदा की है। जमाअत के उपाध्यक्ष मलिक मोतसिम खान ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के संभल में गोलीबारी में निर्दोष मुस्लिम युवकों की जान चली गई। हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं। देश के हर नागरिक को चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का हो, सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। खान ने कहा कि मस्जिद समिति का पक्ष सुने बिना सर्वेक्षण का आदेश देने का निर्णय न्यायिक निष्पक्षता में गंभीर चूक को दर्शाता है। जमाअत के उपाध्यक्ष ने कहा कि हम घटना की न्यायिक जांच की मांग करते हैं ताकि जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय हो सके और पीड़ितों को न्याय मिल सके। यह आवश्यक है कि धार्मिक स्थलों को 1947 के अनुरूप संरक्षित रखने वाले 'इबादतगाह अधिनियम 1991' को बरकरार रखा जाए तथा इसके मूल भाव को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का विरोध किया जाए। खान ने कहा कि हम जनता से आग्रह करते हैं कि वे शांत रहें, प्रतिशोध से बचें और इस कठिन समय में संयम बरतें। हम सभी न्यायप्रिय नागरिकों से अपील करते हैं कि वे इस अन्याय और देश में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के प्रयास के खिलाफ आवाज उठाएं।

केंद्र सरकार संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए कल से शुरू करेगी खास अभियान

नई दिल्ली। संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में केन्द्र सरकार पूरे एक साल चलने वाले कार्यक्रम की मंगलवार से शुरुआत करने जा रही है। 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' अभियान के तहत आयोजित किए जाने वाले इस कार्यक्रम की शुरुआत मंगलवार को पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल और संविधान सदन में कार्यक्रम से होगी, जिसको राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संबोधित करेंगी। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीय मंत्रियों के साथ संसद के दोनों सदन के सदस्य मौजूद रहेंगे। नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेसवार्ता में केंद्रीय कानून और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि भारत सरकार पूरे साल संविधान दिवस मनाने की तैयारी कर रही है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को संविधान मसौदा समिति के बारे में शिक्षित करना है, जिसमें डॉ. बीआर अंबेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका के साथ 15 महिला मसौदाकारों के योगदान पर जोर दिया जाएगा। जागरूकता फैलाने के लिए गांवों में पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि संविधान और डॉ. बीआर अंबेडकर का सम्मान हमेशा से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन का मूल सिद्धांत रहा है। मेघवाल ने कहा कि इस प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में वार्षिक उत्सव मनाने की शुरुआत की। इस साल संविधान को अपनाए जाने के 75 साल पूरे हो रहे हैं और इस ऐतिहासिक दिन को हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान अभियान के तहत साल भर की गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा।

इंदौर में यूरेशियन समूह की 41वीं प्लेनरी बैठक शुरू, विभिन्न देशों के 150 से अधिक प्रतिनिधि हुए शामिल

एजेंसी

इन्दौर। मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए यूरेशियन समूह (ईएजी) की 41वीं प्लेनरी बैठक और कार्यकारी समूह की बैठक 25 से 29 नवम्बर तक इंदौर में आयोजित हो रही है। बैठक का शुभारंभ हुआ। स्वागत सत्र में मध्य प्रदेश शासन के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और ईएजी के अध्यक्ष और रोसफिनमॉनीटरिंग के निदेशक यूरी चिकाचेन ने भाग लिया। इस बैठक में यूरेशियन क्षेत्र के विभिन्न देशों और पर्यवेक्षक देशों जैसे अमेरिका, जापान, यूएई, आर्मेनिया आदि के 150 से अधिक प्रतिनिधि, कार्यकारी समूह विचार-विमर्श हेतु भाग ले रहे हैं। भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव और भारतीय प्रतिनिधिमंडल के

प्रमुख विवेक अग्रवाल ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और राज्य और जिला प्रशासन के गणमान्य व्यक्तियों का प्रतिनिधियों से परिचय कराया। उद्घाटन सत्र में अपने भाषण में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण के खिलाफ लड़ाई में भारत द्वारा की गई प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की और इस सफलता का श्रेय भारत के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को दिया। सांसद लालवानी और महापौर भार्गव ने इंदौर शहर में प्रतिनिधियों का स्वागत किया और उन्हें शहर की ऐतिहासिक और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया।

इसके बाद भारत के धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण विरोधी उपायों के पारस्परिक मूल्यांकन की रिपोर्ट को ईएजी के कार्य समूह में पेश किया गया और उस पर चर्चा की गई। भारत का पारस्परिक मूल्यांकन वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ), एशिया प्रशांत धन शोधन समूह (एपीजी) और ईएजी के सदस्य देशों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इस रिपोर्ट को पहले जून 2024 में सिंगापुर में आयोजित एफएटीएफ प्लेनरी के दौरान और सितंबर 2024 में अबू धाबी में आयोजित एपीजी प्लेनरी के दौरान अपनाया गया था।

पेन 2.0 परियोजना को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार सरकारी एजेंसियों की सभी डिजिटल प्रणालियों के लिए एक सामान्य पहचान के रूप में पैन कार्ड के उपयोग को सक्षम बनाने के लिए पेन 2.0 परियोजना लाई है। परियोजना के लिए 1435 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पैन को अपग्रेड करने के लिए पैन धारकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने आयकर विभाग की पैन 2.0 परियोजना को आज मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि पैन 2.0 परियोजना करदाता पंजीकरण सेवाओं से जुड़ी प्रौद्योगिकी को बदलेगी। इससे बेहतर गुणवत्ता के साथ पहुंच में आसानी और त्वरित सेवा वितरण संभव होगा। सत्य और डेटा संगतिका एकल स्रोत तैयार होगा। आसान प्रक्रियाएँ और लागत अनुकूलन होने के साथ अधिक सुरक्षित बुनियादी डिजिटल ढांचा

तैयार होगा। उन्होंने बताया कि यह मौजूदा पैन/टैन 1.0 पारिस्थितिकी तंत्र का अपग्रेड होगा जो मुख्य और गैर-मुख्य पैन/टैन गतिविधियों के साथ-साथ पैन सत्यापन सेवा को समेकित करेगा।

उज्जैन में धूमधाम से निकली भगवान महाकाल की राजसी सवारी

एजेंसी

उज्जैन। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल की कार्तिक-अगहन मास में निकलने वाली सवारियों के क्रम में अंतिम राजसी सवारी निकाली गई। इस दौरान अवंतिकानाथ ने चांदी की पालकी में सवार होकर नगर का भ्रमण किया और अपनी प्रजा का हाल जाना। सवारी के दौरान भगवान महाकाल ने मनमहेश और चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिए। महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि श्रावण-भाद्रपद माह की तरह महाकाल की ??कार्तिक-अगहन माह में भी सवारियां निकालने की परंपरा है। भगवान महाकाल की राजसी निकाली गई। सवारी निकलने के पूर्व शाम करीब चार बजे महाकालेश्वर मंदिर के सभामण्डप में भगवान चंद्रमौलेश्वर का विधिवत पूजन अर्चन किया गया। पूजन शासकीय पुजारी घनश्याम शर्मा द्वारा किया गया। पूजन में मन्दिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर नीरज सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, मन्दिर प्रशासक गणेश धाकड़ सहित गणमान्यजन, पूजारी गण, पुरोहित गण आदि सम्मिलित हुए। इसके बाद भगवान चंद्रमौलेश्वर को रजत पालकी में विराजमान करवाया गया। भगवान महाकाल के मनमहेश और चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिए। सवारी में पुलिस बल, सशस्त्र पुलिस जवान, पुलिस बैंड, पुलिस के घुड़सवार दल, पंडे-पुजारी व

विधिवत पूजन-अर्चन के बाद सभामडप से भगवान महाकाल की सवारी राजसी ठाट-बाट के साथ रवाना हुई। सवारी जैसे ही मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, पालकी में विराजित भगवान को पुलिस के जवानों द्वारा सलामी दी गई। तत्पश्चात भगवान महाकालेश्वर अपनी प्रजा का हाल जानने भ्रमण पर निकले। इस दौरान भक्त शामिल रहे। सवारी गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी होते हुए शाम करीब छह बजे रामघाट पहुंची, जहां जीवनदयिनी मां शिप्रा के जल से भगवान महाकाल का अभिषेक- पूजन किया गया। अंतिम राजसी सवारी होने के कारण महाकाल के दर्शन करने के लिए ज्यादा भीड़ रामघाट क्षेत्र में रही।

कूनों में मादा चीता 'निर्वा' ने दिया शावकों को जन्म, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

एजेंसी

श्योपुर/भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान से एक बार फिर खुशखबरी आई है। यहां दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता 'निर्वा' ने शावकों को जन्म दिया है। जिसके बाद कूनो में एक बार फिर चीतों का कुनबा बढ़ गया है।

हालांकि, अभी शावकों की संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने चीता स्टेट मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता निर्वा द्वारा शावकों को जन्म देने पर प्रोजेक्ट के संरक्षण में सम्मिलित सभी वनकर्मियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि कूनो में खुशियां आई हैं और किलकारियां गूंजी हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया है कि आज चीता प्रोजेक्ट में मध्य प्रदेश को बड़ी उपलब्धि मिली है। जल्द ही वन विभाग की तरफ से शावकों की संख्या की पुष्टि का कार्य भी संपन्न होगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि वनकर्मी निरंतर अपने समर्पित प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण एवं पारिस्थितिकी संतुलन में अपना महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित करते

रहें। वन विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कूनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता 'निर्वा' ने चार शावकों को जन्म दिया है। इसके बाद कूनो में अब चीतों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। इसमें 12 शावक शामिल हैं। यह वन विभाग के लिए एक बड़ी कामयाबी है, क्योंकि इससे भारत में चीतों को फिर से बसाने की महत्वाकांक्षी योजना की सफलता के रूप में भी देखा जा रहा है। गौरतलब है कि सितंबर 2022 और फरवरी 2023 के बीच नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से कुल 20 चीते भारत लाए गए थे। मादा चीता निर्वा को दक्षिण अफ्रीका से कूनो राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया था। मई 2023 में इसे पहली बार खुले जंगल में छोड़ा गया था। इसके पहले निर्वा को बाड़े में ही दूसरे चीतों के साथ रखा गया था।

भारत-ब्रिटेन साझेदारी अब लिविंग-ब्रिज, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और नॉलेज पर केन्द्रित: सीएम डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इन दिनों यूके और जर्मनी के छह दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने यूके दौरे पर लंदन में ब्रिटिश सांसदों के साथ दोपहर भोज किया। इस दौरान सांसदों से वार्ता में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ÷ब्रिटिश संसद में आज मेरी यात्रा ने एक बार फिर याद दिलाया कि हमारी लोकतांत्रिक परंपरा कितनी समृद्ध है, जैसे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं, यह साझेदारी इतिहास से भी जुड़ी है और भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत-ब्रिटेन संबंध अब लिविंग-ब्रिज हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोपहर भोज के आमंत्रण को स्वीकार कर समय निकालने के लिए ब्रिटिश सांसदों बैरोनेस वर्मा, बॉब ब्लैकमैन, लार्ड कुलवीर सिंह रेंजर, वीरेंद्र शर्मा और बैरी गार्डनर को हार्दिक धन्यवाद देते

हुए आभार जताया। यूके यात्रा पर लंदन पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ब्रिटिश संसद के भ्रमण के बाद ब्रिटिश सांसदों के साथ दोपहर भोज किया। इस दौरान ब्रिटिश सांसदों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी के विजन का उल्लेख किया। उन्होंने दोहराया कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन में भारत-ब्रिटेन की साझेदारी टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और नॉलेज-पार्टनरशिप पर केन्द्रित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ब्रिटिश सांसदों को बताया कि मध्य प्रदेश भारत की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था दोहरे अंकों में बढ़ रही है। मध्य प्रदेश में कृषि-व्यवसाय, ऑटोमोबाइल एवं ऑटो-कंपोनेंट, फार्मास्युटिकल और आईटी सेक्टर में निवेश और विकास की विशेष क्षमताएं मौजूद हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अतिथि सांसदों को फरवरी-2025 में भोपाल में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस संवाद से भारत और ब्रिटेन के बीच एक नई साझेदारी की ऐतिहासिक शुरुआत होगी। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ब्रिटिश संसद का भ्रमण किया। ब्रिटिश संसद पहुंचने पर ऑल-पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप ऑन इंडिया (ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट) की अध्यक्ष बैरोनेस वर्मा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैरोनेस वर्मा के साथ वेस्टमिंस्टर के ऐतिहासिक भवन ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ लॉर्ड्स और हाउस ऑफ कॉमन्स का दौरा किया।

अरुणाचल प्रदेश में हाइड्रो प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले में हीओ हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना (एचईपी) और टाटो-I जलविद्युत परियोजना (एचईपी) को मंजूरी प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले में इन परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। मंत्रिमंडल ने टाटो-I जलविद्युत परियोजना के निर्माण के लिए 1750 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दे दी है। परियोजना के पूरा होने की अनुमानित अवधि 50 महीने है। वहीं हीओ हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना (एचईपी) के निर्माण के लिए 1939 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दे दी है। परियोजना के पूरा होने की अनुमानित अवधि 50 महीने है। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि टाटो-ढ्ढ जलविद्युत परियोजना 186 मेगावाट (3 × 62 मेगावाट) की स्थापित क्षमता वाली इस परियोजना से 802 मिलियन यूनिट (रू) ऊर्जा का उत्पादन होगा। वहीं हीओ हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना (एचईपी) 240 मेगावाट (3 × 80 मेगावाट) की स्थापित क्षमता वाली इस परियोजना से 1000 मिलियन यूनिट (एमयू) ऊर्जा का उत्पादन होगा। परियोजनाओं से उत्पादित बिजली अरुणाचल प्रदेश राज्य में बिजली आपूर्ति की स्थिति को बेहतर बनाने में मदद करेगी और राष्ट्रीय ग्रिड को संतुलित करने में भी मदद करेगी।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के वर्षगांठ प्रतिष्ठा द्वादशी 11 जनवरी को मनाया जाएगा

एजेंसी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के प्रतिष्ठा द्वादशी के नाम से जाना जाएगा और पहली वर्षगांठ पौष शुक्ल द्वादशी 11 जनवरी 2024 को मनाया जाएगा। यह उत्सव तीन दिन का होगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक मणिराम दास छावनी में सम्पन्न हुई। बैठक चार ट्रस्टी उपस्थित नहीं हो पाए और भारत सरकार में विशेष सचिव आईएएस प्रकाश लोखंडे ऑनलाइन सम्मिलित हुए। बैठक में ही प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ के सिलसिले में यह तय हुआ है कि इसे प्रतिष्ठा द्वादशी के नाम से जाना जाएगा और पहली वर्षगांठ द्वादशी 11 जनवरी को है। बैठक को अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष एवं मणिराम छावनी मंहत नृत्य गोपाल दास महाराज ने किया। बैठक के बाद

में ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि भक्तों द्वारा समर्पित 940 किलो चांदी सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिन्टिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया को मेल्ट करने के लिए सौंपी गई। जिसकी गुणवत्ता उच्चतम क्वालिटी की थी, 71 नमूनों में से 64 की गुणवत्ता 90 से 98 फ़ीसदी पाई गई।उन्होंने बताया कि अर्चक प्रशिक्षण 6 माह तक कराने के बाद उनका प्रमाण पत्र दिया गया था। उन अर्चकों की नियुक्ति नियमावली बैठक में स्वीकारी गई। जिन्हें नियमावली स्वीकार होगी। उन्हें सेवा में लिया जाएगा। समस्त आर्चकों को 18 मंदिरों में चक्रीय क्रम से जाना होगा। अशौच की दशा में अर्चक स्वविवेक से कार्य से विरत रहेंगे। जिस प्रकार जन्माष्टमी पर्व हिंदी तिथि एवं पंचांग के अनुसार मनाया जाता है। उसी तरह पौष शुक्ल (कुर्म द्वादशी) को संतों का विचार है कि प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाया जाए। वर्ष 2025 में यह तिथि 11 जनवरी को होगी। इसके अलावा दूरदर्शन 18 मंदिरों की आरती के उत्तम प्रसारण की व्यवस्था स्थायी रूप से कर रहा है।परिसर में यात्री सेवा केंद्र के निकट 3000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में अपोलो हॉस्पिटल दिल्ली द्वारा हेल्थ केयर सिस्टम विकसित किया जाएगा, जिसमें अल्ट्रासाउंड आदि सुविधाएं भी रहेंगी। उन्होंने बताया कि परिसर के दक्षिणी कोने में 500 लोगों के बैठने के लिए प्रेक्षागृह अतिथि समागृह तथा ट्रस्ट का कार्यालय निर्माण के लिए महंत नृत्य गोपाल दास जी ने पत्थर का अनावरण कर शुभारंभ किया।गर्मी और वर्षा से यात्रियों को बचाने हेतु मंदिर तक अस्थायी जर्मन हैंगर लगाए गए थे। अब यहां 9 मीटर चौड़े और लगभग 600 मीटर लंबे स्थाई शेड का निर्माण होगा। जिसका कुछ हिस्सा राजकीय निर्माण निगम उत्तर प्रदेश तथा कुछ हिस्सा एलएनटी को दिया गया है। महामंत्री चंपत राय ने बताया कि निर्माण प्रगति में क्रमशः सप्त मंडल मंदिर मार्च तक शेषावतार मंदिर अगस्त तक और परकोटा अक्टूबर तक बनकर पूर्ण होगा।

मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव का रास्ता साफ, हाईकोर्ट ने याचिका वापसी की मंजूरी दी

एजेंसी

अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया है। लखनऊ हाई कोर्ट में भाजपा के पूर्व विधायक बाबा गोरखनाथ की दाखिल याचिका वापस हो गई है। 2022 में विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे शिव मूर्ति की भी याचिका वापस हो गई हैं।हाईकोर्ट ने याचिका वापसी की मंजूरी दे दी है। याचिका की बजह से उत्तर प्रदेश में हुए उप चुनाव में मिल्कीपुर में उप चुनाव रोक दिया गया था। लखनऊ हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान विपक्ष ने विरोध नहीं किया। 2022 के विधानसभा चुनाव में बाबा गोरखनाथ ने अवधेश प्रसाद के निर्वाचन को चुनौती दी थी, जिसके बाद चुनाव आयोग ने मिल्कीपुर में विधानसभा उप चुनाव

को रोक दिया था। आज याचिका वापस होने से मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया। मिल्कीपुर सीट जून से खाली है जब यहां के विधायक अवधेश प्रसाद सांसद बने थे। विधानसभा की किसी भी सीट को छह महीने तक रिक्त रखा जा सकता है। बाबा गोरखनाथ ने कहा कि उन्होंने और एक अन्य निर्दलीय उम्मीदवार ने चुनाव याचिका वापस ले ली है। हमारा उद्देश्य है कि मिल्कीपुर की जनता को जल्द से जल्द प्रतिनिधित्व मिल सके। हमें विश्वास है कि हमारी पार्टी इस सीट पर बड़े अंतर से जीत दर्ज करेगी। इस दौरान उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग याचिका वापसी का विरोध कर रहे थे, उनका सच सामने आ गया है। अधिवक्ता ने बताया कि सपा की ओर से मांग की गई थी कि याचिका वापसी से पहले सभी संबंधित पक्षों को नोटिस दिया जाए।

सभ्य समाज में जेंडर आधारित हिंसा का कोई स्थान नहीं: अन्नपूर्णा देवी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकासमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि सभ्य समाज में जेंडर आधारित हिंसा का कोई स्थान नहीं है। सुरक्षित महिलाएं ही एक उन्नत समाज और विकसित भारत का निर्माण करती हैं। आकाशवाणी के रंग भवन में महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय जागरुकता अभियान नई चेतना 3.0 की शुरुआत करते हुए अन्नपूर्णा देवी ने महिलाओं का आह्वान किया कि वे हिंसा के खिलाफ खड़ी हों, चुप्पी तोड़ें और आवाज उठाएं। इस मौके पर उन्होंने प्रतिज्ञा ली कि हम जेंडर आधारित हिंसा से मुक्त भारत

के निर्माण के लिए कदम उठाएंगे। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जनता, सरकार और प्रमुख हितधारकों से लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए कार्रवाई योग्य कदम उठाने का आह्वान करना है। यह अभियान ग्रामीण विकास मंत्रालय के नेतृत्व में 'नई चेतना 3.0 अभियान' के साथ शुरू किया गया है, ताकि लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए कार्रवाई के आह्वान को व्यापक रूप से फैलाया जा सके, ताकि कोई भी पीछे न छूटे। वैश्विक स्तर पर हर साल 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक यानी महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस से मानवाधिकार दिवस तक लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए 16 दिनों का सक्रियता अभियान मनाया जाता है। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र का वैश्विक अभियान म्नो एक्सक्यूज पर महिलाओं के खिलाफ हिंसा में खतरनाक वृद्धि की ओर ध्यान आकर्षित करता है।

बाघों और जंगल की दहाड़ अब देहरादून में, वन मंत्री ने बाघ बाड़े का किया उद्घाटन

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी ने वन्यजीव संरक्षण और पर्यटन के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया। देहरादून जू में वन मंत्री सुबोध उनियाल में एक बाघ बाड़े का उद्घाटन किया, जो प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए एक अनूठा अनुभव साबित होगा। जंगल के राजा, बाघ, अब देहरादून शहर के करीब होंगे, जहां पर्यटक उनकी दहाड़, चाल और स्वाभाविक व्यवहार को करीब से देख सकेंगे। यह पहल न केवल वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देगी, बल्कि उत्तराखंड को पर्यावरणीय पर्यटन का नया केंद्र बनाएगी। इस अवसर पर वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि बाघ संरक्षण केवल वन्यजीवों को बचाने का कार्य नहीं है, बल्कि यह हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित बनाए रखने और हमारी आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरणीय धरोहर सौंपने का एक प्रयास है। उन्होंने यह भी बताया कि यह बाड़ा केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (ष्टं) के निर्देशों और मानकों के अनुरूप बनाया गया है। बाघ बाड़ा 20 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है, जो पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव देगा। यह न केवल वन्यजीव संरक्षण का प्रतीक है, बल्कि उत्तराखंड को देश और दुनिया में पर्यटन के एक नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। इस बाड़े में फिलहाल दो नर बाघों को रखा गया है। ये दोनों बाघ राज्य के विभिन्न हिस्सों से बचाए गए थे और पहले कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के ढेला रेस्क्यू सेंटर में रखे गए थे। प्रथम बाघ- उम्र 6 वर्ष 9 माह। द्वितीय बाघ- उम्र 4 वर्ष 9 माह। इन बाघों को 26 फरवरी 2024 को मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक की अनुमति के बाद देहरादून जू लाया गया था। अब ये बाघ पर्यटकों के लिए एक बड़ा आकर्षण होंगे। उत्तराखंड देश में बाघों की संख्या के मामले में तीसरे स्थान पर है। बाघ संरक्षण की दिशा में यह कदम राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। देहरादून जू में बाघ बाड़े के खुलने से न केवल पर्यटक यहां आएंगे, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता के प्रति जन जागरूकता भी बढ़ेगी।

स्लिप डिस्क

ऑपरेशन टेबल पर ही दर्द से राहत

आधुनिक काल में जहां हर क्षेत्र में मानव ने विकास किया है और सफलता के झंडे गाड़े हैं वहीं बीमारियों का शिकार होने में भी शत प्रतिशत सहयोगी बना है। अगर आज के समय में बीमारियों या शरीर के विकारों की बात की जाए तो गिनती शायद कम पड़ जाएगी मगर शरीर के विकार खत्म नहीं हो पाएंगे और इस भागती दौड़ती जिंदगी में हमारा शरीर न जाने किन-किन विकारों की चपेट में आ जाता है। आज लगभग हर आदमी को अपने जीवन काल में कमर दर्द का अनुभव होता है। अब लोगों के लिए कमर दर्द भी एक बहुत बड़ी कष्टदायक समस्या बनी हुई है और अब ये दुनिया में एक महामारी का रूप लेता जा रहा है। आज हर उम्र के लोग इससे परेशान हैं और दुनिया भर में इसके सरल व सहज इलाज की खोज जारी है।

मनुष्य के शरीर में कमर को सबसे मजबूत भाग माना जाता है व हमारी कमर की बनावट में हड्डियां, कार्टिलेज(डिस्क), जोड़, मांसपेशियां, लिगामेंट व नसें आदि सभी शामिल हैं। इनमें से किसी के भी विकारग्रस्त होने पर कमर दर्द उत्पन्न हो सकता है। मैकेनिकल कारणों के साथ टीबी से लेकर कैंसर तक कोई भी कारण दर्द पैदा कर सकता है। कमरदर्द का शिकार पुरूषों से अधिक महिलाएं होती हैं जिसका मुख्य कारण होता है कमर की मांसपेशियों की कमजोरी। इसका दूसरा कारण है कमर की हड्डियों के जोडों में विकार है। कमर दर्द से जुड़ी बीमारियों के प्रायन्लक्षण हैं-पैरों का सुन्न होना, भारी या कमजोरी का एहसास होना,पेशाब में परेशानी, चलने पर पैरों के दर्द का बढना, झुकने या खांसने पर पूरे पैर में करंट जैसा लगना आदि। कई बार रोगियों की चाल शराबियों जैसे लडखड़ाती चाल हो जाती है। कमर दर्द के कई मुख्य कारण है। ये सभी कारण कई रीढ़ संबंधी बीमारियों को जन्म देती है जैसे-स्पोंडिलाइटिस, सर्वाइकल, टी.बी, कमर में ट्यूमर, स्प्लिड डिस्क आदि। स्लिप डिस्क इसमें से एक बहुत ही गंभीर समस्या बन गई है।

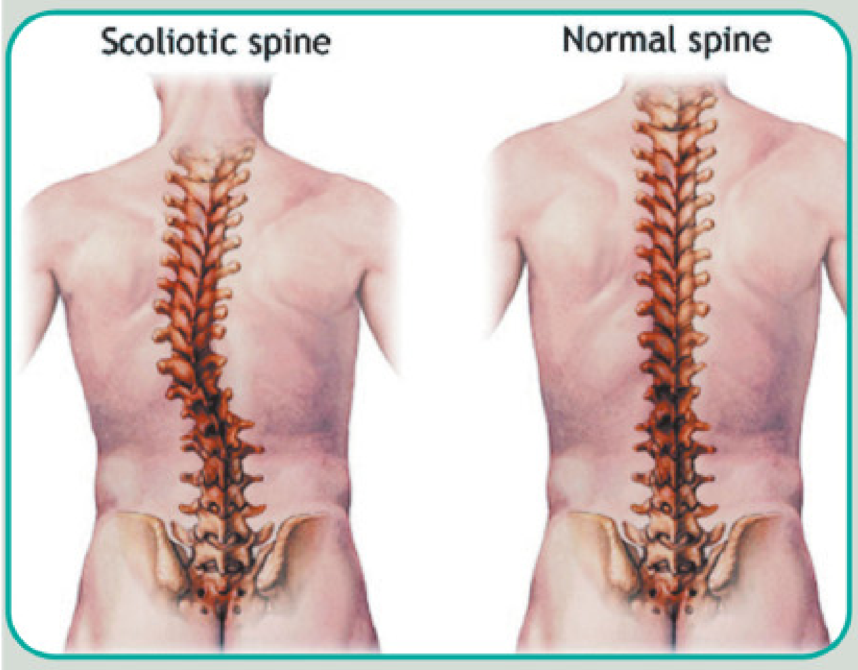

दरअसल स्लिप डिस्क ऐसी बीमारी है जिसे समझने के लिए रीढ़ के बनावट के बारे में जानना जरूरी है। हमारी रीढ़ की हड्डी प्राय= 33 हड्डियों के जोड़ से बनती है और प्रत्येक दो हड्डियां आगे की तरफ एक डिस्क के द्वारा और पीछे की तरफ दो जोड़ों के द्वारा जुड़ी रहती है। यह डिस्क प्रायन्रबड़ की तरह होती है जो इन हड्डियों को जोडने के साथ-साथ उनको लचीलापन प्रदान करती है। तो इन्हीं डिस्क में उत्पन्न हुए विकारों को कहते हैं स्लिप डिस्क और कमर दर्द से जुड़ी बीमारियों की पहचान है। कमर से लेकर पैरों में जाता हुआ दर्द जिसके साथ ही साथ पैरों का सुन्न या भारी होना या चीटियां चलने जैसा एहसास भी हो सकता है। आगे चलकर दर्द के मारे चलने में असमर्थ और कई बार लेटे-लेटे भी कमर से पैर तक असहनीय दर्द होता रहता है। स्लिप डिस्क का रोग कमर के अलावा गर्दन में भी हो सकता है। अभी तक पुराने स्लिप डिस्क के ऑपरेशन से लोग काफी भयभीत थे, क्यों कि इसमें नसों के कट जाने व अपाहिज हो जाने का डर रहता था। इस बीमारी से निजात पाने के लिए कई शोध किए जा रहे हैं तथा नई-नई आधुनिकताओं ने व कई प्रयोगों ने बहुत सी नवीन तकनीकों को जन्म दिया है मिनिमली इंवेसिव स्पाइन सर्जरी को %की होल सर्जरी' के नाम से भी जाना जाता है जिस में एक पतली दूरबीन जैसे एक यंत्र जिसे %एंडोस्कोप' कहा जाता है इस्तेमाल की जाती है जो कि एक छोटे से चीरे के द्वारा अंदर डाली जाती है। एंडोस्कोप एक छोटे वीडियो कैमरे से जुड़ा होता है जो कि मरीज के शरीर के अंदर की सभी गतिविधियों को ऑपरेशन के कमरे में रखे टीवी की स्क्रीन पर प्रदर्शित क रता है। एक या अधिक अतिरिक्त आधा इंच के चीरे के द्वारा फिर से एक छोटी शल्यक्रिया यंत्र डाला जाता है। कुछ महीनों बाद इस के निशान स्वयं दूर हो जाते है। स्लिप डिस्क के मरीज जिन्हें चाहे गर्दन से दर्द से या कमर में अब इस आसान व सुरक्षित विधि से निजात पा सकते है। यह सर्जरी केवल एक छोटे से छिद्र के द्वारा संभव हो जाती है और इसमें मरीज को बेहोश करने की भी आवश्यकता नहीं पड़ती। इस ऑपरेशन में टीवी पर देखते हुए एक चार मिलीमीटर का इंडोस्कोप सुन्न करके डिस्क में डाला जाता है और सी आर्म व टेलीविजन मॉनिटर पर 20 गुणा बड़ी तस्वीर को देखते हुए सूक्ष्म व सफल तरीके से निकाला भी जा सकता है। इस ऑपरेशन में आधे से एक घंटे का समय लगता है और मरीज को दर्द का आभास न हो इस लिए पूरे ऑपरेशन के दौरान चिकित्सक मरीज से बातचीत करता रहता है तथा स्लिप डिस्क के हटते ही मरीज को ऑपरेशन टेबल पर ही दर्द से राहत मिलने लगती है।

सही तरीके से खाएं
बादाम

बादाम सर्वाधिक पोषक तत्वों से भरपूर मेवे हैं। ये विटामिन ई तथा फाइबर का बहुत बढ़िया स्रोत हैं साथ ही इनमें प्रोटीन, कॉपर, फासफोरस, मैग्नीशियम तथा रीबोफ्लेविन भी पाए जाते हैं। बादाम से भरपूर भोजन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

- बादामों में मैग्नीशियम उच्च मात्रा में पाया जाता है। ये नींद तथा मांसपेशियों के आराम को बढ़ाते हैं। इसके साथ ही ये उन प्रोटीन्स की आर्पूति भी करते हैं जो निद्रा के दौरान ब्लड शूगर के स्तर को स्थिर करने में सहायक होते हैं। यह 'अलर्ट एड्रेनालीन साइकिल' से 'रैस्ट एंड डाइजैस्ट साइकिल' की ओर ले जाकर आपकी नींद को बढ़िया बनाते हैं।
- इससे हृदय की रक्त वाहिकाएं स्वस्थ रहती हैं। रक्त में एंटीऑक्सीडैंट की मात्रा में उल्लेखनीय रूप से बढ़ौतरी होती है जिस कारण रक्तचाप बढ़ता है और रक्त प्रवाह में सुधार होता है।
- 8 बादाम के तेल में मलाई और नींबू के रस की चंद बूंदें मिलाकर त्वचा पर हल्के हाथों से मसाज करें। इसके प्रयोग से त्वचा की रंगत में निखार आता है।
- भोजन के बाद सीने में जलन होने पर अजवायन और एक बादाम दांतों से चबाकर खाएं।
- भूलने की आदत से छुटकारा पाने के लिए 9 बादाम रात को पानी में भिगो दें। सुबह छिलके उतारकर बारीक पीस कर पेस्ट बना लें और अब एक गिलास दूध गर्म करें। उसमें बादाम का पेस्ट घोल कर इसमें 3 चम्मच शहद भी डालें। दूध जब हल्का गर्म हो तब पिएं। यह मिश्रण पीने के बाद दो घंटे तक कुछ न खाएं।

मुस्कान न चुरा ले सर्दी

मौसम के बदलाव में कई बीमारियों का खतरा भी है. सर्दी-जुकाम होना तो आम बात है. हृदय रोग, अस्थमा आदि के मरीजों के लिए भी यह खतरनाक है. जरा-सी लापरवाही हाइपोथर्मिया का शिकार बना सकती है.

हाइपोथर्मियाबॉडी का वह स्टेट (अवस्था) है, जिसमें ठंड की वजह से टेंपरेचर नॉर्मल से कम हो जाता है. इसमें टेंपरेचर 35 डिग्री सेल्सियस से कम हो जाता है. इस बीमारी को टेंपरेचर के स्तर पर विभाजित किया जा सकता है. यदि बॉडी टेंपरेचर 32-35 डिग्री सेल्सियस है, तो माइल्ड हाइपोथर्मिया है. यदि 28-32 डिग्री सेल्सियस है, तो मॉडरेट और 28 डिग्री सेल्सियस से कम है, तो सीरियस हाइपोथर्मिया कहलाता है.

कैसे करता है प्रभावित

यह बीमारी बुजुर्गों को ज्यादा प्रभावित करती है. इसका कारण उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनके बॉडी सिस्टम का कमजोर हो जाना है. हाइपोथर्मिया के लक्षण इसकी गंभीरता पर निर्भर करते हैं. माइल्ड हाइपोथर्मिया होने पर रोगी के हाथ सही तरीके से काम नहीं करते हैं. इसके अलावा पेट संबंधी समस्या भी देखने को मिलती है.

मॉडरेट हाइपोथर्मिया में पीड़ित व्यक्ति में कंपकंपाहट तेज होती है, ब्लड वेसेल्स सिकुड़ जाती हैं, मरीज का रंग पीला पड़ जाता है और उंगलियां, होठ नीले पड़ जाते हैं. सीरियस हाइपोथर्मिया में कंपकंपाहट नहीं होती. इसमें मरीज को बोलने में दिक्कत, सोचने में परेशानी आदि समस्या देखने को मिलती है. यह सबसे गंभीर अवस्था है, इसमें मरीज के कई अंग काम करना बंद भी कर सकते हैं.

कैसे करें बचाव

सर्दियों में अक्सर छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी का कारण बन जाती है. हाइपोथर्मिया से बचने के लिए निम्न सावधानी जरूर बरतें-

- घर से बाहर निकलें तो शरीर का हर अंग ढक कर निकलें.
- सुबह-शाम की सर्द हवाओं से बचें.
- घर से निकलते समय खाना खाकर निकलें.
- नशीले पदार्थों का सेवन न करें.

इन रोगों का भी होता है खतरा

जुकाम और खांसी

यह समस्या बदलते मौसम में किसी को भी हो सकती है. यह समस्या एलर्जी की वजह से होती है. जुकाम-खांसी के साथ सर्दी लगने की वजह भी एलर्जी को ही माना जाता है. चिकित्सक बताते हैं कि यदि आप हेल्दी डायट लेते हैं, तो खुद को एलर्जी से बचा सकते हैं. खाने में विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स की मात्र संतुलित रखें.

फ्लू भी हो सकता है हावी

इस मौसम में वायरल इन्फेक्शन के कारण फ्लू भी आपको अपनी चपेट में ले सकता है. वायरल इन्फेक्शन में बुखार, सिरदर्द, आंखों से पानी बहना आदि लक्षण दिखाई देते हैं. वायरल इन्फेक्शन से बचने के लिए शरीर की साफ-सफाई का ख्याल रखें. इसके अलावा बाहरी खाने से परहेज करें.

क्या है उपचार

यदि व्यक्ति में हाइपोथर्मिया के लक्षण दिखाई दें रहे हैं, तो शुरुआती उपचार के तौर पर मरीज को कंबल से ढक कर रखें. जिस कमरे में मरीज को रख रहे हैं, उसका तापमान 24 डिग्री सेल्सियस हो. हीटर के माध्यम से हाइपोथर्मिया के मरीजों को गरम हवा भी दे सकते हैं. मरीज को ठंड के संपर्क में आने से बचाएं. यदि मरीज को डायबिटीज या अन्य कोई बीमारी है या हाइपोथर्मिया मॉडरेट या सीरियस लेवल का है, तो चिकित्सक से संपर्क कर उचित ट्रीटमेंट कराना चाहिए.

सर्दियों में संक्रमण से बचाता है
लहसुन

लहसुन के कई फायदे है. सर्दियों में बहुत हद तक इससे राहत मिल सकती है. इसके सेवन से शरीर के प्रतिरोधी क्षमता बढती है, दांत दर्द आदि से राहत में इसका उपयोग किया जा सकता है. आइये जानते है इसकी कुछ खास विशेषताएं-

- लहसुन के सेवन से शरीर की प्रतिरोधी क्षमता बढ़ती है. इससे किसी भी प्रकार के संक्र मण का प्रभाव शरीर पर तुरंत नहीं होता.
- ठंड के दिनों मे लहसुन के सेवन से सर्दी नहीं लगती. ठंड के दिनों में गाजर, अदरक और लहसुन का सूप बनाकर पीने से शरीर को एंटीबायोटिक्स मिलते हैं और ठंड कम लगती है.
- लहसुन के सेवन से दांतदर्द की समस्या में आराम मिलता है. लहसुन को लौंग के साथ पीसकर दांतों के दर्दवाले हिस्से पर लगाने से दर्द से तुरंत राहत मिलती है.
- गर्भावस्था के दौरान लहसुन का नियमति सेवन मां और शिशु, दोनों के स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है. यह गर्भ के भीतर शिशु के वजन को बढ़ाने में सहायक है.
- गठिया और अन्य जोड़ों के रोग में भी लहसुन का सेवन बहुत ही लाभदायक है.
- यदि रोज नियमति रूप से लहसुन की पांच कलियां खायी जाएं तो हृदय संबंधी रोग होने की संभावना में कमी आती है.
- लहसुन की पांच कलियों को थोड़ा पानी डाल कर पीस लें और इस पेस्ट में 10 ग्राम शहद मिला कर सुबह -शाम सेवन करें. इस उपाय को करने से सफेद बाल काले हो जायेंगे.
- लहसुन का तेल हथेली व पैरों के तलवों पर लगाने से मच्छर पास नहीं आते व स्किन सॉफ्ट हो जाती है.
- लहसुन के सेवन से वजन को घटाया जा सकता है, क्योंकि इसमें हमारे शरीर में बननेवाली वसा कोशिकाओं को नियमित करने की क्षमता है, जिससे वजन आसानी से घट जाता है.

कैसे पाएं स्वस्थ त्वचा

स्वास्थ्य रहने के लिए पौष्टिक भोजन को लेना बहुत जरुरी है. हर कोई चाहता है कि वह स्वस्थ्य रहे सुंदर दिखे. ऐसे में आप इन सब तरीकों को अपनाए तो आपकी सुंदरता निखरेगी और चेहरे में हमेशा चमक बनी रहेगी.

हाइड्रेट रहें - खुब पानी पीएं. हाइड्रेटेड फूड का सेवन अधिक करें. ताजी-हरी सब्जियां और रसदार फलों का सेवन बेहतर विकल्प है.

प्रोटीन का करें प्रयोग - ठंड में ऐसे पदार्थो का सेवन अधिक करें, जिनमें जिनमें एमिनो एसिड, बी 12 और विटामिन डी अच्छी मात्र मे हों. ये मांस-मछली से तो प्राप्त होते ही हैं, इसके अलावा ये बीन्स और अनेक प्रकार की दालों से भी प्राप्त होते हैं.

अच्छे फैट का करें सेवन - ओमेगा-3 से भरपूर खाद्य पदार्थ काफी लाभदायक होते हैं. इसे सालमन मछली, बादाम आदि से प्राप्त किया जा सकता है.

डैमेज त्वचा को ठीक करता है विटामिन ए = यह मछली के लिवर के तेल और सब्जियों, गाजर, मीठे आलू, लहसुन, अदरक आदि से प्राप्त होता है.

एलजिर्क स्किन रिएक्शन से बचाता है विटामिन सी = इसे सेब, लहसुन, प्याज और हरी सब्जियों से प्राप्त कर सकते हैं. स्किन रिएक्शन कम करता है क्वेरसेटिंस = इसे साइट्रस फूड, जैसे-संतरे, नीबू आदि और ग्रीन टी से प्राप्त किया जा सकता है. ड्रायनेस से बचाते हैं विटामिन बी कॉम्पलैक्स = यह आमतौर पर मछली, बादाम, अंडे, हरी पत्तीदार सब्जियों में पाया जाता है. त्वचा को सुरक्षित रखता है विटामिन इ = यह विटामिन भी मांस, मछली, अंडे, हरी पत्तीदार सब्जियों और ब्रोकली में मिलता है.

त्वचा को रिपेयर करता है जिंक - जिंक हमें कद्दू के बीज, लिवर, अंडे आदि से प्राप्त हो सकता है.

सर्दियों में तन की दुर्गंध से निजात पाने के घरेलु नुस्खे

कई बार ऐसा होता है कि सामने वाले से ऐसी दुर्गंध आती है कि उसके पास बैठना मुश्किल हो जाता है। ऐसा नहीं है कि जो लोग नहीं नहाते, उन्हीं के शरीर से दुर्गंध आती हो। कई बार नियमित तौर पर नहाने के बाद भी शरीर से दुर्गंध आती है, जिसका एक कारण तो यह भी है कि आजकल ज्यादातर लोग फील्ड वर्क करते हैं।

साधारण या ब्रांडेड डियोडोरैंट कुछ समय से ज्यादा शरीर की दुर्गंध को दूर नहीं भगा सकता, परंतु आप अपनी रूटीन में कुछ तरीकों को शामिल कर आसानी से इस समस्या को दूर भगा सकती हैं।

खाने-पीने की आदतों पर ध्यान दें

अपने खाने में प्याज एवं लहसुन का सेवन कम कर दें। यही नहीं, मेथी भी कम ही खाएं, क्योंकि इन खाद्य पदार्थों से शरीर के सूक्ष्म छिद्रों द्वारा उनकी गंध बाहर आने लगती है, जो दूसरों को दुर्गंध लगती है। ज्यादा मसालेदार खाने से भी परहेज करें।

प्रतिदिन स्नान करें - यदि आप हर रोज स्नान नहीं करते, तो शरीर से दुर्गंध आना स्वाभाविक है। हर दिन बढ़िया क्वालिटी के साबुन से स्नान करें। गर्मियों के दिनों में तो कम से कम दो बार स्नान अवश्य करें। सर्दियों में गुनगुने पानी से स्नान करें।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में इंग्लैंड के लिए पदार्पण करेंगे जैकब बेथेल

एजेंसी

लंदन। जैकब बेथेल गुरुवार को हेगले ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में नंबर 3 पर इंग्लैंड के लिए अपना टेस्ट डेब्यू करेंगे, हालांकि उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कभी भी यह भूमिका नहीं निभाई है। जॉर्डन कॉक्स के अंगूठे में चोट लगने के बाद बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल किया गया है, जो पहले जेमी स्मिथ के पितृत्व अवकाश पर दौरे से बाहर होने के कारण डेब्यू करने वाले थे, वारविकशायर के मध्य क्रम के बल्लेबाज ओली पोप को विकेटकीपिंग करने की अनुमति देने के लिए पहले ड्रॉप पर आएंगे। जो रूट अपने 150वें मैच में नंबर 4 पर बने रहेंगे।बेथेल को इस तरह की जिम्मेदारी के पद पर चुना जाना चयनकर्ताओं द्वारा उनकी प्रतिभा के प्रति सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने घरेलू गर्मियों के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना टी20 और ओडीआई डेब्यू किया, और उस सफ़ेद गेंद के दौरे पर दोनों प्रारूपों में तीन अर्धशतक लगाकर कैरेबियाई टीम को प्रभावित किया। इसके बाद उन्होंने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने साथ 2.6 करोड़ रुपये के सौदे के साथ अपने साथ जोड़ा।

खत्म हुआ मेगा आईपीएल ऑक्शन, 639.15 करोड़ में बिके 182 खिलाड़ी

जेद्दाह। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए सऊदी अरब के जेद्दाह में दूसरे दिन नीलामी पूरी होने के साथ ही दो दिन का मेगा ऑक्शन पूरा हो गया। दूसरे दिन कुल 110 खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी टीमों ने खरीदा। इस दौरान कुछ युवा खिलाड़ियों पर पैसा बरसा, जबकि कुछ नामी-गिरामी खिलाड़ी अनसोल्ड ही रह गए। दो दिन चले इस ऑक्शन में जहां पहले दिन 467.95 करोड़ खर्च कर टीमों ने 72 खिलाड़ी खरीदे थे, वहीं दूसरे दिन 110 खिलाड़ियों को अपनी टीमों से जोड़ने के लिए फ्रेंचाइजी मालिकों ने 171..2 करोड़ रुपये खर्च किए। इस तरह कुल 182 खिलाड़ियों की बिक्री हुई, जिनके लिए 639.15 करोड़ खर्च हुए। इसमें 62 विदेशी खिलाड़ी हैं और 8 बार आरटीएम (राइट टू मैच) प्रक्रिया का सफल उपयोग किया गया। इस दौरान बिहार के 13 साल के वैभव सूर्यवंशी नीलामी में बिकने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी रहे, उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में अपनी टीम के साथ जोड़ा। जबकि विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इस साल की नीलामी के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे, उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा।आईपीएल इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी की निलामी में बिक्री के बीच कुछ चौंकाने वाले भी मामले रहे। इसमें आईपीएल की पहचान बनने वाले खिलाड़ियों के लिए किसी टीम की तरफ से बोली न लगाना रहा। इसमें प्रमुख रूप से डेविड वार्नर, केन विलियमसन, जॉनी बेयरस्टो, पृथ्वी शॉ, शार्दुल ठाकुर और डेरिल मिशेल रहे। वहीं भारत के अलावा दूसरे देशों के भी दो अनकैप्ड खिलाड़ियों की बोली लगी।

यूएसपीएल: तीसरे दिन मैरीलैंड मेवरिक्स, एनजे टाइटन्स और कैरोलिना ईगल्स ने दर्ज की जीत

फ्लोरिडा। यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीजन 3 के तीसरे दिन मैरीलैंड मेवरिक्स, न्यू जर्सी टाइटन्स और कैरोलिना ईगल्स ने अपने- अपने मैचों में जीत दर्ज की। तीसरे दिन के पहले मैच में मैरीलैंड मेवरिक्स ने न्यूयॉर्क काउबॉयज पर 10 विकेट से शानदार जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए, मैरीलैंड मेवरिक्स ने सुजीत नायक के शानदार अर्धशतक की मदद से 20 ओवरों में 169/5 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में तजिंदर सिंह और मैथ्यू ट्रॉम्प के अर्धशतकों के बावजूद भी न्यूयॉर्क काउबॉय हार से बच नहीं पाए और 9 विकेट खोकर 159 रन ही बना सके। सुजीत नायक को उनकी साहसिक पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।दूसरे मैच में न्यू जर्सी टाइटंस ने कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स को 7 विकेट से हरा दिया। जिया उल हक मुहम्मद के शानदार चार विकेट की बदौलत कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स को 125/9 के मामूली स्कोर पर रोक दिया। 126 रनों का पीछा करते हुए टाइटंस ने 33 गेंद शेष रहते आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। जिया उल हक मुहम्मद की शानदार गेंदबाजी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

टीएमयू फिजियो ओलंपिक्स चैंपियनशिप पर फायर का कब्जा

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी मुरादाबाद के डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोथेरेपी की ओर से फिट इंडिया वीक के तहत आयोजित फिजियो ओलंपिक्स चैम्पियनशिप का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। इसमें बीपीटी सेकेंड ईयर की टीम फायर ने कुल 50 मेडल्स के संग चैंपियन ट्रॉफी पर कब्जा किया, जबकि बीपीटी थर्ड ईयर की टीम वाटर 41 मेडल्स के संग सेकेंड स्थान पर रही। बीपीटी सेकेंड ईयर की टीम फायर ने महिला वर्ग की 100 मीटर, पुरुष वर्ग की 100 मीटर दौड़, कबड्डी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। समापन समारोह में एल्युमिनाई रिलेशन सेल-एआरसी के ज्वाइंट डायरेक्टर प्रो. निखिल रस्तोगी ने बतौर मुख्य अतिथि खेल और फिटनेस के महत्व पर विचार साझा करते हुए विजेता टीम फायर को चैंपियन ट्रॉफी और प्रतिभागियों को मेडल्स वितरित किए। कार्यक्रम में फिजियोथेरेपी की विभागाध्यक्ष प्रो. शिवानी एम. कौल की उल्लेखनीय मौजूदगी रही। इससे पूर्व समापन समारोह एनसीसी कैडेट्स जतिन त्यागी और शुभी अग्रवाल के मार्च पास्ट के संग प्रारम्भ हुआ। स्टुडेंट्स साहिल एंड ग्रुप ने वाद्य यंत्र से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ऋषभ पंत ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए लिखा भावुक विदाई नोट, कहा-अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मेगा-नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) में शामिल होने के बाद, ऋषभ पंत ने अपनी पूर्व टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक भावनात्मक विदाई नोट लिखा। पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ स्थित फ्रैंचाइजी ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा। दिल्ली के लिए 111 मैचों में, पंत ने 148.93 की औसत से 3,284 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 17 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 128* है। वह फ्रैंचाइज़ी के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनकी कप्तानी में, दिल्ली की टीम 2021 में प्लेऑफ़ में पहुँची, लेकिन 2022 और 2024 में लीग चरणों से आगे नहीं बढ़ सकी। पंत ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल

पर पोस्ट किया अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। पंत ने लिखा, अलविदा कभी आसान नहीं होती। दिल्ली कैपिटल्स के साथ मेरा सफर किसी अद्भुद अनुभव से कम नहीं रहा। मैदान पर रोमांच से लेकर मैदान के बाहर के पलों तक, मैं उन तरीकों से आगे बढ़ा हूं, जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं यहां एक किशोर के रूप में आया था और पिछले नौ वर्षों में साथ-साथ बड़ा हुआ।उन्होंने कहा कि प्रशंसकों ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ उनके सफर को सार्थक बनाया है। उन्होंने कहा, इस सफर को सार्थक बनाने वाले आप प्रशंसक हैं। आपने मुझे गले लगाया, मेरा उत्साहवर्धन किया और मेरे जीवन के सबसे कठिन दौर में मेरे साथ खड़े रहे।

विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहा कि वह जब भी मैदान पर उतरेंगे, प्रशंसकों का मनोरंजन करने के लिए उत्सुक रहेंगे। उन्होंने आगे कहा, जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ रहा हूं, मैं आपके प्यार और समर्थन को अपने दिल में रखता हूं। जब भी मैं मैदान पर उतरूंगा, मैं आपका मनोरंजन करने के लिए उत्सुक रहूंगा। मेरा परिवार बनने और इस सफर को इतना खास बनाने के लिए आपका शुक्रिया। पंत के बाद श्रेयस अय्यर नीलामी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने। अय्यर को पंजाब ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25: पारिवारिक आपात स्थिति के कारण स्वदेश लौटे गौतम गंभीर

एजेंसी

पर्थ। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर पारिवारिक आपात स्थिति के कारण वापस दिल्ली लौट गए हैं। वह 6 दिसंबर से एडिलेड में होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया वापस लौटेंगे। इस बीच, रोहित शर्मा की टीम बुधवार को कैनबरा जाएगी, जहां 30 नवंबर और 1 दिसंबर को मनुका ओवल में प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ मैच खेला जाएगा। गंभीर की अनुपस्थिति में सहायक कोच अभिषेक नायर, रेयान टेन डोशेट और मोर्ने मोर्कल कैनबरा में गुलाबी गेंद से होने वाले मैच के लिए टीम की कमान संभालेंगे।

यह मैच 6 दिसंबर से एडिलेड में होने वाले डे-नाइट टेस्ट से पहले खेला जाएगा। भारत ने पर्थ में पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराकर बॉर्डर-गावस्कर सीरीज की शानदार शुरुआत की। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाली मेहमान टीम पहली पारी में 150 रनों पर आउट हो गई, लेकिन

वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 104 रनों पर समेट दिया। तीसरी पारी में यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली के शतकों की बदौलत बेहतर बल्लेबाजी प्रदर्शन ने भारत के लिए शानदार जीत का मार्ग प्रशस्त किया।

जूनियर पुरुष हॉकी एशिया कप 2024 : भारतीय टीम बुधवार को थाईलैंड के खिलाफ करेगी अभियान की शुरुआत

एजेंसी

मस्कट। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम बुधवार को यहां थाईलैंड के खिलाफ अपने जूनियर एशिया कप 2024 अभियान की शुरुआत करेगी। आज से शुरू होने वाले और 4 दिसंबर 2024 तक चलने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारत को कोरिया, जापान, चीनी ताइपे और थाईलैंड के साथ पूल ए में रखा गया है।

इस प्रतियोगिता में 10 टीमें भाग ले रही हैं, पूल बी में शेष पांच टीमें पाकिस्तान, मलेशिया, बांग्लादेश, ओमान और चीन हैं। भारत ने 2023, 2015, 2008 और 2004 सहित रिकॉर्ड चार बार यह टूर्नामेंट जीता है। उन्होंने पिछले साल फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। पिछले साल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी आमिर अली और रोहित अब क्रमशः कप्तान और उप-कप्तान के रूप में टीम का नेतृत्व करेंगे। बुधवार को थाईलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत के बाद, भारत 28 नवंबर को जापान के खिलाफ मैच खेलेगा। 30 नवंबर को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबला

तय है और कोरिया के खिलाफ उनका आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 1 दिसंबर को होना है। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को 3 दिसंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष दो में जगह सुनिश्चित करनी होगीकप्तान अमीर अली ने कहा, हम पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 में अपना अभियान शुरू करने के लिए उत्साहित और पूरी तरह से तैयार हैं। हमारी टीम कड़ी मेहनत कर रही है, और हमें अच्छा प्रदर्शन करने की अपनी क्षमताओं पर भरोसा है। पूल में थाईलैंड, जापान और कोरिया जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ खेलना चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं और शीर्ष स्थान हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं, हम अपने खिताब की रक्षा करना चाहते हैं और अपने देश को एक बार फिर गौरवान्वित करना चाहते हैं। उप कप्तान रोहित ने कहा, सुल्तान जोहोर कप 2024 में हमारे तीसरे स्थान पर रहने से हमें काफी गति और आत्मविश्वास मिला है।

युगांडा ने 45 साल बाद अफ्रीका सीनियर नेशनल हैंडबॉल कप के लिए भेजी टीम

एजेंसी

कंपाला। युगांडा की महिला टीम 45 साल बाद अफ्रीका सीनियर नेशंस हैंडबॉल कप में वापसी करने के लिए तैयार है। 12 टीमों वाला यह टूर्नामेंट 27 नवंबर से 7 दिसंबर तक डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में होगा। युगांडा की महिला राष्ट्रीय हैंडबॉल टीम की कप्तान शकीरा बाको ने डीआर कांगो के लिए रवाना होने से पहले शिन्हुआ से कहा कि उन्हें बड़े मंच पर अनुभव की कमी के बावजूद अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है।

बाको ने कहा, हम जानते हैं कि प्रतिस्पर्धा बहुत कड़ी होगी क्योंकि हमारे पास अन्य टीमों की तरह अनुभव नहीं है, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की है और जानते हैं कि क्या उम्मीद करनी है। हेड कोच जिमी रेम्मी ओरोटिन ने इस बात पर जोर दिया कि 2023 में घाना में होने वाले अफ्रीकी खेलों के बाद, खिलाड़ी अधिक प्रेरित हैं और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। घाना के अकरा में 13वें अफ्रीकी खेलों में

पांचवें स्थान पर रहने के बाद युगांडा की टीम ने अफ्रीका सीनियर नेशंस कप के लिए क्वालीफाई किया। युगांडा के खेल शासी निकाय, नेशनल काउंसिल ऑफ स्पोर्ट्स के महासचिव पैट्रिक ओग्वेल ने अपनी संतुष्टि व्यक्त की कि 1979 के बाद पहली बार युगांडा की टीम अफ्रीका सीनियर नेशंस कप में भाग लेगी। ओग्वेल ने कहा, हमें विश्वास है कि टीम ने अच्छी तैयारी की है और राष्ट्रीय ध्वज को ऊंचा उठाएगी। यह चैंपियनशिप 2025 विश्व हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफायर के रूप में भी काम करती है। युगांडा को डीआर कांगो, अंगोला, ट्यूनीशिया, गिनी और कैमरून के साथ पूल बी में रखा गया है। पूल ए में कांगो गणराज्य, सेनेगल, मिस्र, अल्जीरिया, केप वर्डे और केन्या की टीमें शामिल हैं।

आईपीएल नीलामी 2025 : पहले दिन 467.95 करोड़ रुपये में बिके कुल 72 खिलाड़ी

एजेंसी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड अपने ब्राजीलियाई विंगर, विनीसियस जूनियर के बिना बुधवार को चैंपियंस लीग के महत्वपूर्ण मैच में लिवरपूल के खिलाफ खेलेगा, क्योंकि पुष्टि हुई कि रविवार को लेगानेस के खिलाफ 3-0 की जीत के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। क्लब ने अपने वेबसाइट पर एक बयान में कहा, रियल मैड्रिड मेडिकल सर्विसेज द्वारा हमारे खिलाड़ी विनी जूनियर पर किए गए परीक्षणों के बाद, उनके बाएं पैर में बाइसेप्स फेमोरिस की चोट का पता चला है। उनकी प्रगति पर नज़र रखी जाएगी, वे संभवतः लगभग तीन सप्ताह तक खेल से बाहर रहेंगे। विनीसियस अब ला लीगा में

गेटाफे, एथलेटिक क्लब बिलबाओ, गिरोना और रेयो वैलेकानो के खिलाफ और चैंपियंस लीग में अटलांटा के खिलाफ मैच नहीं खेल पाएंगे। रियल मैड्रिड के लिए अपने पिछले मैच में ओसासुना के खिलाफ हैट्रिक बनाने वाले ब्राजीलियाई खिलाड़ी का बाहर होना लिवरपूल मैच से पहले कोच कार्लो एंसेलोटी के लिए एक बड़ा झटका है। विनीसियस ने इस सीजन में ला लीगा और चैंपियंस लीग में 12 गोल किए हैं और पांच असिस्ट दिए हैं, जो गर्मियों में आने वाले किलियन एमबाप्पे से बेहतर प्रदर्शन है। शायद, विनीसियस की चोट का एक परिणाम यह है कि एमबाप्पे हमले के बाईं ओर अपने पसंदीदा स्थान पर जाने में सक्षम होंगे, क्योंकि उन्होंने सीजन का अधिकांश समय अधिक केंद्रीय भूमिका में खेलने में बिताया है।

नॉटिंघमशायर ने 2025 विटालिटी टी-20 के लिए डेनियल सैम्स के साथ किया करार

एजेंसी

लंदन। नॉटिंघमशायर ने अगले साल होने वाले विटालिटी टी-20 ब्लास्ट के लिए आस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डेनियल सैम्स के साथ अनुबंध किया है। सैम्स ने पिछले तीन सीजन में एसेक्स का प्रतिनिधित्व किया, उन्होंने ट्रेंट रॉकेट्स के लिए हंड्रेड में भी खेला है, 2022 में विजेता का पदक जीता। नॉटिंघमशायर के मुख्य कोच पीटर मूर्स ने क्लब के हवाले से कहा, हमारे लिए एक अनुभवी विदेशी खिलाड़ी को लाना प्राथमिकता थी, जो बल्ले और गेंद से योगदान दे सके। डैन इस संबंध में एकदम सही खिलाड़ी है - उसके पास एक अनूठा कौशल है जो हमारे पास पहले से ही हमारी टीम में है, और वह कप्तान के रूप में जो क्लार्क के लिए एक बड़ा समर्थन होगा। नॉटिंघमशायर ने 2020 में अपना दूसरा ब्लास्ट खिताब जीता, लेकिन तब से क्वार्टर फ़ाइनल चरण से आगे नहीं बढ़ पाया और 2024 में नॉर्थ ग्रुप में सबसे निचले स्थान पर रहा। करार पर सैम्स ने कहा, मैंने हंड्रेड के लिए ट्रेंट ब्रिज में अपने समय का वास्तव में आनंद लिया, इसलिए यह वास्तव में अच्छा है कि मैं नॉट्स के साथ ब्लास्ट के लिए वापस आऊंगा। ट्रेंट ब्रिज में खेलने का मेरा अनुभव हमेशा असाधारण रहा है - घरेलू समर्थक भावुक हैं और मैं उनके सामने खेलने के लिए उत्साहित हूं। ब्लास्ट अपने आप में एक ऐसी प्रतियोगिता है जिसे मैं पसंद करता हूं और मैं 2025 में नॉर्थ ग्रुप में खुद को परखने का मौका पाकर खुश हूं। मैं गर्मियों के पूरे जोश में आने पर अपने नए साथियों के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हूं।

जॉर्जियाई जूडो लीजेंड लाशा शवदातुशविली एथलीटों, कोचों के लिए करेंगे 5 दिनी मास्टरक्लास का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। जॉर्जियाई जूडो लीजेंड लाशा शवदातुशविली 25 से 29 नवंबर तक कर्नाटक के बेल्लारी में स्थित आईआईएस मुख्यालय में एथलीटों और कोचों के लिए पांच दिवसीय जूडो मास्टरक्लास का आयोजन करेंगे। उक्त घोषणा इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) ने की। लंदन 2012 खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली लाशा ने टोक्यो 2020 खेलों में रजत पदक जीतने से पहले रियो 2016 में कांस्य पदक जीता। उनके नाम पांच विश्व चैम्पियनशिप पदक भी है- जिनमें से दो स्वर्ण पदक हैं। भारत में होने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लाशा ने कहा, मैं भारत आना और जूडोकाओं और कोचों के साथ अपना ज्ञान साझा करना एक सौभाग्य मानता हूं, जो मेरा मानना है कि निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकेंगे और प्रदर्शन करेंगे। मुझे पता है कि इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) पिछले

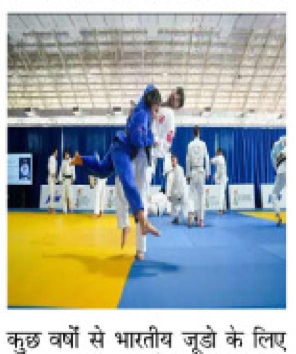

कुछ वर्षों से भारतीय जूडो के लिए बहुत कुछ कर रहा है। यह पहल उस दिशा में एक और कदम है और मुझे इसका हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। जॉर्जियाई दिग्गज अपने ज्ञान को आईआईएस में कार्यक्रम से युवा जूडोका और देश भर से चयनित प्रतिभाओं के मिश्रण के साथ साझा करते हुए दिखेंगे, चुनिंदा कोच भी इसमें शामिल होंगे। भारतीय जूडो को बहुत जरूरी प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से की गई पहल पर, आईआईएस के संस्थापक पार्थ जिंदल ने कहा, ÷जूडो शुरुआत से ही आईआईएस का हिस्सा रहा है, और जबकि देश में प्रतिभाशाली जूडोका की कोई कमी नहीं है, हमें प्रतिभा को पदकों में परिवर्तित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पेरिस ओलंपिक में भारत के पास सिर्फ एक जूडोका था, और हमें 2028 ओलंपिक में इसे बदलने के लिए काम करने की जरूरत है। हमारे जूडोका और हमारे कोचों की मदद के लिए लाशा जैसे कद के एक एथलीट को भारत लाना उन कई हस्तक्षेपों में से एक है जो हम करने जा रहे हैं। जूडो मास्टरक्लास आईआईएस एक्सीलेंस एक्सेलेरेटर की श्रृंखला में पहला है। वर्टिकल के बारे में विस्तार से बताते हुए, आईआईएस की अध्यक्ष मनीषा मल्होत्रा ने कहा,÷एक्सिलेंस एक्सेलेरेटर को हमारे एथलीटों, कोचों और सिस्टम को शिक्षा और लाभ देने के उद्देश्य से आकार दिया गया है क्योंकि अब हम ओलंपिक 2028 पर अपनी नजरें टिकाए हुए हैं। हम अपने एथलीटों को सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं, चाहे वह बुनियादी ढांचे के मामले में हो या एक्सपोज़र के मामले में। लाशा खेल के सबसे सुशोभित एथलीटों में से एक है, और वह इन सत्रों में जो अंतर्दृष्टि लाएंगे वह अमूल्य होगा। एक्सीलेंस एक्सेलेरेटर के माध्यम से, हम जिन खेल विषयों के साथ काम करते हैं उनमें ऐसे और अधिक अवसर पैदा करेंगे।

पीकेएल-11 : अंतिम समय में मंजीत के आलराउंड प्रदर्शन से यू मुंबा ने बेंगलुरू बुल्स को हराया

एजेंसी

नोएडा ।नोएडा इंडोर स्टेडियम में रिवेंज वीक के तहत खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 76वें मैच में अंतिम 10 मिनट तक बेंगलुरू बुल्स जीत की स्थिति में दिख रहे थे लेकिन फिर मंजीत ने डिफेंस और फिर रेड में अंक लेकर मैच की तस्वीर बदल दी और फंसी हुई बाजी यू मुंबा के नाम कर दी। मुंबा ने यह मैच 34-32 के स्कोर से जीता और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई।बुल्स की तारीफ करनी होगी क्योंकि 30 मिनट तक 11 अंकों से पिछड़ रही इस टीम ने 36वें मिनट तक जाते-जाते स्कोर बराबर कर लिया और फिर लीड भी ले ली लेकिन किस्मत ने उसका साथ नहीं दिया और अंतिम रेड पर डिफेंस की गलती के कारण मैच उसके हाथ से निकल गया। इस मैच को अगर आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो दोनों टीमें रेडिंग में 16-16 और डिफेंस में 12-12 अंक के साथ बराबरी पर रहीं। मुंबा ने अच्छी शुरुआत करते हुए शुरुआती तीन मिनट में ही 5-1 की लीड के साथ बुल्स को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। सुशील ने हालांकि रिंकू को आउट कर उसे इस स्थिति से निकाला लेकिन अजीत ने नितिन को आउट कर फिर वही स्थिति बहाल कर दी। बुल्स ने हालांकि साहस दिखाते हुए न सिर्फ खुद को फिर इस स्थिति से निकाल लिया बल्कि स्कोर भी 5-7 कर दिया।शुरुआती 10 मिनट में मुंबा 8-6 से आगे थे। ब्रेक के बाद रिंकू ने सुशील को आउट कर मुंबा को 3 अंक की लीड दिला दी। 10-6 के स्कोर पर बुल्स के लिए फिर से सुपर टैकल आन था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सकी और आलआउट होकर 6-15 से पीछे हो गई। इसके बाद हालांकि दोनों टीमों को तीन-तीन अंक मिले और फासला 9 का बना रहा।

बुल्स ने हालांकि हाफटाइम से ठीक पहले स्टुअर्ट सन्नी को लपककर 10-18 के स्कोर के साथ पाला बदला। हाफ्टाइम के ठीक बाद सोमवीर ने परदीप का शिकार कर लिया और फिर मंजीत ने सनी तथा नवीन को आउट कर स्कोर 21-10 कर दिया। बुल्स ने हालांकि इसके बाद लगातार चार अंक लेकर वापसी की राह पकड़ी।इस बीच परदीप रिवाइव हुए और फिर से लपके गए। नवीन ने अजीत को लपक परदीप को फिर रिवाइव करा लिया और इश बार परदीप ने रिंकू का शिकार कर लिया। मुंबा अब चार के डिफेंस में थे जबकि बुल्स फुल हाउस मे थे। इस बीच रोहित ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ फासला 10 का किया और फिर डू ओर डाई रेड पर परदीप का शिकार कर लिया। 10 मिनट बचे थे और मुंबा 27-16 से आगे थे। ब्रेक के बाद अरुल बाबू ने हाई-5 पूरा किया और फिर सुशील ने दो अंक की रेड के साथ फासला 8 का कर दिया। अगली रेड पर सुशील फिर दो अंक लेकर लौटे और स्कोर 22-28 कर दिया। फिर डिफेंस ने मंजीत को लपक मुंबा को आलआउट की ओर धकेला और फिर परदीप ने सफाया कर स्कोर 28-27 कर दिया।

पीकेएल-11: अंतिम समय में मंजीत के आलराउंड प्रदर्शन से यू मुंबा ने बेंगलुरू बुल्स को हराया

एजेंसी

नोएडा। नोएडा इंडोर स्टेडियम में रात रिवेंज वीक के तहत खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 76वें मैच में अंतिम 10 मिनट तक बेंगलुरू बुल्स जीत की स्थिति में दिख रहे थे लेकिन फिर मंजीत ने डिफेंस और फिर रेड में अंक लेकर मैच की तस्वीर बदल दी और फंसी हुई बाजी यू मुंबा के नाम कर दी। मुंबा ने यह मैच 34-32 के स्कोर से जीता और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। बुल्स की तारीफ करनी होगी क्योंकि 30 मिनट तक 11 अंकों से पिछड़ रही इस टीम ने 36वें मिनट तक जाते-जाते स्कोर बराबर कर लिया और फिर लीड भी ले ली लेकिन किस्मत ने उसका साथ नहीं दिया और अंतिम रेड पर डिफेंस की गलती के कारण मैच उसके हाथ से निकल गया। इस मैच को अगर आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो दोनों टीमें रेडिंग में 16-16 और डिफेंस में 12-12 अंक के साथ बराबरी पर रहीं। मुंबा ने अच्छी शुरुआत करते हुए शुरुआती तीन मिनट में ही 5-1 की लीड के साथ बुल्स को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। सुशील ने हालांकि रिंकू को आउट कर उसे इस स्थिति से निकाला लेकिन अजीत ने नितिन को आउट कर फिर वही स्थिति बहाल कर दी। बुल्स ने हालांकि साहस दिखाते हुए न सिर्फ खुद को फिर इस स्थिति से निकाल लिया बल्कि स्कोर भी 5-7 कर दिया। शुरुआती 10 मिनट में मुंबा 8-6 से आगे थे। ब्रेक के बाद रिंकू ने सुशील को आउट कर मुंबा को 3 अंक की लीड दिला दी। 10-6 के स्कोर पर बुल्स के लिए फिर से सुपर टैकल आन था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सकी और आलआउट होकर 6-15 से पीछे हो गई। इसके बाद हालांकि दोनों टीमों को तीन-तीन अंक मिले और फासला 9 का बना रहा। बुल्स ने हालांकि हाफटाइम से ठीक पहले स्टुअर्ट सन्नी को लपककर 10-18 के स्कोर के साथ पाला बदला। हाफटाइम के ठीक बाद सोमवीर ने परदीप का शिकार कर लिया और फिर मंजीत ने सनी तथा नवीन को आउट कर स्कोर 21-10 कर दिया। बुल्स ने हालांकि इसके बाद लगातार चार अंक लेकर वापसी की राह पकड़ी। इस बीच परदीप रिवाइव हुए और फिर से लपके गए। नवीन ने अजीत को लपक परदीप को फिर रिवाइव करा लिया और इश बार परदीप ने रिंकू का शिकार कर लिया। मुंबा अब चार के डिफेंस में थे जबकि बुल्स फुल हाउस मे थे। इस बीच रोहित ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ फासला 10 का किया और फिर डू ओर डाई रेड पर परदीप का शिकार कर लिया। 10 मिनट बचे थे और मुंबा 27-16 से आगे थे। ब्रेक के बाद अरुल बाबू ने हाई-5 पूरा किया और फिर सुशील ने दो अंक की रेड के साथ फासला 8 का कर दिया। अगली रेड पर सुशील फिर दो अंक लेकर लौटे और स्कोर 22-28 कर दिया। फिर डिफेंस ने मंजीत को लपक मुंबा को आलआउट की ओर धकेला और फिर परदीप ने सफाया कर स्कोर 28-27 कर दिया।

पिछले पांच मिनट में बुल्स ने 2 के मुकाबले 12 अंक हासिल किए और स्कोर 29-29 कर दिया। मुंबा ने डिफेंस के दम पर खेलने का फैसला किया लेकिन सुशील ने कप्तान सुनील को बाहर कर बुल्स को आगे कर दिया। अगली रेड पर रोहित को लपक बुल्स ने मुंबा को फिर सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। इसी बीच मंजीत ने सुशील को सुपर टैकल कर मुंबा को 32-31 की लीड दिला दी। अब सिर्फ 56 सेकेंड बचे थे। मंजीत रेड पर गए लेकिन अरुल ने उन्हें उपहार में अंक दे दिया। मुंबा दो अंक से आगे थे लेकिन परदीप ने अगली रेड पर एक अंक लेकर स्कोर 32-33 कर दिया। मंजीत को अगली रेड पर बाकलाइन पार करने से रोकना था लेकिन नवीन ने एडवांस टैकल के चक्कर में एक अंक देकर मुंबा की जीत पक्की कर दी।

दूसरों की परवाह क्यों करना....

श्वेता तिवारी

के साथ शादी वाली फोटो पर सामने आया विशाल आदित्य का रिएक्शन

हाल ही में टेलीविजन एक्ट्रेस श्वेता तिवारी और विशाल सिंह आदित्य की खबरें सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा सर्कुलेट हो रही थीं. इस खबर के साथ ही दोनों की साथ में तस्वीर भी शेयर की जा रही थी, जिसमें श्वेता तिवारी और विशाल कोर्ट मैरिज करते दिख रहे थे. हालांकि, बाद में ये साफ कर दिया गया कि ये तस्वीर मॉर्फ्ड हैं. अब हाल ही में इस तस्वीर पर विशाल सिंह आदित्य ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए अपना रिएक्शन दिया है.

विशाल और श्वेता की मुलाकात 'बेगुसराय' सीरियल के दौरान हुई थी, इस शो के दौरान दोनों के बीच काफी खूबसूरत दोस्ती देखी गई. अब इस तरह की तस्वीर फैलने के बाद से विशाल ने उस पर अपना रिएक्शन देते हुए कहा कि उन्हें इस तरह की तस्वीर से कोई दिक्कत नहीं है. उन्होंने बताया कि मैं उन्हें मां बुलाता हूं और मुझे उनके साथ अपने रिश्ते के बारे में कोई भी सफाई देने की जरूरत नहीं है. आगे उन्होंने कहा कि मुझे तस्वीर देखकर हंसी आई.

मां कहकर बुलाते हैं विशाल

विशाल ने श्वेता के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात इंडिया फोरम से बात की. उन्होंने कहा कि मुझे श्वेता के साथ अपने रिश्ते के बारे में बताने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि लोगों को जो सोचना है वो सोचेंगे ही. श्वेता और मैं हमारे रिश्ते की सच्चाई के बारे में जानते हैं और इस बारे में दूसरे क्या सोचते हैं उसकी परवाह क्यों करनी. हम दोनों को जानने वाले सभी लोगों को ये पता है कि मैं उन्हें मां कहकर बुलाता हूं और एक खूबसूरत रिश्ता शेयर करते हैं.

श्वेता ने दो बार की है शादी

'बेगुसराय' से ही श्वेता तिवारी विशाल को बेटा कहकर बुलाती थी. विशाल ने तस्वीरों को देखते हुए ये भी कहा कि इस तरह की चीजें देखकर मुझे सिर्फ हंसी आती है. श्वेता तिवारी के शादी की बात करें तो, उन्होंने सबसे पहले भोजपुरी एक्टर राजा चौधरी से शादी की थी, इस रिश्ते से उनकी बेटी पलक हुई थी. हालांकि, साल 2007 में दोनों का तलाक हो गया. इसके कुछ समय बाद उन्होंने अभिनव कोहली से शादी रचाई, उनसे भी एक्ट्रेस का रिश्ता ठीक नहीं चला और दोनों अलग हो गए. दोनों का एक बेटा रेयांश है.

प्रिंस नरूला से पत्नी युविका चौधरी ने क्यों छिपाई थी बच्चे के जन्म की बात?

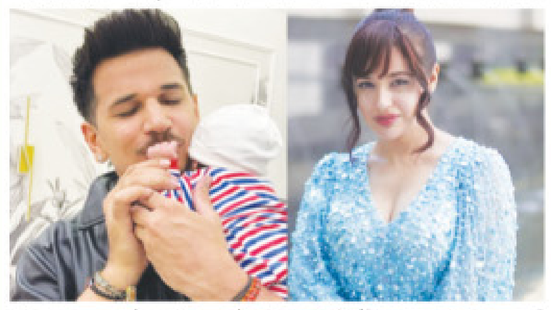

प्रिंसा नरूला और युविका चौधरी इन दिनों पैरेंट्सहुड एंजॉय कर रहे हैं. पिछले महीने ही दोनों माता-पिता बने हैं. दोनों के घर में एक नन्ही परी आई है. हालांकि, जब बेटी का जन्म हुआ तो इस बारे में प्रिंस को पता भी नहीं था. युविका ने उनसे डिलीवरी की बात छिपाई थी. इस बारे में खुद प्रिंस ने बताया है.प्रिंस ने हाल ही में एक व्लॉग वीडियो में इस बारे में बताया है. उन्होंने कहा कि डिलीवरी से पहले युविका अपने मायके में रह रही थीं. प्रिंस के पैरेंट्स पंजाब में रहते हैं और वो चाहते थि कि वो दोनों मुंबई आकर अपनी बहू की देखभाल करें. हालांकि, युविका अपने मायके में रहना चाहती थीं, इसलिए प्रिंस के पैरेंट्स मुंबई नहीं आए.

युविका ने क्यों छिपाई थी डिलीवरी की बात ?

प्रिंस ने बताया कि वो पुणे में शूटिंग कर रहे थे. उसी दौरान युविका की डिलीवरी हुई, लेकिन युविका ने उनसे पैरेंट्स बनने की बात छिपा ली, क्योंकि वो अचानक प्रिंस को सरप्राइज देना चाहती थीं. हालांकि, वो सरप्राइज दे पातीं, उससे पहले किसी और के जरिए प्रिंस को ये बात पता चल गई, जिसके बाद शूटिंग छोड़कर वो अपने बच्चे के पास पहुंच गए.

उन्होंने ये भी बताया कि उसके बाद उन्होंने अपने घर को सजाया, साथ ही पंजाब से उन्होंने अपने माता-पिता को बुलाया. वो अपनी बच्ची का घर में स्वागत करना चाहते थे. हालांकि, वो अपने बच्चे को अपने घर ला नहीं पाए. प्रिंस ने बताया कि डिलीवरी के बाद युविका की मां ने कहा कि वो अपनी बेटी को अपने साथ ले जाना चाहती थीं और युविका फिर से अपने मायके चली गई.

बच्ची के साथ मनाया जन्मदिन

प्रिंस दिवाली पर युविका और अपनी बच्ची को अपने घर लाना चाहते थे, लेकिन उस समय युविका ने ये कहकर मना कर दिया कि पंडित ने ऐसा कहा है कि वो 45 दिनों तक घर से बाहर नहीं जा सकतीं. बहरहाल, 24 नवंबर को प्रिंस ने अपना 34वां बर्थडे मनाया. वो अपने ससुराल गए और वहां उन्होंने अपनी बच्ची के साथ अपना जन्मदिन मनाया.

एलिस कौशिक का 'पैक अप', सलमान खान के शो से हुई बाहर

बिग बॉस 18 के घर से एलिस कौशिक बाहर हो गई हैं. दरअसल एलिस कौशिक के साथ इस बार बिग बॉस 18 के घर के 6 कंटेस्टेंट शो से बाहर होने के लिए नॉमिनेट थे. इन नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट में विवियन डीसेना, शिल्पा शिरोडकर, श्रुतिका राज, करणवीर मेहरा, अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह का नाम भी शामिल था. लेकिन इन सभी कंटेस्टेंट के मुकाबले कम वोट मिलने की वजह से एलिस कौशिक को 'बिग बॉस 18' से बाहर कर दिया गया. सलमान खान ने जब एलिस के बाहर होने की घोषणा की तो उसके बाद अपने दोस्तों से विदा लेकर वो बिग बॉस के घर से बाहर आ गई.

दरअसल एलिस कौशिक ने बिग बॉस 18 के घर में 'कलर्स के लाडले' विवियन डीसेना के साथ एंट्री की थी. उनकी एंट्री होने से पहले ही बिग बॉस की तरफ से घोषित कर दिया गया था कि

एलिस और विवियन दोनों इस शो के फाइनलिस्ट हैं. यही वजह है कि एलिस के एलिमिनेशन की घोषणा होने के बाद उम्मीद थी कि बिग बॉस की तरफ से कहानी में कोई ट्विस्ट आ जाएगा, लेकिन ना ही बिग बॉस कुछ बोले और न ही सलमान खान और एलिस कौशिक की बिग बॉस में कहानी यहीं खत्म हो गई.

फूट-फूटकर रोईं ईशा सिंह

बिग बॉस 18 के घर में ईशा सिंह, अविनाश मिश्रा और एलिस कौशिक ने अपना एक ग्रुप बना लिया था. शुरुआत से ही ये तीनों एक साथ थे और कुछ दिनों बाद विवियन डीसेना ने भी इस ग्रुप से हाथ मिला लिया था. अब एलिस के जाने से सबसे बड़ा झटका अविनाश और ईशा को लगा है. एलिस के एलिमिनेशन की घोषणा के बाद ईशा सिंह उनके गले लगकर फूट-फूटकर रोती हुई नजर आईं.

रिश्ते पर उठाए गए थे सवाल

एलिस कौशिक उनके 'पंड्या स्टोर' के को-स्टार कंवर ढिल्लों को डेट कर रही हैं. बिग बॉस 18 के घर में उन्होंने ईशा सिंह, अविनाश मिश्रा के सामने कहा था कि कंवर ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया था. लेकिन कंवर ने बाहर मीडिया को दिए हुए इंटरव्यू में शादी की खबरों से साफ इनकार कर दिया. उनके इस इंटरव्यू के बाद सलमान खान ने 'वीकेंड का वार' पर एलिस और कंवर के रिश्ते को लेकर कुछ सवाल उठाए थे.

हिना खान

ने शिल्पा शिरोडकर की दोस्ती पर उठाए सवाल! करण वीर मेहरा को दे डाली ये सलाह

बिग बॉस के हर सीजन में कंटेस्टेंट्स के बीच दोस्ती का रिश्ता देखने को मिला है. बिग बॉस 18 में भी कई दोस्त बने हैं, जिनकी दोस्ती दर्शकों का मनोरंजन कर रही है. एक तरफ विवियन और उनका ग्रुप है, जिसमें अविनाश मिश्रा, ईशा और अलिस हैं. वहीं विवियन की दोस्ती शिल्पा के साथ भी अच्छी है. इसके अलावा करण और शिल्पा भी अच्छे दोस्त हैं. लेकिन शिल्पा और करण की दोस्ती पर पिछले लंबे वक्त से सवाल उठ रहे हैं. अब शो में गेस्ट बनकर पहुंची हिना खान ने भी इनकी दोस्ती पर बात की.मेकर्स ने शो का नया प्रोमो शेयर किया है. इस प्रोमो में हिना खान, करण को समझाती हुई नजर आ रही हैं कि वो अपने लिए खड़े हों और अपनी बात रखें और शिल्पा जी सवाल भी करें. वहीं हिना खान की बातें शिल्पा को बिल्कुल भी रास नहीं आती हैं. हालांकि वो चुपचाप बस उन्हें सुनती हुई दिखाई दे रही हैं. प्रोमों की शुरुआत में हिना करण वीर मेहरा से बात करती हुई नजर आ रही हैं.

हिना खान ने करण वीर को दी सलाह

हिना कहती हैं, जब शिल्पा ने आपको नॉमिनेट किया, मुझे बहुत खराब लगा. मैंने ये सोचा, ऐसे होगा, मैं गेम खेलूंगीर्ग्मैंने कोई कैलकुलेशन किया है, आपने अपने दोस्त को नॉमिनेट नहीं करना चाहिए था. करण तुम अपने लिए स्टेंड नहीं ले रहे हो कि आप मेरे साथ ऐसा नहीं कर सकते हैं..आप मेरी दोस्त हैं. ये सुविधा वाली जो दोस्ती है न, ये दिख रहा है. करण भी हिना खान की बातों से सहमत नजर

आते हैं और शिल्पा थोड़ी निराश.

हालांकि सलमान खान का इसपर कुछ और ही कहना है, होस्ट सलमान ने शिल्पा से पूछा क्या इस गेम के लिए उन्हें विवियन और करण की जरूरत है. इसपर वो न में अपना जवाब देती हैं. सलमान कहते हैं कि ये दोनों आपका पल्लू पकड़े हुए हैं. सलमान बातों ही बातों में विवियन और करण वीर मेहरा को भी फटकार लगाते हुए नजर आए.